www.navpradesh.com

आदित्यवर्णं तमसः परस्तात्

दैनिक

नवप्रदेश

प्रदेश के साथ पूरा देश...

अंदर के पृष्ठों पर ◆◆ 2 | छत्तीसगढ़ 4 | अभिव्यक्ति 11 | कारोबार/खेल

बिलासपुर, शुक्रवार, 24 अप्रैल 2026 शुक्ल पक्ष-अष्टमी, विक्रम संवत -2083 / वर्ष-12 अंक- 12 पृष्ठ-12 मूल्य-5 रुपए रायपुर, बिलासपुर, भोपाल, जबलपुर व रांची से एक साथ प्रकाशित

तीन दशक बाद लौटे मांदर के सुर बस्तर में बदल रही ज़िंदगी की धुन

आरती रॉय चौधरी

नवप्रदेश विशेष

रायपुर/नवप्रदेश। दक्षिण छत्तीसगढ़ के मनोरम और साल के घने जंगलों में 'मौसम' बदलने लगा है। यहां की हरीभरी वादियों में दूर बसे गांवों में अब बदलाव की आवाज़ साफ सुनाई देने लगी है। बस्तर अंचल के ये गांव जो कभी गोलियों की गूंज और आईईडी के धमाकों की आवाज़ों से ■ शेष पृष्ठ 8 पर

संघर्ष से प्रभावित क्षेत्र अब सामान्य स्थिति की ओर

वरिष्ठ पत्रकार रजत वाजपेयी के अनुसार, 'इसे केवल एक सांस्कृतिक आयोजन नहीं कहा जा सकता, यह समुदायों में बढ़ते आत्मविश्वास और सामान्य जीवन की ओर लौटने का संकेत है।' प्रकृति की गोद में बसे बस्तर में त्योहार सिर्फ उत्सव नहीं, बल्कि आदिवासी पहचान और सामाजिक जीवन का अहम हिस्सा हैं। ऐसे में इनका पुनर्जीवन इस बात का संकेत है।

भेज्जी में तीन दशक बाद मांदर की थाप गूंजी

भेज्जी में करीब तीन दशक बाद मांदर की थाप फिर गूंजी है। यह आवाज़ स्थानीय लोगों के लिए परिचित जरूर है, लेकिन इस बार इसका अर्थ बदल गया है। मांदर की यह थाप उस बस्तर की कहानी कह रही है जो धीरे-धीरे खौफ और आतंक से बाहर निकलकर फिर से सामान्य जन-जीवन की ओर लौट रहा है।

सीएम साय की पहल पर नई राह-नई उम्मीद पुनर्वासित युवाओं को मिली स्वास्थ्य सुरक्षा

रायपुर/नवप्रदेश। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में माओवाद छोड़कर समाज की मुख्यधारा में लौटे पुनर्वासित युवाओं को अब शासन की विभिन्न योजनाओं का व्यापक लाभ मिल रहा है। प्रशासन द्वारा इन युवाओं को नई शुरुआत देने के लिए जरूरी दस्तावेजों और सुविधाओं को प्राथमिकता के साथ उपलब्ध कराया जा रहा है। पुनर्वासित युवाओं को सशक्त बनाने के ■ शेष पृष्ठ 8 पर

युवाओं में दिखा नया आत्मविश्वास

आयुष्मान कार्ड प्राप्त करने के बाद पुनर्वासित युवाओं में उत्साह और आत्मविश्वास साफ नजर आया। उन्होंने शासन और प्रशासन के इस प्रयास की सराहना करते हुए बेहतर भविष्य की दिशा में आगे बढ़ने की इच्छा जताई।

समावेशी विकास की ओर मजबूत कदम

यह पहल न केवल पुनर्वासित युवाओं को स्वास्थ्य सुरक्षा प्रदान कर रही है, बल्कि उन्हें समाज में सम्मानजनक जीवन जीने के लिए भी प्रेरित कर रही है। प्रशासन का लक्ष्य है कि ऐसे सभी युवाओं को योजनाओं से जोड़कर उन्हें आत्मनिर्भर बनाया जाए। वहीं आयुष्मान कार्ड से लाखों का मुफ्त इलाज होगा।

आज बेबाक

पूर्णिया के निर्दलीय सांसद पप्पू यादव की पप्पूगिरी पहले भी चर्चा का विषय बनती रही है। वे कांग्रेस में घुसपैठ की फिराक में हैं इसलिए मीडिया की सुर्खियां बटोरने आए दिन अनाप शनाप बयान देते रहते हैं। उनका मानना है कि बदनाम होंगे तो भी क्या नाम न होगा। इस बार उन्होंने जोश में होश खोते हुए राजनीति में आने वाली नब्बे प्रतिशत महिलाओं के बारे में ऐसी घोर आपत्तिजनक टिप्पणी कर दी है जिसकी चौतरफा कड़ी निंदा हो रही है। नारी शक्ति के प्रति ऐसी घृणित सोच रखने वाले नेता यह भूल गए कि उनकी पत्नी भी राजनीति में हैं।

तापमान

अधिकतम	न्यूनतम
43°	28°

बाजार भाव

गोल्ड	सिल्वर
141,100	2,50,698

शेयर बाजार

सेंसेक्स	निफ्टी
77,664.00	24,173.05

विश्व जनसंख्या	भारत जनसंख्या
8,288,883,748	1474441297

गरमा-गरम

पश्चिम बंगाल में भाजपा-टीएमसी के बीच मुकाबला, तमिलनाडु में 84 फीसदी मतदान

पश्चिम बंगाल में पहले फेज की वोटिंग खत्म, छिटपुट हिंसा, 91 फीसदी मतदान

कोलकाता/चेन्नई/एजेंसी। पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव में पहले चरण का मतदान खत्म हो चुका है। चुनाव आयोग के मुताबिक शाम पांच बजे तक 91 फीसदी मतदान हुआ है। सबसे ज्यादा मतदान रघुनाथगंज विधानसभा सीट पर हुआ है। यहां करीब 95 फीसदी मतदाताओं ने अपने लोकतांत्रिक अधिकार का प्रयोग किया।। पहले चरण में 16 जिलों की 152 सीटों पर वोट डाले जा रहे हैं। मतदान सुबह सात बजे प्रारंभ हुआ और शाम 6 बजे तक जारी रहेगा। जिन सीटों पर कड़ा मुकाबला माना जा रहा है, उनमें नंदीग्राम, खड़गपुर, पुरुलिया, बांकुरा और झारग्राम सीटों शामिल हैं। राज्य में दूसरे चरण का चुनाव 29 अप्रैल को होगा, जिसमें 142 सीटों पर मतदान होगा। वहीं तमिलनाडु में 84 फीसदी वोटिंग हुई है।

पश्चिम बंगाल में राज्य में मुख्य मुकाबला तृणमूल कांग्रेस और भारतीय जनता पार्टी के बीच है। तृणमूल कांग्रेस के चुनाव प्रचार का ■ शेष पृष्ठ 8 पर

भाजपा उम्मीदवार सुवेंदु सरकार को टीएमसी वालों ने दौड़ाकर पीटा, अस्पताल ले जाना पड़ा

दक्षिण दिनाजपुर के कुमारगंज से भी झड़प की खबर है। यहां भाजपा के उम्मीदवार सुवेंदु सरकार को टीएमसी के समर्थकों ने दौडा लिया और उनकी पिटाई की गई। उन्हें बूथ पर उपद्रव की खबर मिली थी। यही देखे वह पहुंचे थे, लेकिन उन्हें भी दौड़ा लिया गयै। भाजपा नेताओं का कहना है कि सुवेंदु की पुलिस की मौजूदगी में पिटाई की गई और उन्हें इलाज के लिए अस्पताल ले जाया गया है। दुनियादारी में रुचि पत्रकारिता की ओर खींच लाई। समकालीन राजनीति पर लिखने के अलावा सामरिक मामलों,

रणनीतिक संचार और सभ्यतागत प्रश्नों के अध्ययन में रुचि रखते हैं। मूल रूप से उत्तर प्रदेश के रायबरेली के रहने वाले सूर्यप्रकाश को पत्रकारिता जगत में करीब डेढ़ दशक का अनुभव है। 10 वर्षों से ज्यादा समय से डिजिटल मीडिया में कार्यरत हैं।

झालमुड़ी मैंने खाई, मिर्च विपक्षियों को लग रही: मोदी

पीएम नरेंद्र मोदी ने गुरुवार को बंगाल के मथुरापुर और कृष्णानगर में चुनावी रैली की । उन्होंने कहा- जनता ने तय कर दिया है कि 4 मई को परिणाम नहीं, परिवर्तन आएगा। टीएमसी हारेगी और भाजपा का भरोसा जीतेगा। मोदी ने कहा कि बंगाल की धरती मां दुर्गा को पूजती है, लेकिन टीएमसी ने महिला आरक्षण के खिलाफ वोटिंग की। टीएमसी की सरकार में गुंडों और बलात्कारियों को खुला संरक्षण मिला हुआ है। बंगाल की बेटियां ये अत्याचार कभी नहीं भूल सकतीं। चुनाव प्रचार के दौरान झालमुड़ी खाने पर उन्होंने कहा- झालमुड़ी मैंने खाई है पर मिर्च

विपक्ष को लग रही है। अब का मतदान सभी पुराने रिकॉर्ड तोड़ रहा है। मैं यहां परिवर्तन की आंधी देख रहा हूं। पीएम मोदी रविवार को पश्चिम बंगाल के झाड़ग्राम में चुनाव प्रचार के दौरान एक दुकान पर रुके और झालमुड़ी खाई थी।

बंगाल में 16 जिलों की 152 विधानसभा सीटों पर मतदान

पश्चिम बंगाल में आज 23 अप्रैल को लोकतंत्र के पर्व का पहला चरण भारी मौसमी उतार-चढ़ाव के बीच जारी है। 16 जिलों की 152 विधानसभा सीटों पर मतदान हो रहा है। एक तरफआसमान से आग बरस रही है, तो दूसरी तरफ सियासी पारा भी अपने चरम पर है। दक्षिण बंगाल के तीन जिलों में मौसम विभाग ने गंभीर 'हीट वेव' (लू) का अलर्ट जारी किया है, लेकिन इसी बीच चुनावी दोपहर में कई जिलों में अचानक बारिश की भी भविष्यवाणी की गई है। इस एक्सट्रीम वेदर के बावजूद बंगाल के मतदाताओं का उत्साह कम होने का नाम नहीं ले रहा है। आइए विस्तार से समझते हैं आज के मतदान के सियासी मायने, मौसम का असर और राजनीतिक दलों की धड़कनें क्यों बढ़ी हुई हैं।

ट्रम्प ने शेयर की भारत को नरक बताने वाली चिट्ठी

■ आरोप- भारतीय अमेरिका में बच्चों को जन्म देकर नागरिकता लेते हैं, फिर परिवार बुलाते हैं

वॉशिंगटन डीसी/ए.। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने एक पोस्ट को शेयर किया है, जिसमें भारत और चीन को हेल होल (नरक का द्वार) बताया गया है। यह चिट्ठी कट्टरपंथी अमेरिकी लेखक और रेडियो होस्ट माइकल सैवेज की है, जिसमें जन्म के आधार पर नागरिकता देने की आलोचना की गई है और भारत-चीन समेत कई देशों पर विवादित टिप्पणी की गई है। इसमें लिखा गया है कि प्रवासी जन्म के आधार पर अपने बच्चों को नागरिकता दिलाते हैं।

फिर पूरा परिवार अमेरिका आ जाता है। इसमें बर्थराइट कानून की आलोचना करते हुए कहा गया है कि इसका फैसला अदालतों या वकीलों से नहीं, बल्कि देशव्यापी वोटिंग से होना चाहिए। इस चिट्ठी के साथ सैवेज का वीडियो भी टैग है। इस पर भारत के विदेश मंत्रालय की भी प्रतिक्रिया आई है। प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने गुरुवार को कहा- फिलहाल मैं बस इतना ही कहूंगा कि हमने इसे जुड़ी कुछ रिपोर्ट्स देखी हैं।

राष्ट्रपति ट्रम्प ने 22 दिन पुराने वीडियो का टेक्स्ट शेयर किया

इस वीडियो को माइकल सैवेज ने 1 अप्रैल को अपने यूट्यूब चैनल पर लाइव स्ट्रीम किया था। इसमें कही गई बातों को ट्रम्प ने 4 पन्नों में ट्रुथ सोशल पर शेयर किया है। इसमें सैवेज कहते हैं कि, '(अमेरिकी) संविधान तब लिखा गया जब लोग हवाई यात्रा भी नहीं करते थे। कहने की जरूरत नहीं है, टेलीविजन से पहले, इंटरनेट से पहले, रेडियो और हवा से पहले।' संविधान के कई तर्क अब प्रासंगिक नहीं रह गए हैं। अब कुछ लोग गर्भावस्था के आखिरी समय में अमेरिका आकर बच्चे को जन्म देते हैं, जिससे बच्चे को तुरंत नागरिकता मिल जाती है। फिर उसी आधार पर वे अपने परिवार के बाकी लोगों को भी अमेरिका बुला लेते हैं। ऐसे उदाहरण अब आम हो गए हैं और इसके कारण अमेरिका में भाषा और पहचान बदल रही है। अब प्रवासियों में देश के प्रति पहले जैसी भावना भी नहीं दिखती।

रायगढ़ के जंगल में मिला बेबी एलीफेंट का शव

रायगढ़/नवप्रदेश। छत्तीसगढ़ के रायगढ़ जिले में हाथी के एक शावक का शव जंगल में मिला है। सूचना मिलते ही अधिकारी मौके पर पहुंचे और पंचनामा कर पोस्टमॉर्टम कराया गया।

जग्गी हत्याकांड: अमित जोगी को सुप्रीम कोर्ट से राहत, सरेंडर पर रोक

■ सीबीआई से मांगा जवाब, उम्रकैद-अपील दोनों मामलों की एक साथ सुनवाई

बिलासपुर/नवप्रदेश। छत्तीसगढ़ के बहुचर्चित रामावतार जग्गी हत्याकांड में पूर्व सीएम अजीत जोगी के बेटे अमित जोगी को सुप्रीम कोर्ट ने बड़ी राहत दी है। कोर्ट ने अंतरिम राहत देते हुए सीबीआई, राज्य सरकार और सतीश जग्गी को नोटिस जारी किया। साथ ही फैसला आने तक अमित जोगी के सरेंडर और जेल जाने पर रोक लगा दी।

अमित जोगी की ओर से दो आदेशों को चुनौती दी गई थी। पहला, जिसमें सीबीआई को

अपील करने की अनुमति दी गई और दूसरा, हाईकोर्ट का वह फैसला, जिसमें उन्हें हत्या का दोषी ठहराते हुए उम्रकैद की सजा सुनाई गई। अब दोनों मामले की एक साथ सुनवाई हुई। इससे पहले हाईकोर्ट ने 6 अप्रैल को अमित जोगी को आईपीसी की धारा 302 और 120-बी के तहत दोषी ठहराते हुए उम्रकैद की सजा दी गई थी। 3 हफ्ते में सरेंडर करने का आदेश दिया था। इसके बाद जोगी ने सुप्रीम कोर्ट में अपील दायर की थी।

जज से बहस वाले वीडियो पर केजरीवाल को नोटिस

नई दिल्ली/एजेंसी। दिल्ली हाईकोर्ट ने एक जनहित याचिका पर सुनवाई करते हुए गुरुवार को पूर्व सीएम अरविंद केजरीवाल को नोटिस जारी किया है। याचिका बिना इजाजत कोर्ट की कार्यवाही रिकॉर्ड करने और उसे सोशल मीडिया पर सर्कुलेट करने को लेकर है। कोर्ट ने सभी वीडियो डिलीट करने और लिंक हटाने के निर्देश दिए हैं। न्यूज एजेंसी पीटीआई की रिपोर्ट के मुताबिक याचिका एडवोकेट वैभव सिंह ने लगाई है। दिल्ली हाईकोर्ट ने केजरीवाल, सिसोदिया, पत्रकार रवीश कुमार और अन्य के खिलाफ नोटिस जारी किया है।

मिर्जापुर में हादसा-11 मौतें, बोलेरो में 9 जिंदा जले

■ बेटे का मुंडन कराकर लौट रहा था परिवार, कोई नहीं बचा, शवों को पहचानना मुश्किल

मिर्जापुर (ए.)। यूपी के मिर्जापुर में बुधवार रात सड़क हादसे में 11 लोगों की मौत हो गई। इसमें बोलेरो सवार 9 लोग जिंदा जल गए। हादसा रात 9.30 बजे मिर्जापुर-रीवा नेशनल हाईवे पर हुआ।

पुलिस के मुताबिक, एक तेज रफ्तार ट्रक अचानक ब्रेक फेल होने से बेकाबू हो गया। ट्रक ने आगे चल रही बोलेरो और स्विफ्ट कार को टक्कर मार दी। दोनों गाड़ियां आगे चल रहे एक ट्रॉले से जा टकरा गईं। रफ्तार तेज होने की

वजह से टक्कर के बाद बोलेरो उछलकर अलग हो गई। तेज धमाके के साथ उसमें आग लग गई। जबकि, स्विफ्ट कार ट्रक और ट्राले के बीच में फंस गई।

आग इतनी भीषण थी कि बोलेरो सवार 9 लोगों को बाहर निकलने का मौका नहीं मिला। इसमें एक ही परिवार के 8 लोग और एक ड्राइवर था। करीब ढाई घंटे तक बोलेरो धू-धू कर जलती रही। मौके ■ शेष पृष्ठ 8 पर

अंबिकापुर में प्लास्टिक और पटाखे की दुकान में भीषण आग, चपेट में दो घर

अंबिकापुर/नवप्रदेश। अंबिकापुर में प्लास्टिक-पटाखे की दुकान में भीषण आग लग गई। यहां मुकेश प्लास्टिक की होलसेल शॉप है। जहां लाखों रुपए के प्लास्टिक के सामानों और पटाखों का भंडारण है।

1 घंटे के अंदर आग ने 2 मंजिला बिल्डिंग को चपेट में ले लिया। दुकान से सटे घर में भी आग लग गई। घटना कोतवाली थाना क्षेत्र की है। प्लास्टिक सामान जलने के बाद आग से पटाखे जलने लगे, जिससे लगातार धमाके हो रहे थे। 10

किमी दूर से धुंए का गुबार दिख रहा है। 4 फायर ब्रिगेड की टीम ने 25 टैंकर पानी डाला है, लेकिन आग लगातार फैल रही है। पिछले 5 घंटे से रेस्क्यू जारी है। घनी आबादी वाले इलाके में आग लगने से अफरा-तफरी का माहौल है। घटना की वजह अभी सामने नहीं आई है।

पंचायती राज दिवस विशेष : गांव का यह मॉडल बालोद सहित पूरे छत्तीसगढ़ के लिए प्रेरणा स्रोत

महिला सरपंच के नेतृत्व में मरकाटोला बना नशामुक्त आदर्श गांव

सुप्रीत शर्मा

बालोद/नवप्रदेश। पंचायती राज दिवस (24 अप्रैल) के अवसर पर डौंडी ब्लॉक के अनुसूचित क्षेत्र की ग्राम पंचायत मरकाटोला (सुरडोंगर) आज एक मिसाल बनकर उभरी है, जहां पेसा एक्ट के प्रभावी उपयोग से पंचायत प्रतिनिधियों, महिला सरपंच और ग्राम विकास समिति ने मिलकर गांव को नशामुक्त बनाने की दिशा में सफल पहल की है। यह मॉडल अब बालोद जिले सहित पूरे छत्तीसगढ़ के लिए प्रेरणा ■ शेष पृष्ठ 8 पर

सामाजिक बुराइयों पर लगा विराम

इस निर्णय के बाद- गांव में झगड़े और विवाद कम हुए हैं। महिलाओं में सुरक्षा की भावना बढ़ी है। सामाजिक वातावरण शांत और सकारात्मक हुआ है। सरपंच श्रीमती तारा देवी दर्रो, उपसरपंच किशोर कुमार साहू, ग्राम सभा अध्यक्ष बीआर देवहारी, ग्राम विकास समिति अध्यक्ष तोरण सिंह मरकाम एवं युवा सेवा समिति अध्यक्ष शवेश मरकाम सहित अन्य पदाधिकारियों ने बताया कि यह निर्णय महिलाओं की सुरक्षा, युवाओं के उज्वल भविष्य और गांव के समग्र विकास को ध्यान में रखते हुए लिया गया है।

शराब से गांव माहौल था खराब, अब शांति

गांव में पहले शराब की अवैध बिक्री, खासकर कच्ची महुआ शराब की बिक्री से माहौल बिगड़ रहा था, लेकिन ग्राम सभा के फैसले के बाद अब स्थिति पूरी तरह बदल चुकी है। होली के बाद से अब तक कोई शिकायत नहीं आई और गांव में शांति बनी हुई है।

- **तारा दर्रो**, सरपंच, ग्राम पंचायत मरकाटोला

पूरे छत्तीसगढ़ के लिए बना मॉडल

मरकाटोला-सुरडोंगर की यह पहल अब पेसा एक्ट के प्रभावी क्रियान्वयन का एक सफल उदाहरण बन चुकी है। यह दिखाता है कि अगर पंचायत प्रतिनिधि, खासकर महिला नेतृत्व और ग्राम समिति मिलकर काम करें तो सामाजिक बुराइयों पर नियंत्रण संभव है। पंचायती राज दिवस पर यह गांव यह संदेश दे रहा है कि सशक्त ग्राम सभा और जागरूक पंचायत ही सशक्त समाज की नींव है। अब जरूरत है कि अन्य पंचायतें भी इस मॉडल को अपनाएं और नशामुक्त, सुरक्षित गांव की दिशा में कदम बढ़ाएं।

राष्ट्रगान से होती है दिन की शुरुआत, नशा छोड़ बना आदर्श गांव, सपोस बना मिसाल

जयदेव सिंह

नवप्रदेश विशेष

महासमुंद/नवप्रदेश। महासमुंद जिले के पिथौरा ब्लॉक का ग्राम पंचायत सपोस आज एक ऐसी मिसाल बन चुका है, जो पूरे जिले ही नहीं बल्कि प्रदेश के लिए प्रेरणा का केंद्र बन गया है। कभी नशे की गिरफ्त में रहा यह गांव आज नशा मुक्ति और सामाजिक जागरूकता का प्रतीक बन चुका है।

इस गांव की सबसे खास पहचान है, हर सुबह 7:40 बजे गूंजने वाला राष्ट्रगान। जैसे ही

राष्ट्रगान बजता है, गांव में जहां जो भी होता है महिला, पुरुष या बच्चे, वहीं सावधान मुद्रा में खड़े होकर राष्ट्रध्वज को सलामी देते हैं। यह परंपरा अब गांव की दिनचर्या का अभिन्न हिस्सा बन चुकी है। सपोस पंचायत ने बेटियों के भविष्य को सुरक्षित करने के लिए भी अनोखी पहल की है। पिछले 7-8 वर्षों से 'सरपंच बिटिया रानी सहायता योजना' के तहत गांव में जन्म लेने वाली हर बेटी के नाम पर पोस्ट ऑफिस में 5 हजार रुपये का फिक्स्ड डिपॉजिट कराया जाता ■ शेष पृष्ठ 8 पर

ओवररेट शराब, नशाखोरी और अव्यवस्था का फैलता जाल, आबकारी और पुलिस पर उठे सवाल!

छुईखदान/नवप्रदेश। छुईखदान में हालात अब सिर्फ एक शिकायत का मुद्दा नहीं रहे, बल्कि पूरी व्यवस्था पर सवाल खड़े करने वाली स्थिति बन चुके हैं। शराब दुकानों पर ओवररेट वसूली, चखना दुकानों की मनमानी, सार्वजनिक स्थानों पर शराबखोरी और बढ़ती नशाखोरी–ये सब मिलकर प्रशासनिक ढिलाई की एक गंभीर तस्वीर पेश कर रहे हैं।

स्थानीय लोगों के अनुसार, छुईखदान में शराब 20 से 50 रुपये तक अधिक कीमत पर बेची जा रही है। इस पर तब और सवाल खड़े हो गए जब पास के खैरागढ़ में वही शराब करीब 30 रुपये सस्ती मिलती पाई गई। यह अंतर साफ तौर पर बताता है कि मामला सरकारी रेट का नहीं, बल्कि स्थानीय स्तर पर हो रही ओवरचार्जिंग का है। क्योंकि छत्तीसगढ़ सरकार की नीति के अनुसार शराब के दाम पूरे राज्य में एक समान लागू होते हैं–ऐसे में दो जगहों पर अलग-अलग कीमतें सीधे अनियमितता की ओर इशारा करती हैं।

इसी के साथ शराब दुकानों के सामने चल रही चखना दुकानों में भी मनमानी चरम पर है। खाने-पीने की वस्तुएं ऊंचे दामों पर बेची जा रही हैं और साफ-सफाई की हालत बेहद खराब है। खुले में फैली गंदगी न सिर्फ माहौल खराब कर रही है, बल्कि स्वास्थ्य के लिए भी खतरा बन रही है।

स्थिति तब और चिंताजनक हो जाती है जब छुईखदान के खेल मैदान, जहां बच्चों और युवाओं को खेलना चाहिए, शाम होते ही शराबियों का अड्डा बन जाते हैं। सार्वजनिक स्थानों पर खुलेआम शराब पीना आम होता जा रहा है, जिससे सामाजिक माहौल पर नकारात्मक असर पड़ रहा है।

नशे के बढ़ते चलन को लेकर भी गंभीर सवाल उठ रहे हैं। स्थानीय लोगों का कहना है कि गांजा बेचने वालों तक प्रशासन की पहुंच नहीं बन पा रही, लेकिन जगह-जगह गांजा पीते लोग आसानी से देखे जा सकते हैं। यह स्थिति साफ तौर पर कानून-व्यवस्था की कमजोरी को दर्शाती है।

पूरे मामले में अब सबसे बड़ा सवाल आबकारी विभाग और पुलिस प्रशासन दोनों की भूमिका पर उठ रहा है। आबकारी विभाग पर आरोप है कि वह शराब दुकानों में ओवररेट वसूली और चखना दुकानों की अनियमितताओं पर सिर्फ औपचारिक कार्रवाई कर रहा है। वहीं पुलिस प्रशासन पर सवाल है कि सार्वजनिक स्थानों पर शराबखोरी और नशाखोरी पर प्रभावी नियंत्रण क्यों नहीं किया जा रहा।

लगातार शिकायतों के बावजूद यदि हालात ऐसे ही बने रहते हैं, तो यह साफ संकेत है कि जिम्मेदार विभागों की कार्रवाई केवल खानापूर्ति तक सीमित रह गई है। छुईखदान के मौजूदा हालात अब यह पूछने पर मजबूर कर रहे हैं–आखिर कानून और नियमों का पालन कौन कराएगा? आबकारी और पुलिस विभाग कब तक इस स्थिति पर चुप्पी साधे रहेंगे? अब नजर इस बात पर है कि प्रशासन इस गंभीर मामले में कब और कितनी सख्ती से कदम उठाता है।

विकास कार्यों ने पकड़ी रफ्तार, नपा अध्यक्ष ने किया विभिन्न निर्माण कामों का निरीक्षण

महासमुंद/नवप्रदेश। नगर पालिका क्षेत्र में इन दिनों विकास कार्यों ने गति पकड़ ली है। विभिन्न वार्डों में जारी निर्माण कार्यों का निरीक्षण करते हुए नगर पालिका अध्यक्ष निखिलकांत साहू ने गुणवत्ता और पारदर्शिता सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान वार्ड क्रमांक 04 में बन रही सीसी नाली का जायजा लिया गया। यह नाली तीन वार्डों से निकलने वाले गंदे पानी के निकासी का मुख्य माध्यम है। पूर्व में नाली छोटी होने के कारण पानी सड़कों पर फैल जाता था, जिससे राहगीरों और स्थानीय निवासियों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ता था। अब बड़ी नाली के निर्माण से जल निकासी की समस्या का स्थायी समाधान होने के साथ स्वच्छता में भी सुधार आएगा। इसी क्रम में वार्ड 07 में निर्माणाधीन रंगमंच का भी निरीक्षण किया गया। यह रंगमंच स्थानीय स्तर पर सांस्कृतिक और सामाजिक कार्यक्रमों के आयोजन के लिए एक बेहतर मंच उपलब्ध कराएगा। वहीं, वार्ड 18 और 20 में आंगनबाड़ी केंद्रों के मरम्मत कार्य भी प्रगति पर हैं, जिससे बच्चों और महिलाओं को बेहतर सुविधाएं मिल सकेंगी। नगर पालिका अध्यक्ष श्री साहू ने ठेकेदारों को सख्त निर्देश देते हुए कहा कि सभी निर्माण कार्य उच्च गुणवत्ता और पारदर्शिता के साथ समय पर पूर्ण किए जाएं। उन्होंने स्पष्ट किया कि किसी भी प्रकार की लापरवाही, घटिया सामग्री या अनियमितता को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

पीएमश्री सेजेस तुमगांव में एक दिवसीय विशेषज्ञ व्याख्यान सत्र आयोजित

महासमुंद/नवप्रदेश। पीएमश्री सेजेस तुमगांव में उच्च कक्षाओं के छात्र-छात्राओं के समग्र विकास एवं उन्नति के उद्देश्य से एक दिवसीय विशेषज्ञ व्याख्यान सत्र का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में श्रीवास्तव एवं करण सिंह सोरी उपस्थित रहे, जिन्होंने विद्यार्थियों को मार्गदर्शन प्रदान किया। कार्यक्रम की शुरुआत में प्रधानाचार्य देवेंद्र अगलावे एवं वरिष्ठ व्याख्याता लंकेश कुरील ने अतिथि शिक्षकों का पुष्पगुच्छ एवं स्मृति चिन्ह भेंटकर स्वागत किया। इस अवसर पर विद्यालय के शिक्षकों ने भी अतिथियों का अभिनंदन किया।

सीखने और अनुशासन पर दिया जोर : अपने संबोधन में श्रीवास्तव ने विद्यार्थियों को निरंतर सीखने, अनुशासन और सकारात्मक सोच का महत्व बताया। उन्होंने कहा कि व्यक्तिगत विकास के लिए नियमित अध्ययन, समय प्रबंधन और असफलताओं से सीखना बेहद जरूरी है। उन्होंने विद्यार्थियों को खुद को लगातार

दो घंटे ग्रामीणों ने किया चक्काजाम, ग्राम गुजरा में बढ़ा आक्रोश

नेशनल हाईवे पर भीषण हादसा, दो युवकों की मौत

बालोद/नवप्रदेश। नेशनल हाईवे-30 पर बुधवार को हुए दर्दनाक सड़क हादसे में बाइक सवार दो युवकों की मौके पर ही मौत हो गई। यह घटना बालोद थाना क्षेत्र के गुजरा गांव के पास हुई, जिसके बाद पूरे क्षेत्र में शोक और आक्रोश का माहौल बन गया। प्राप्त जानकारी के अनुसार तेज रफ्तार ट्रक ने बाइक को जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि दोनों युवक सड़क पर गिर पड़े और मौके पर ही उनकी मौत हो गई। मृतकों में एक की पहचान ग्राम गुजरा निवासी डोमेंद्र यादव के रूप में हुई, जबकि दूसरे मृतक की पहचान बाद में सुवरबोड़ निवासी सुरेंद्र नायक के रूप में की गई।

पुलिस ने जारी की थी फोटो, बाद में हुई पहचान

प्रारंभ में दूसरे युवक का चेहरा बुरी तरह क्षतिग्रस्त होने के कारण उसकी पहचान नहीं हो सकी थी। बालोद पुलिस ने उसकी पहचान के लिए फोटो जारी कर आम लोगों से सहयोग की अपील की थी। बाद में परिजनों द्वारा उसकी पहचान सुरेंद्र नायक के रूप में की गई।

खराब सड़क और सुरक्षा की कमी पर उठे सवाल : ग्रामीणों का आरोप है कि नेशनल हाईवे की बदहाल स्थिति इस हादसे की मुख्य वजह है। उन्होंने बताया कि मरम्मत के नाम पर जगह-जगह गड्ढे खोदे गए हैं, लेकिन सुरक्षा के कोई इंतजाम नहीं किए गए हैं। रात के अंधेरे में ऐसे हालात के कारण हादसे लगातार बढ़ते जा रहे हैं।

मौके पर पहुंची पुलिस, जांच जारी

घटना की सूचना मिलते ही बालोद थाना और ट्रैफिक पुलिस मौके पर पहुंची और पंचनामा कार्रवाई के बाद दोनों शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया। पुलिस द्वारा ट्रक चालक की तलाश और हादसे के कारणों की जांच की जा रही है।

आक्रोशित ग्रामीणों ने किया चक्काजाम

हादसे के बाद बड़ी संख्या में ग्रामीण मौके पर पहुंचे और दोनों शवों को सड़क पर रखकर नेशनल हाईवे पर करीब दो घंटे रात 11 बजे तक चक्काजाम कर दिया। ग्रामीणों ने प्रशासन के खिलाफ नारेबाजी करते हुए मृतकों के परिजनों को मुआवजा देने की मांग की। साथ ही जिम्मेदार ठेकेदार और संबंधित विभाग के लोगों पर भी कार्यवाही की मांग की।

समझाइश के बाद खुला जाम

स्थिति को देखते हुए मौके पर पुलिस बल तैनात किया गया। प्रशासनिक अधिकारियों द्वारा ग्रामीणों को समझाइश देने के बाद देर रात जाम समाप्त हुआ और यातायात बहाल किया गया। करीब दो घंटे यातायात बाधित था। आधी रात तक गाड़ियों की लंबी कतारें देखने को मिली।

बड़ा सवाल तो अब ये है?

यह हादसा एक बार फिर सवाल खड़े करता है कि क्या नेशनल हाईवे की खस्ताहाल स्थिति सुधरेगी या इसी तरह लापरवाही के चलते लोगों की जान जाती रहेगी।

सरकारी-चारागाह की जमीनों पर अवैध निर्माण रोकने पंचायतों को निर्देश जारी

खैरागढ़/नवप्रदेश । जिले के ग्राम पंचायतों द्वारा गांव की सरकारी और चारागाह की जमीनो को प्रधानमंत्री आवास के लिए हितग्राहियो को आबंटित किए जाने की लगातार शिकायतों के बाद कलेक्टर के निर्देश पर इस पर पूर्ण प्रतिबंध लगाने के निर्देश जारी किए गए है । मामला कलेक्टर के समयसीमा की बैठक मे उठा था जिसके बाद दिशानिर्देश जारी किए है । जिले के कुछ पंचायतों मे प्रमं आवास योजना के हितग्राहियो को सरपंच सचिव द्वारा बिना राजस्व अधिकारियो की अनुमति के सरकारी और चारागाह की जमीनों पर आवास निर्माण प्रस्ताव पंचनामा तैयार कर प्रेषित करने की शिकायतें सामने आई थी । जिले के ग्राम पंचायत गर्रापार मे सरपंच सचिव द्वारा प्रमं आवास हितग्राही को अवैध तरीके से सरकारी जमीन आबंटन की शिकायत पर सरपंच पर एसडीएम द्वारा धारा 40 के तहत कार्यवाही जारी है । जिसके बाद मामले मे प्रशासन ने एक् शन लेते उक्त कार्यवाही को पूर्णत नियम विरूद्ध एवं दंडनीय बताते कहा गया कि इसके चलते तहसील कार्यालय मे अवैध अतिक्रमण प्रकरणो मे लगातार बढ़ोत्तरी हो रही है । नियमानुसार वैधानिक प्रावधानो के तहत छग पंचायत राज अधिनियम के तहत ग्राम पंचायत को शासकीय भूमि का आबंटन अथवा उपयोग करना पूर्णत प्रतिबंधित एवं दंडनीय है । कलेक्टर ने मामले मे निर्देश जारी करते कहा कि पंचायत स्तर पर इस प्रकार की अनियमितताओ पर तत्काल रोक लगाई जाए । जनपद स्तर पर कड़ी निगरानी रखते दोषियों पर विधिसम्मत कार्यवाही करने के निर्देश भारी किए गए है।

जनपद पंचायत ने जारी किए निर्देश : कलेक्टर की सख्ती के बाद जनपद पंचायत द्वारा पंचायतों को किसी भी स्थिति मे शासकीय, चारागाह अन्य सार्वजनिक भूमि पर आवास निर्माण हेते प्रस्ताव , पंचनामा तैयार नही करने, केवल वैध स्वामित्व, पटटा भूमि पर ही प्रमं आवास योजना अंतर्गत निर्माण की अनुशंसा करने, पूर्व मे पारित इस तरह के प्रस्ताव को तत्काल निरस्त कर इसकी सूचना जनपद पंचायत को उपलब्ध कराने के निर्देश दिए गए है ।

मनरेगा के लंबित कार्यों को समयसीमा में पूर्ण करने कलेक्टर ने दिए निर्देश

खैरागढ़/नवप्रदेश। मनरेगा के तहत जिले मे जारी अपूर्ण कार्यो को पूरा किए जाने को लेकर कलेक्टर इंद्रजीत सिंह चंद्रवाल ने जिला स्तरीय समिति की बैठक लेकर निर्माण कार्यो की समीक्षा की । कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में आयोजित जिला स्तरीय समिति की बैठक में विभागवार समीक्षा करते हुए गुणवत्तापूर्ण कार्य पूर्ण करने , मनरेगा एमआईएस कार्य पूर्णता प्रमाण-पत्र अपलोड करने के निर्देश दिये । अपूर्ण कार्य किये जाने पर योजना के प्रावधानों के अनुसार आवश्यक कार्यवाही एवं राशि वसूली किये जाने , तकनीकी समस्या वाले कार्यों को विभागों से जानकारी लेकर उच्च कार्यालय प्रेषित करने कहा । बैठक मे बताया गया कि जल्दी ही नई योजना वीबी जीरामजी लागू होने वाली है। इसके चलते प्रचलित योजना के सभी कार्य को समयसीमा में विधिवत पूर्ण किया जाना आवश्यक है।

घुपसाल ग्राम पंचायत में मेट चयन पर विवाद

नियमों की अनदेखी कर काम शुरू कराने का आरोप

छुरिया/नवप्रदेश। जनपद पंचायत छुरिया अंतर्गत ग्राम पंचायत घुपसाल (छु) में महात्मा गांधी रोजगार गारंटी योजना (मनरेगा) के तहत मेट चयन को लेकर विवाद सामने आया है। ग्रामीणों और सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार पंचायत में पुराने मेट को हटाकर कुछ पंचों द्वारा अपने पसंदीदा लोगों को मेट बनाए जाने की चर्चा है।

जानकारी के मुताबिक, मनरेगा योजना में मेट चयन के लिए नियमानुसार ग्राम पंचायत में मुनादी कर आवेदन आमंत्रित किए जाते हैं और प्रक्रिया पूरी होने के बाद चयन किया जाता है। ग्रामीणों का कहना है कि घुपसाल पंचायत में नियमानुसार मुनादी और आवेदन प्रक्रिया पूरी किए बिना ही नए मेट तय कर दिए गए और रोजगार गारंटी के कार्य शुरू करा दिए गए।

सूत्रों के अनुसार पंचायत में इस संबंध में कोई विधिवत प्रस्ताव पारित नहीं हुआ। ग्रामीणों का कहना है कि यदि प्रस्ताव पारित होता, तो पंचायत स्तर पर मुनादी और आवेदन प्रक्रिया की जानकारी सार्वजनिक होती। ऐसे में बिना चयन प्रक्रिया के काम शुरू होना सवालों के घेरे में है।

बताया जा रहा है कि वर्तमान में पंचायत क्षेत्र में रोजगार गारंटी योजना के कार्य संचालित हो रहे हैं, जबकि मेट की नियुक्ति को लेकर स्पष्ट स्थिति सामने नहीं आई है। इस मामले में रोजगार सहायक पर मनमानी तरीके से कार्य संचालन कराने के आरोप भी लगाए जा रहे हैं।

वहीं ग्राम पंचायत घुपसाल(छु) के सरपंच श्रीमती सावित्री बाई मंडावी ने इस मामले में कहा कि उन्होंने पंचों से पुराने मेट को फिलहाल बनाए रखने की बात कही थी, लेकिन पंचायत बैठक में पंचों ने उनकी बात नहीं मानी। सरपंच का आरोप है कि कुछ पंच अपनी मनमर्जी से निर्णय लेने की कोशिश कर रहे हैं।

इधर ग्राम पंचायत घुपसाल(छु) के सचिव बिहारी लाल साहू ने बताया कि मामले की शिकायत उनके पास आई है। सचिव के अनुसार उन्होंने पहले ही स्पष्ट किया था कि यदि नया मेट चयन करना होगा तो विधिवत मुनादी कर आवेदन लिए जाएंगे और प्रक्रिया पूरी होने के बाद ही चयन किया जाएगा। तकनीकी सहायक की उपस्थिति में नियमानुसार प्रक्रिया अपनाई जाएगी।

अब सवाल यह उठ रहा है कि यदि पंचायत में मेट चयन की प्रक्रिया पूरी नहीं हुई, तो रोजगार गारंटी योजना के कार्य किसके जिम्मे संचालित हो रहे हैं। ग्रामीणों ने मामले की निष्पक्ष जांच कर नियमों के तहत कार्रवाई की मांग की है।

गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सुविधा तथा समस्त राष्ट्रीय कार्यक्रम में प्रगति लाने के निर्देश

सीएमएचओ ने ली सुपरवाइजरों की बैठक

भाटापारा/नवप्रदेश। जिले में स्वास्थ्य सुविधाओं की बेहतरी तथा आम जनता को प्रदान की जा रही स्वास्थ्य सुविधाओं की निगरानी के सम्बन्ध में बुधवार को सीएमएचओ डॉ राजेश अवस्थी ने सेक्टर सुपरवाइजर की बैठक ली। स्थानीय सीएमएचओ कार्यालय में आयोजित इस समीक्षा बैठक में पाँच विकासखंडों के सभी सेक्टरों की टीबी ,कुष्ठ, मलेरिया,टीकाकरण,उच्च जोखिम गर्भवती ,आयुष्मान भारत, अटल मोनिटरिंग,यू विन पोर्टल जैसे जरूरी स्वास्थ्य संकेतकों की प्रगति की समीक्षा की गई ।

सीएमएचओ ने टीबी मुक्त भारत अभियान अंतर्गत चल रहे 100 दिवसीय अभियान में आयोजित होने वाले आउटरीच शिविर के माइक्रोप्लान की तैयारी तथा उच्च जोखिम ग्रामों में एक्सरे करवाने को कहा । इसके साथ ही असामान्य एक्सरे वाले संदेहास्पदों को नाट जाँच के लिए बलगम जाँच के लिए रेफर करने को भी कहा। मातृ मृत्यु दर को रोकने हेतु गर्भवती का अनिवार्य रूप से पंजीयन किया जाए । एल एच वी को उच्च जोखिम गर्भवती की स्थिति में प्रति सप्ताह महिला के घर भ्रमण के निर्देश दिए गए।

सुपरवाइजर सतत रूप से क्षेत्र भ्रमण करेंगे तथा अपनी रिपोर्ट प्रति सप्ताह बी एम ओ के साथ होने वाली बैठक में बताएंगे । सभी शासन द्वारा शुरु किये जा रहे सुशासन तिहार की तैयारी पूर्ण रखेंगे । इसमें ओआरएस घोल,सहित जरूरी दवाइयों की व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। शिविर में एनसीडी जांच भी की जाए और उसकी एंट्री भी करें साथ ही आयुष्मान कार्ड भी बनाएं जाएं । एलएचवी की समीक्षा मातृत्व स्वास्थ्य में किये जा रहे कार्य से ही की जाएगी ।

सीएमएचओ ने कम प्रगति वाले सेक्टरों पर नाराजगी जाहिर करते हुए उन्हें इसे ठीक करने की हिदायत दी। समीक्षा बैठक में अटल मॉनिटरिंग इंडिकेटर का अगली बार उपयोग करने के भी निर्देश दिए । उन्होंने अप्रैल,मई जून महीने के अंतिम सप्ताह में विशेष टीकाकरण शिविर लगाने के आदेश भी दिए जिससे छूटे हुए बच्चों को टीका लगाया जा सके।इसके साथ ही विकासखंड कसडोल एवं बलौदा बाजार में कुष्ठ की रोकथाम के लिए विशेष अभियान चलाने तथा स्थान पर ही उपचार शुरू करने के लिए माइक्रोफोन बनाकर क्रियान्वित करने को भी कहा ।

रायपुर में होगा राष्ट्रीय नवाचारी शिक्षा रत्न सम्मान सह राष्ट्रीय शैक्षिक संप्रवाह का भव्य आयोजन

- **छत्तीसगढ़ राज्य से 160 शिक्षक-शिक्षिका होंगे सम्मानित**

गरियाबंद/नवप्रदेश। नवाचारी गतिविधियाँ समूह भारत जो देश के सभी राज्यों एवं केन्द्र शासित प्रदेशों से जुड़ा एक मात्र एवं सबसे बड़ा स्व-प्रेरित नवाचारी शिक्षक समूह है, इसके छत्तीसगढ़ टीम द्वारा राष्ट्रीय नवाचारी शिक्षा रत्न सम्मान सह शैक्षिक संप्रवाह 2025-26 का आयोजन 25 अप्रैल 2026 को स्वामी आत्मानंद प्रो. जे. एन. पांडेय शास. उत्कृष्ट हिन्दी माध्यम उच्च. माध्य. विद्या. रायपुर (छ.ग.) में आयोजित किया जा रहा है. जिसमे पूरे छत्तीसगढ़ राज्य से 160 शिक्षकों का सम्मान होना है. जिसमे गरियाबंद जिले से 7 शिक्षक पदमजा गुप्ता गरियाबंद , नीता यादव फिंगेश्वर , सोनाली मडामें मैनपुर मोहम्मद अनवर खान व संतोष कुमार ताँडी छुरा, सुशील कुमार अवस्थी देवभोग, शामिल है. साथ ही समूह मे सतत रूप से सहयोग प्रदान करने के लिए यशवंत बघेल देवभोग को विशेष रूप से सम्मानित किया जायेगा.

राष्ट्रीय स्तर के शिक्षको को पूर्व से ही अवार्ड डाक के माध्यम से प्रेषित किया जा चुका है.

इस भव्य कार्यक्रम मे अन्य राज्यों के शिक्षको की लाईव प्रस्तुति होगी जो कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण होगा.

इस कार्यक्रम मे अतिथि के रूप मे शिक्षा विभाग के बड़े अधिकारी उपस्थित होंगे साथ ही छत्तीसगढ़ की एडमिन टीम व सहयोगी सहित अवार्ड के लिए चयनित शिक्षक उपस्थित रहेंगे.

कार्यक्रम के सफल आयोजन के लिए समूह प्रमुख संजीव कुमार सूर्यवंशी सहित गरियाबंद जिला टीम से सुश्री पुष्पा शुक्ला, लोकेश्वर सोनवानी , यशवंत बघेल, फ़नेन्द्र साहू , चित्रसेन पटेल,उमेश यदु ,मीनाक्षी शर्मा आदि सहित पूरी देश भर की टीम सहयोग कर रहे है.

इस समूह से जुड़े सभी टीम मेंबर शासकीय विद्यालय मे पदस्थ शिक्षक है जो स्व प्रेरणा से सरकारी विद्यालय मे गुणवत्ता पूर्ण शिक्षा के लिए आपस मे जुड़कर अतिरिक्त प्रयास कर रहे है. ये 2017 से लगातार प्रयासरत है एवं पिछले 5 वर्षो से लगातार इस कार्यक्रम का आयोजन कर रहे है. इस कार्यक्रम की पूरी योजना, क्रियान्वयन, संचालन एवं समस्त व्यय इन शिक्षको द्वारा ही किया जाता रहा है.

कई चरणों के बाद हुआ सम्मान के लिए चयन-- समूह प्रमुख एवं जिला टीम ने बताया कि इस सर्वप्रथम इसके लिए समूह के आफिसियल वेबसाईट के माध्यम से निःशुल्क आनलाईन आवेदन आमंत्रित किया गया. पूरे देश से 700 अधिक से सहित छत्तीसगढ़ से 400 से ज्यादा नॉमिनेशन प्राप्त हुए. इन आवेदन की अच्छे से जांच कर, समूह के द्वारा गठित समिति द्वारा नामित शिक्षकों का साक्षात्कार लिया गया एवं उनके आवेदन फार्म से सबंधित से उनके कार्यो के प्रमाण में दस्तावेज मांगे गए हैं। दस्तावेजों का उच्च चयन समिति द्वारा गहनता से परीक्षण किया गया. स्थानीय टीम के प्रमाणीकरण सहित आवश्कतानुसार क्रास इंटरव्यू के पश्चात चयन सूची जारी किया है। जिसमें ग्राउंड लेवल पर उत्कृष्ट कार्य करने वाले शिक्षक शामिल हैं. जिनको राष्ट्रीय नवाचारी शिक्षा रत्न सम्मान 2025-26 से सम्मानित किया गया।

‘ज्ञान भारतम’ अभियान से पांडुलिपि संरक्षण को मिल रहा नया बल

बिलासपुर/नवप्रदेश। संस्कृति मंत्रालय की पहल ‘ज्ञान भारतम् राष्ट्रीय पांडुलिपि सर्वेक्षण’ के तहत देश की अमूल्य पांडुलिपियों के संरक्षण और दस्तावेजीकरण के लिए अब ग्राम स्तर पर भी व्यापक प्रयास शुरू हो गए हैं। इस अभियान में आमजन की भागीदारी सुनिश्चित कर सांस्कृतिक धरोहर को सुरक्षित रखने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम उठाया जा रहा है।

भारत की समृद्ध ज्ञान परंपरा, संस्कृति, विज्ञान और दर्शन को संजोए रखने वाली पांडुलिपियों के संरक्षण के लिए केंद्र सरकार द्वारा ‘ज्ञान भारतम’ अभियान संचालित किया जा रहा है। इस पहल के माध्यम से न केवल पांडुलिपियों का सर्वेक्षण और दस्तावेजीकरण किया जा रहा है, बल्कि उन्हें आने वाली पीढ़ियों तक सुरक्षित पहुंचाने का भी लक्ष्य रखा गया है। अभियान के तहत ‘ज्ञान भारतम् मोबाइल एप’ विकसित किया गया है, जिसके जरिए कोई भी नागरिक मोबाइल नंबर या ईमेल आईडी से लॉगिन कर पांडुलिपियों की जानकारी दर्ज कर सकता है। उपयोगकर्ता व्यक्तिगत रूप से, मंदिर ट्रस्ट, विश्वविद्यालय या अन्य संस्थान के प्रतिनिधि के रूप में भी पंजीयन कर सकते हैं।

राज्य स्तरीय स्थायी समिति के गठन का प्रस्ताव

छत्तीसगढ़ सरकार द्वारा इस दिशा में राज्य स्तरीय स्थायी समिति के गठन का प्रस्ताव भी रखा गया है। वहीं बिलासपुर जिले में जिला स्तरीय समिति गठित कर अभियान को गति दी गई है। जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी संदीप कुमार अग्रवाल को नोडल अधिकारी नियुक्त किया गया है। जिले में 8 मास्टर ट्रेनर और 494 अन्वेषकों की नियुक्ति कर उनका प्रशिक्षण भी पूरा किया जा चुका है। बिलासपुर में इस अभियान को ग्राम सभाओं तक ले जाकर एक अभिनव पहल की गई है। ग्राम स्तर पर बैठकों में पांडुलिपियों के महत्व पर चर्चा की जा रही है और ग्रामीणों को इन्हें सुरक्षित रखने एवं सूचीबद्ध करने के लिए प्रेरित किया जा रहा है।

भीषण गर्मी को लेकर स्वास्थ्य विभाग अलर्ट

प्रदेश में बढ़ती गर्मी और लू के खतरे को देखते हुए स्वास्थ्य विभाग ने आमजन और स्वास्थ्य संस्थानों के लिए विस्तृत दिशा-निर्देश जारी किए हैं। इन निर्देशों में लू के लक्षण, बचाव के उपाय, प्रारंभिक उपचार तथा अस्पतालों में आवश्यक व्यवस्थाओं को सुनिश्चित करने पर विशेष जोर दिया गया है। राष्ट्रीय जलवायु परिवर्तन एवं मानव स्वास्थ्य कार्यक्रम के तहत जारी निर्देशों में कहा गया है कि प्रदेश में तापमान में लगातार वृद्धि हो रही है, जिससे लू (हीट स्ट्रोक) की संभावना बढ़ गई है। ऐसी स्थिति में जनस्वास्थ्य पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ सकता है, इसलिए समय रहते सतर्कता और बचाव अत्यंत आवश्यक है। जारी दिशा-निर्देशों के अनुसार लू के प्रमुख लक्षणों में सिरदर्द, तेज बुखार, चक्कर आना, उल्टी, शरीर में दर्द, अत्यधिक गर्मी के बावजूद पसीना न आना, अत्यधिक प्यास लगना, पेशाब कम आना तथा बेहोशी शामिल हैं। इन लक्षणों को नजरअंदाज न करते हुए तुरंत आवश्यक कदम उठाने की सलाह दी गई है। लू से बचाव के लिए नागरिकों को दोपहर के समय अनावश्यक रूप से बाहर न निकलने, धूप में निकलते समय सिर और कान ढंकने, पर्याप्त मात्रा में पानी पीने और हल्के, सूती कपड़े पहनने की सलाह दी गई है। अधिक पसीना आने पर ओआरएस घोल का सेवन करने तथा चक्कर या घबराहट होने पर छायादार स्थान पर आराम करने और ठंडे पेय पदार्थ लेने की भी सलाह दी गई है। जरूरत पड़ने पर 104 आरोग्य सेवा केंद्र से निःशुल्क परामर्श लेने को कहा गया है।

न्यूज गैलरी

श्री गंगानगर एक्सप्रेस में एक अतिरिक्त स्लीपर कोच की सुविधा

बिलासपुर/नवप्रदेश। रेलवे प्रशासन द्वारा यात्रियों की बेहतर यात्रा सुविधा व अधिकाधिक यात्रियों को कंफ़र्म बर्थ उपलब्ध कराने हेतु दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे से होकर चलने वाली गाड़ी संख्या 20471/20472 श्री गंगानगर-पुरी-श्री गंगानगर एक्सप्रेस में एक अतिरिक्त स्लीपर कोच की सुविधा अस्थायी रूप से उपलब्ध कराई जा रही है। यह सुविधा गाड़ी संख्या 20471 श्री गंगानगर-पुरी एक्सप्रेस में 3 से 31 मई तक तथा गाड़ी संख्या 20472 पुरी-श्री गंगानगर एक्सप्रेस में 6 मई से 3 जून तक उपलब्ध रहेगी। इस सुविधा की उपलब्धता से इस गाड़ी में यात्रा करने वाले अधिकाधिक यात्री लाभान्वित होंगे।

पर्यावरण सुरक्षा विषय पर ड्राइंग प्रतियोगिता का आयोजन

बिलासपुर/नवप्रदेश। लायंस क्लब बिलासपुर रॉयल द्वारा विश्व पर्यावरण संरक्षण के प्रति जनजागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से एक विशेष ड्राइंग एवं निबंध प्रतियोगिता का आयोजन किया जा रहा है। इस प्रतियोगिता का मुख्य विषय ‘विश्व पर्यावरण सुरक्षा’ रखा गया है, जिसके अंतर्गत प्रतिभागी निम्नलिखित विषयों पर अपनी रचनात्मक अभिव्यक्ति प्रस्तुत कर सकते हैं। इस प्रतियोगिता में सभी आयु वर्ग के विद्यार्थी भाग ले सकते हैं। प्रतिभागियों को अपने द्वारा बनाए गए ड्राइंग एवं संबंधित विषय पर निबंध तैयार कर 25 अप्रैल 2026, शाम 5:00 बजे तक व्हाट्सएप नंबर 7509886288 पर भेजना होगा। प्रतिभागियों को अपने नाम, कक्षा तथा चयनित विषय का उल्लेख अनिवार्य रूप से करना होगा। प्रतियोगिता में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले प्रतिभागियों को प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय पुरस्कार प्रदान किए जाएंगे।

महीनों से नहीं बंद हो रही थी पलक, अब सामान्य दृष्टि और चेहरे की बनावट सुधरी

स्किन ग्राफ्टिंग से पलक की सर्जरी, सड़क हादसे में क्षतिग्रस्त आंख को सिम्स में मिली नई जिंदगी

बिलासपुर/नवप्रदेश। *छत्तीसगढ़ आयुर्विज्ञान संस्थान (सिम्स) में डॉक्टरों की टीम ने जटिल स्किन ग्राफ्टिंग सर्जरी के जरिए 22 वर्षीय युवक की क्षतिग्रस्त पलक का सफल पुनर्निर्माण किया है। सड़क दुर्घटना में बुरी तरह प्रभावित आंख की निचली पलक का ऑपरेशन कर मरीज को न केवल दृष्टि में सुधार मिला, बल्कि चेहरे की सामान्य संरचना भी वापस आ गई।*

जानकारी के अनुसार युवक दिसंबर 2025 में सड़क हादसे का शिकार हुआ था। दुर्घटना में उसकी आंख की निचली पलक गंभीर रूप से क्षतिग्रस्त हो गई थी। पलक पूरी तरह बंद नहीं हो पाने के कारण आंख लगातार खुली रहती थी, जिससे संक्रमण और दृष्टि प्रभावित होने का खतरा बना हुआ था। प्रारंभिक उपचार के बावजूद राहत नहीं मिलने पर वह सिम्स के नेत्र रोग विभाग पहुंचा।

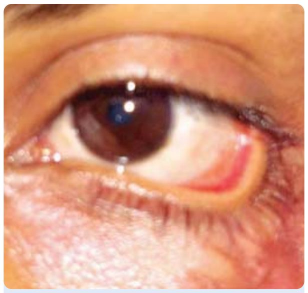

विशेषज्ञों ने लिया सर्जरी का निर्णय

नेत्र विशेषज्ञों की टीम ने विस्तृत जांच के बाद ऑपरेशन का निर्णय लिया। सर्जरी के दौरान सबसे पहले पलक पर बने कठोर स्कार टिश्यू को हटाया गया, जो पलक की सामान्य गति में बाधा बन रहा था। इसके बाद उन्नत स्किन ग्राफ्टिंग तकनीक के माध्यम से पलक और आसपास के हिस्से का पुनर्निर्माण किया गया।

तेजी से हुआ रिकवरी, सामान्य हुई पलक की कार्यक्षमता

ऑपरेशन के बाद मरीज की स्थिति में तेजी से सुधार दर्ज किया गया। अब वह सामान्य रूप से आंख बंद कर पा रहा है और दृष्टि भी बेहतर हो गई है। पलक की कार्यक्षमता बहाल होने से चेहरे की विकृति भी समाप्त हो गई है। इस जटिल सर्जरी में डॉ. सुचिता सिंह, डॉ. प्रभा सोनवानी, डॉ. कौमल देवांगन, डॉ. विनोद ताम्कनंद, डॉ. डेलीना नेल्सन, डॉ. संजय चौधरी, डॉ. अनिकेत सहित नर्सिंग स्टाफ सिस्टर संदीप कौर और नेत्र, सर्जरी व निश्चेतना विभाग की टीम ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

मरीज और परिजनों ने जताया आभार

अस्पताल प्रशासन के अनुसार सर्जरी पूरी तरह सफल रही है। मरीज की आंख की कार्यक्षमता बहाल होने और चेहरे की सामान्य स्थिति लौटने के बाद परिजनों ने राहत जताई और चिकित्सकों के प्रति आभार व्यक्त किया। सिम्स के अधिष्ठाता डॉ. रमणेश मूर्ति ने बताया कि संस्थान में स्वास्थ्य सेवाओं का स्तर लगातार बेहतर हो रहा है और जटिल मामलों में भी विशेषज्ञ डॉक्टर उत्कृष्ट परिणाम दे रहे हैं। चिकित्सा अधीक्षक डॉ. लखन सिंह ने कहा कि इस प्रकार की सर्जरी टीम वर्क और आधुनिक तकनीक के समन्वय का परिणाम है।

जटिल सर्जरी बड़ा ग्राफ्ट

डॉक्टरों के अनुसार यह सर्जरी चुनौतीपूर्ण थी, क्योंकि ग्राफ्ट का आकार अपेक्षाकृत बड़ा था और पलक की संरचना बेहद संवेदनशील होती है। इसके बावजूद विशेषज्ञों ने सफलतापूर्वक स्किन ग्राफ्ट प्रत्यारोपित कर पलक और गाल के हिस्से को पुनः सामान्य रूप दिया।

माचिस गोदाम में शॉर्ट सर्किट से लगी आग, लाखों का सामान खाक

दीवार तोड़कर बुझाई गई आग

बिलासपुर/नवप्रदेश। व्यापार विहार स्थित एक माचिस गोदाम में आज सुबह शॉर्ट सर्किट के कारण आग लग गई। इस घटना में लाखों रुपये का माचिस और अन्य सामान जलकर खाक हो गया। आग की सूचना मिलते ही नगर निगम और फायर ब्रिगेड की दमकल गाड़ियां मौके पर पहुंचीं।

नगर निगम के अपर आयुक्त खजांची कुम्हार ने बताया कि आग बुझाने के लिए गोदाम की दीवार तोड़नी पड़ी। आग को फैलने से रोकने के लिए निगम के एक्सीवेटर और स्काई लिफ्ट का उपयोग किया गया। उन्होंने बताया कि दूसरी मंजिल पर आग बुझाने का कोई रास्ता नहीं था, जिसके कारण एक्सीवेटर से दीवार तोड़कर आग पर काबू पाया गया। डिस्ट्रिक्ट कमांडेंट दीपांशु नाथ ने बताया कि व्यापार विहार में माचिस और पान मसाला के सामानों की दुकान में सुबह करीब 4 बजे लगी आग पर काबू पा लिया गया है। उन्होंने अग्निकांड के बाद व्यापार विहार व्यापारी संघ के अध्यक्ष नानक खंडूजा से बातचीत की है, जिन्होंने आग से बचाव के लिए अग्निशमन उपकरण लगाने का आश्वासन दिया है। डिस्ट्रिक्ट कमांडेंट ने सभी व्यावसायिक और गैर-व्यावसायिक संस्थानों तथा प्रतिष्ठानों से नेशनल बिल्डिंग कोड (एनबीसी) के अनुसार फायर एक्सटिंग्विशर की व्यवस्था करने की अपील की है। उन्होंने अग्नि सुरक्षा प्रमाण पत्र के लिए ऑनलाइन आवेदन कर इसे प्राप्त करने का भी आग्रह किया, ताकि आग से बचाव की व्यवस्था सुनिश्चित की जा सके।

नारायणा ई-टेक्नो में वित्तीय अनियमितता और अवैध गतिविधियों का आरोप

एनएसयूआई ने की उच्चस्तरीय जांच की मांग

बिलासपुर/नवप्रदेश। भारतीय राष्ट्रीय छात्र संगठन (एनएसयूआई) ने बिलासपुर के नेहरू नगर स्थित नारायणा ई-टेक्नो स्कूल और उसकी विभिन्न शाखाओं के खिलाफ गंभीर आरोप लगाते हुए प्रशासन से उच्चस्तरीय जांच की मांग की है? छत्तीसगढ़ एनएसयूआई के पूर्व प्रदेश सचिव सोहराब खान,जिला उपाध्यक्ष गौरव सिंह परिहार व शान सिंह ठाकुर ने आज स्कूल शिक्षा विभाग के सचिव व संचालक को विस्तृत सबूतों के साथ ज्ञापन सौंपा गया, जिसमें संचालक ने एसएसयूआई के प्रतिनिधियों को सराहना भी की और उनके द्वारा बोला भी गया स्कूली व्यवस्था को सुधारने हेतु आप लोगों की अच्छी पहल साथ ही सख्त कार्यवाही करने की बात कही। जिसमें विद्यालय के संचालन में पारदर्शिता के अभाव और विधिक प्रावधानों के उल्लंघन का दावा किया गया है? एनएसयूआई द्वारा सौंपे गए ज्ञापन में निम्नलिखित गंभीर बिंदुओं को रेखांकित किया गया है प्रशासनिक अपारदर्शिता: विद्यालय का संचालन लीज पर लिए गए भवनों में हो रहा है, जिससे संस्था के स्थायित्व पर सवाल उठते हैं? इसके अलावा, स्थानीय स्तर पर किसी भी उत्तरदायी पदाधिकारी या गारंटर का अभाव है? संगठन का आरोप है कि स्कूल प्रबंधन द्वारा छत्तीसगढ़ शिक्षा नियमों और मध्यप्रदेश सोसायटी पंजीयन अधिनियम, 1973 (धारा 63) का पालन नहीं किया जा रहा है? विद्यालय का कोई स्वतंत्र स्थानीय बैंक खाता नहीं है। अभिभावकों से ली जाने वाली फीस को सीधे केंद्रीय खातों में ट्रांसफर किया जा रहा है, जो वित्तीय अनियमितता की ओर इशारा करता है।

आज से सजेगी संस्कारों की पाठशाला

बिलासपुर/नवप्रदेश। कल का सूरज बिलासपुर के बच्चों के लिए नई ऊर्जा और सकारात्मक बदलाव लेकर आने वाला है। प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्व विद्यालय, टेलीफोन एक्सचेंज रोड स्थित ‘राजयोग भवन’ में कल, 24 अप्रैल से बहुप्रतीक्षित 7 दिवसीय ‘बाल संस्कार शिविर’ का शुभारंभ होने जा रहा है। 28 वर्षों की गौरवशाली परंपरा को जीवंत रखते हुए, इस वर्ष भी यह आयोजन बच्चों के मानसिक और आध्यात्मिक कायाकल्प के लिए पूरी तरह तैयार है। सेवाकेंद्र संचालिका बीके स्वाति दीदी ने आयोजन की पूर्व संध्या पर संदेश देते हुए कहा, ‘जैसे कच्ची मिट्टी को चाक पर चढ़ाकर सुंदर पात्र बनाया जाता है, ठीक वैसे ही 7 से 15 वर्ष की आयु वह समय है जब बच्चों के भीतर संस्कारों के बीज बोए जा सकते हैं। आज की भागदौड़ भरी और डिजिटल युग की चुनौतियों के बीच, बच्चों को अपनी जड़ों और नैतिक मूल्यों से जोड़ना समय की सबसे बड़ी मांग है।’ दीदी ने बताया कि यह शिविर केवल किताबी ज्ञान तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि खेल-खेल में जीवन जीने की कला सिखाई जाएगी।

भाषा केवल अभिव्यक्ति का माध्यम नहीं, बल्कि विचारों, संवेदनाओं का सशक्त सेतुः डॉ. पाण्डेय

डीएलएस में अंग्रेजी विभाग ने शेक्सपियर स्मृति दिवस मनाया

बिलासपुर/नवप्रदेश। आज डी.एल.एस. स्नातकोत्तर महाविद्यालय में अंग्रेजी विभाग द्वारा ‘अंग्रेजी भाषा दिवस’ के अवसर पर एक गरिमामय कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. प्रताप पाण्डेय, सी.ई.ओ. राकेश दीक्षित एवं डॉ. सुनीता द्विवेदी की उपस्थिति रही। कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्ज्वलन एवं सरस्वती वंदना के साथ हुआ।

डॉ. प्रताप पाण्डेय ने अपने उद्बोधन में विलियम शेक्सपियर की साहित्यिक विशेषताओं पर प्रकाश डालते हुए कहा कि भाषा केवल अभिव्यक्ति का माध्यम नहीं, बल्कि विचारों, संवेदनाओं एवं सांस्कृतिक मूल्यों का सशक्त सेतु है। उन्होंने शेक्सपियर के साहित्य को आज के समय में भी प्रासंगिक बताते हुए छात्रों को भाषा के माध्यम से सृजनात्मकता एवं चिंतनशीलता विकसित करने हेतु प्रेरित किया। महाविद्यालय की चेयरपर्सन निशा बसन्त शर्मा ने आयोजकों को बधाइयाँ प्रेषित की। महाविद्यालय के छात्र-छात्राओं द्वारा स्वरचित कविताओं का पाठ प्रस्तुत किया गया। साथ ही ‘21वीं शताब्दी में शेक्सपियर की प्रासंगिकता’ विषय पर प्रभावशाली भाषणों के माध्यम से महान साहित्यकार को स्मरण किया गया। कार्यक्रम का सफल संचालन अंग्रेजी विभाग के विभागाध्यक्ष शेख अफरीदी द्वारा किया गया। प्रस्तावना पाठन सहायक प्राध्यापक अंग्रेजी सुशील पटेल द्वारा एवं धन्यवाद ज्ञापन सहायक प्राध्यापक अंग्रेजी ऋचा वाइक्लिफ द्वारा प्रस्तुत किया गया। कार्यक्रम के अंत में सभी प्रतिभागियों को प्रमाण-पत्र प्रदान किया गया। इस अवसर पर दीप्ति धुरी, दिव्या जैन, साधना नाइक, सपना श्रीवास, प्रियंक दीक्षित, नीलाक्षी घृत, दिशा दुबे, संगीता कंवर, नागेंद्र सिंह, शिफा गौसी, जैस्मिन लकड़ा, आकाश पटेल, मेघा राव एवं ज्योति साहू सहित अनेक छात्र-छात्राओं की सक्रिय एवं उत्साहपूर्ण उपस्थिति रही।

पत्नी की हत्या का आरोपी गिरफ्तार, जेल दाखिल

बिलासपुर/नवप्रदेश। *21 अप्रैल को सूचना मिला कि आरोपी जीवन नोरगे पिता स्व किशन लाल नोरगे निवासी ग्राम रिसदा थाना मस्तूरी के द्वारा अपनी पत्नी सरस्वती नोरगे को कुल्हाड़ी से मार कर हत्या कर दिया है । सूचना पर थाना मस्तूरी में अप क्र 241/2026 धारा 103(1) बीएनएस के अंतर्गत अपराध पंजीबद्ध कर थाना प्रभारी मस्तूरी कृष्ण चंद सिदार के द्वारा घटना की सूचना वरिष्ठ अधिकारियों को दी गई ।*

मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस उप महानिरीक्षक एवं वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक रजनेश सिंह के द्वारा अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक ग्रामीण रश्मित कौर चावला के नेतृत्व में उप पुलिस अधीक्षक मस्तूरी लालचंद मोहले को घटना स्थल भेजा गया । उप पुलिस अधीक्षक लाल चंद मोहले द्वारा स्वयं मामले का सुपरविजन करते हुए घटना स्थल पर सीन ऑफ क्राइम एफएसएल यूनिट के वैज्ञानिक अधिकारी एवं थाना प्रभारी मस्तूरी के साथ प्रकरण में विवेचना कार्रवाई कराकर आरोपी जीवन नोरगे को हिरासत में लेकर पूछताछ किया गया। पूछताछ पर आरोपी जीवन नोरगे द्वारा बताया गया कि अपनी पत्नी के चरित्र पर विगत कई वर्षों से शंका करता था इसी बात को लेकर कल 21 अप्रैल को दोनों में विवाद हुआ। अपने पत्नी की हत्या करने के नियत से घर में रखे हुए लोहे के कुल्हाड़ी से सिर पर मार कर हत्या कर दिया। मामले में आरोपी जीवन नोरगे को गिरफ्तार कर न्यायिक रिमांड पर भेजा गया है।

आयोजनः सीवीआरयु में विश्व पुस्तक और कॉपीराइट दिवस पर प्रेरक आयोजन

व्यक्तित्व का निर्माण करती है किताबें: कुलपति प्रो. घोष

बिलासपुर/नवप्रदेश। *डॉ. सी. वी. रमन विश्वविद्यालय के जगन्नाथ प्रसाद चौबे केंद्रीय लाइब्रेरी में विश्व पुस्तक और कॉपीराइट दिवस पर कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर पुस्तक प्रदर्शनी लगाई गई और विद्यार्थियों को पुस्तक पढ़ने के लिए प्रेरित किया गया। महापुरुषों, धार्मिक और विषयगत पुस्तकों के बारे में सभी को जानकारी दी गई।*

कार्यक्रम के अध्यक्ष के रूप में उपस्थित विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर प्रदीप कुमार घोष ने कहा कि युवा पीढ़ी लगातार पढ़ने की प्रवृत्ति से दूर होती जा रही है। हम छोटे वीडियो में अधिक व्यस्त रहते हैं। उन्होंने कहा कि हमें इससे दूर होकर पढ़ने की आदत को निरंतर बढ़ाना होगा। किताबें व्यक्तित्व का निर्माण करती हैं और उनसे सार, तत्व तथा जीवन की सीख मिलती है, जो लेखन में भी आगे बढ़ने में सहायक होती है। उन्होंने यह भी कहा कि जितने भी महापुरुष और देश-विदेश के विद्वान हुए हैं, उनमें एक समानता अवश्य रही है कि वे सभी पुस्तकें पढ़ते थे। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के कुल सचिव डॉ. अरविंद कुमार तिवारी ने कहा कि संदेश और विचारों का प्रभावी संप्रेषण पुस्तकों के माध्यम से ही संभव है। इसे बनाए रखने के लिए हमें निरंतर पढ़ने की आदत विकसित करनी चाहिए। उन्होंने बताया कि डॉ. सी. वी. रमन विश्वविद्यालय पिछले तीन वर्षों से लगातार ‘पुस्तक यात्रा’ का आयोजन कर रहा है।

मध्य भारत की पूर्ण रूप से ऑटोमेटेड लाइब्रेरी

डॉ सीवी रमन विश्वविद्यालय परिसर में स्थापित जगन्नाथ प्रसाद चौबे केंद्रीय पुस्तकालय पूर्ण रूप से ऑटोमेटेड है। यह मध्य भारत की सबसे पहले और एकमात्र ऑटोमेटेड लाइब्रेरी है ।जहां विद्यार्थियों को ऑटोमेटिक रूप से पुस्तक जारी की जाती है। इसी तरह लाइब्रेरी में पुस्तक वापस करने के लिए भी ऑटोमेटिक प्रक्रिया भी है ।लाइब्रेरी में पुस्तक लेने और पुस्तक जमा करने के लिए किसी भी अधिकारी या कर्मचारी सहयोगी की आवश्यकता नहीं होती। विद्यार्थी स्वयं ऑनलाइन पुस्तक का चयन कर लेते हैं और पुस्तक का लोकेशन भी बता दिया जाता है । इसी तरह लाइब्रेरी में पुस्तक जमा करने के लिए भी एक स्थान सुनिश्चित किया गया है । जिसमें स्कैन होकर वह पुस्तक स्वत ही ऑटोमेटिक तरीके से वापस कर ली जाती है।

सुविचार

परिवार और रिश्ते दोनों ही उस समय बिगड़ने लगते हैं जब समझदार मौन रहते हैं और नासमझ बोलने लगते हैं।

सच होता ग्राम सुराज का सपना

भारवर्ष में वैदिक काल से ही ग्राम स्वराज की अवधारणा की नींव पड़ चुकी थी। प्राचीन काल में गांव ही शासन तंत्र की धूरी हुआ करते थे। आजादी के बाद राष्ट्रपिता महात्मा गांधी ने ग्राम सुराज का सपना देखा था और उनका कथन है कि भारत की आत्मा गांवों में बस्ती है। जब तक गांवों का विकास नहीं होगा तब तक देश का विकास नहीं हो सकता। राष्ट्रपिता के ग्राम स्वराज के स्वप्न को साकार करने के लिए स्वंतंत्रता के बाद ही ग्राम विकास पर केद्रिन्त योजनाएं बनने लगी और ग्राम पंचायतों को ज्यादा से ज्यादा अधिकार दिये जाने लगे। जिससे गांवों के विकास का मार्ग प्रशस्त हुआ। इस काम में तेजी उस समय आई जब 73वें संविधान संसोधन अधिनियम 1992 के तहत 24 अपैल 1992 को स्थानीय ग्रामीण स्वशासन के लिए त्रिस्तरीय पंचायती राज व्यवस्था लागू की गई। इसका मुख्य उद्देश्य ग्राम स्तर पर सत्ता का विकेन्द्रीयकरण करना रहा है। त्रिस्तरीय पंचायती राज व्यवस्था लागू होने के बाद से गांवों का विकास तेजी से होने लगा है और अब हमारे गांव की समस्याओं के मकड़जाल से बाहर निकलने लगे हैं। ग्राम पंचायतों को हर साल कम से कम एक करोड़ रूपये की राशि विभिन्न विकास कार्यों के लिए प्रदान की जाती है जिससे वे गांवों में साफ सफाई, पेयजल आर्पूति, निस्तार की समस्या आदि का समाधान करती हैं। इसके अलावा शिक्षा और प्रधानमंत्री आवास जैसी सरकारी योजनाओं का भी क्रियान्वयन करती है। सत्ता का ग्राम पंचायत स्तर पर विकेन्द्रीयकरण होने से अब गांवों की दिशा और ग्रामीणों की दशा में तेजी से बदलाव आ रहा है। फल्स्वरूप धीरे धीरे ही सही लेकिन अब ग्राम स्वराज का सपना साकार होने लगा है। इसके लिए राज्य सरकारें भी समय समय पर विभिन्न अभियान चलाती हैं। छत्तीसगढ़ की ही बात करें तो तात्कालीन मुख्यमंत्री डॉ.रमन सिंह की सरकार हर साल गर्मी के मौसम में ग्राम सुराज अभियान चलाती थी। इस दौरान पूरा प्रशासन तंत्र गांव गांव में पहुंचता था और ग्रामीणों की समस्याओं का मौके पर ही समाधान करता था। पूर्व मुख्यमंत्री डॉ.रमन सिंह खुद चिलचिलाती धूप में गांव पहुंचकर पेड़ के नीचे ग्रामीणों की बैठक लेते थे। गांव की समस्या सुनते थे और सरकारी योजनाओं के क्रियान्वयन की जानकारी लेते थे। इस तरह के अभियान से भी ग्रामों के विकास की राह आसाम हुई है। अब पंचायती राज व्यवस्था में महिलाएं भी अपनी सक्रिय भागीदारी निभा रही हैं क्योंकि तात्कालीन प्रधानमंत्री स्वर्गीय राजीव गांधी ने त्रिस्तरीय पंचायत व्यवस्था लागू करवाने के साथ ही पंचायतों में महिलाओं के लिए 33 प्रतिशत आरक्षण का प्रावधान भी लागू कराया था। तब से महिलाएं भी अपने गांव के विकास में अपना योगदान दे रही हैं और ग्राम सुराज के सपने को साकार करने में अग्रणी भूमिका निभा रही हैं। अब पंचायती राज व्यवस्था को और अधिक मजबूती देने के लिए सरकार को चाहिए की वह पंचायतों को और ज्यादा संसाधन मुहैया कराये।

पप्पू यादव की टिप्पणी घोर निंदनीय

बिहार में पूर्णियां से जीते निर्दलीय सांसद पप्पू यादव ने महिलाओं को लेकर जो अभद्र टिप्पणी की है वह घोर निंदनीय है। पप्पू यादव इसके पहले भी चर्चा में बने रहने के लिए अनाप सनाप बयानबाजी करते रहे हैं। लेकिन इस बार तो उन्होंने मर्यादा की सारी सीमा रेखाएं ही लांघ डाली। एक ओर जब संसद में महिलाओं को 33 प्रतिशत आरक्षण देने के मुद्दे पर पूरे देश में विमर्श चल रहा है ऐसे में पप्पू यादव ने महिलाओं के प्रति अपनी गृणित सोच को दर्शाते हुए यह बयान दिया है कि राजनीति में आने वाली 90 प्रतिशत महिलाओं को बेडरूम से गुजरना पड़ता है। इस तरह का अपमानजनक बयान देने के पहले पप्पू यादव को अन्य महिला नेत्रियों की बात छोड़ दें कम से कम अपनी पत्नि के बारे में भी तो सोचना चाहिए था जो न सिर्फ राजनीति में हैं बल्कि सम्मानीय सांसद भी हैं। पप्पू यादव का यह बेहुदा बयान कतई स्वीकार्य नहीं है और इसका सभी राजनीतिक पार्टियों की महिलाओं ने प्रबल विरोध किया है और पप्पू यादव से मांग की है कि वे मात्र शक्ति का अपमान करने के लिए देश से मांफी मांगे किन्तु अभी तक पप्पू यादव ने अपने इस बेहद आपत्तिजनक बयान के लिए मांफी नहीं मांगी है। ऐसे बद्ज़ुबान नेताओं के खिलाफ अब नारी शक्ति को खुद सामने आना चाहिए और उनके खिलाफ कानूनी कार्यवाही के विकल्पों पर विचार करना चाहिए। तभी इनकी विशैली जुबान पर लगाम लग पाएगी।

सद्‌गुरू बोधामृतम्

सदगुरू ऋतेश्वर

◆ तुम्हारे जीवन में जो भी तुम्हारे दुष्कर्म या सत्कर्म हैं उसके फल तुम्हें भोगने पड़ेंगे इसलिए जब कोई सांसारिक अच्छा काम हो जाए तब भगवान और गुरु की जय-जय मत करना क्योंकि जब कोई काम बिगड़ेगा तब फिर उलाहने भी उन्हीं को दोगे जबकि भगवान और सद्?गुरु इससे बहुत ऊपर हैं।

आज का इतिहास

नई दिल्ली (वार्ता)। 1877 - रूस ने ओटोमन साम्राज्य के खिलाफ लड़ाई की घोषणा की। 1898 - स्पेन ने अमेरिका के खिलाफयुद्ध की घोषणा की। 1920 - पोलैंड की सेना ने यूक्रेन पर हमला किया। 1926 - बर्लिन संधि पर हस्ताक्षर। 1954 - ब्रिटिश सरकार ने कीनिया के विद्रोहियों के ख़िलाफ़ कड़ी कार्रवाई का आदेश दिया। कीनिया के विद्रोहियों ने देश में रहने वाले गोरे लोगों के खिलाफगुरिल्ला अभियान चलाया था, जिसे उन्होंने माउ माउ नाम दिया था। 1954 - आस्ट्रेलिया और सोवियत संघ ने राजनयिक संबंध समाप्त किए। 1960 - दक्षिण पर्सिया में आये भयंकर भूकंप में 500 लोगों की मौत। 1962 - एमआईटी ने पहली बार सेटेलाइट द्वारा टीवी सिग्नल भेजा। 1970 - चीन का पहला उपग्रह डांग फांग हांग लांच किया गया। 1982 -15 वर्षों के इजरायली आधिपत्य के बाद सिनाई प्राय:द्वीप क्षेत्र मिस्र को वापस।

स्व-जनगणना में बढ़ा जन उत्साह: डिजिटल भागीदारी से आकार ले रहा 'नवा छत्तीसगढ़'

छत्तीसगढ़ के वनांचलों से लेकर शहरों की गलियों तक, अगले कुछ महीनों में एक बड़ा प्रशासनिक और तकनीकी बदलाव दस्तक देने वाला है। भारत की आगामी जनगणना 2027 केवल आंकड़ों का संग्रह नहीं, बल्कि राज्य के भविष्य की योजनाओं का आधार स्तंभ बनने जा रही है। इस बार की जनगणना अपनी पारंपरिक पहचान को छोड़कर पूरी तरह डिजिटल अवतार में नजर आएगी, जिससे छत्तीसगढ़ के विकास को एक नई गति मिलने की उम्मीद है।

रमेश जायभाये
उप निदेशक, पत्र सूचना कार्यालय, रायपुर

पहली बार 'डिजिटल अवतार' में जनगणना

अब वो दौर गया जब प्रगणक बड़े-बड़े रजिस्टर लेकर घर-घर पहुंचते थे। जनगणना 2027 देश की पहली 'कागज रहित' या डिजिटल जनगणना होगी। छत्तीसगढ़ में इसके लिए प्रशासन ने कमर कस ली है। प्रगणक अब हाथों में स्मार्टफोन और विशेष रूप से तैयार मोबाइल ऐप लेकर पहुंचेंगे। इस डिजिटल बदलाव का सबसे बड़ा फायदा यह होगा कि बस्तर के सुदूर गांवों से लेकर सरगुजा की पहाड़ियों तक का डेटा रियल-टाइम में सुरक्षित सर्वर पर अपलोड होगा, जिससे इंसानी गलतियों की गुंजाइश कम होगी और डेटा अधिक सटीक रूप में उपलब्ध होगा।

छत्तीसगढ़ में दो चरणों का महाभियान

राज्य में इस महाअभियान को दो प्रमुख हिस्सों में बांटा गया है:

मकानसूचीकरण (First Phase): इसकी शुरुआत 1 मई से 30 मई 2026 के बीच होगी। इससे पहले 16 अप्रैल से स्व-जनगणना की प्रक्रिया प्रारंभ हो चुकी है, जिसे नागरिकों से अच्छा प्रतिसाद मिल रहा है।

जनसंख्या गणना (Second Phase): मुख्य जनगणना फरवरी 2027 में होगी, जिसे मार्च 2027 तक पूरा कर लिया जाएगा।

'स्व-जनगणना' में बढ़ता उत्साह: नागरिक बन रहे डिजिटल भागीदार इस बार की सबसे बड़ी खासियत 'स्व-जनगणना' (Self-Enumeration) है। छत्तीसगढ़ में यह प्रक्रिया शुरू हुए आठ दिन से अधिक समय हो चुका है और लोगों में इसे लेकर उत्साह देखने को मिल रहा है। बड़ी संख्या में नागरिक ऑनलाइन पोर्टल पर पंजीकरण कर रहे हैं, अपनी जानकारी भर रहे हैं और सफ्लतापूर्वक फॉर्म सबमिट भी कर रहे हैं।

ऑनलाइन फॉर्म भरने के बाद नागरिकों को एक 'स्व ढूष्ठ' प्राप्त होती है। जब प्रगणक घर पहुंचेगा, तो नागरिक केवल यह आईडी साझा कर सकते हैं, जिससे प्रक्रिया कुछ ही मिनटों में पूरी हो जाएगी। यह सुविधा पूरी तरह स्वैच्छिक है। जो लोग ऑनलाइन जानकारी दर्ज नहीं कर पाएंगे, उनके घर प्रगणक जाकर आवश्यक विवरण एकत्र करेंगे।

33 सवालों में छिपी है खुशहाली की चाबी

मकानसूचीकरण के दौरान प्रगणक आपसे 33 मुख्य सवाल पूछेंगे। ये सवाल केवल औपचारिकता नहीं हैं, बल्कि छत्तीसगढ़ की अगली पीढ़ी की जरूरतों को समझने का जरिया हैं। इसमें घर की बनावट, पीने के पानी का स्रोत, बिजली, शौचालय की सुविधा और परिवार के पास मौजूद संसाधनों (जैसे मोबाइल, इंटरनेट, वाहन) की जानकारी ली जाएगी। सरकार इन्हीं आंकड़ों के आधार पर तय करेगी कि प्रदेश के किन इलाकों में नए स्कूल, अस्पताल या सड़कों की जरूरत है।

सुरक्षा और गोपनीयता: आपका डेटा है 'अमानत'

अक्सर लोगों के मन में डेटा की सुरक्षा को लेकर सवाल उठते हैं। लेकिन सरकार ने साफ किया है कि जनगणना अधिनियम, 1948 के तहत नागरिकों की जानकारी पूरी तरह गोपनीय है। इस डेटा का उपयोग किसी पुलिस जांच, इनकम टैक्स या अदालती कार्यवाही में नहीं किया जा सकता। यह केवल विकास की योजनाएं बनाने के लिए इस्तेमाल होगा।

मैदान में तैनात 62 हजार 'विकास सारथी'

छत्तीसगढ़ जैसे विशाल भौगोलिक क्षेत्र में इस कार्य को अंजाम देने के लिए एक बड़ी प्रशासनिक टीम तैयार की गई है। राज्य के 33 जिलों और 20 हजार गांवों में डेटा जुटाने के लिए लगभग 62,500 अधिकारियों-कर्मचारियों की ड्यूटी लगाई गई है। इसमें 51,300 प्रगणक और 9,000 पर्यवेक्षक शामिल हैं, जिन्हें आधुनिक ऐप चलाने का विशेष प्रशिक्षण दिया गया है।

आम आदमी के लिए क्यों है जरूरी?

'हमारी जनगणना - हमारा विकास' का संदेश यह बताता है कि यह डेटा आपके हक की लड़ाई लड़ने में मदद करता है। सटीक आंकड़ों से ही छत्तीसगढ़ को केंद्र से मिलने वाले बजट और संसाधनों का सही हिस्सा मिलता है। चाहे वह अनुसूचित जनजाति क्षेत्रों के लिए विशेष योजनाएं हों या शहरी गरीबों के लिए आवास, सब कुछ इसी गणना पर निर्भर है। प्रशासन ने किसी भी शंका के समाधान के लिए टोल-फ्री नंबर 1855 जारी किया है। याद रखें, जनगणना में आपकी सही भागीदारी ही 'गढ़बो नवा छत्तीसगढ़' के सपने को साकार करेगी। अब जबकि स्व-जनगणना की प्रक्रिया शुरू हो चुकी है और नागरिक सक्रिय रूप से इसमें भाग ले रहे हैं, यह डिजिटल महाअभियान राज्य के विकास की नई दिशा तय करने की ओर बढ़ रहा है।

लोकतंत्र का आधार: सशक्त ग्राम पंचायतें

महेन्द्र तिवारी

भारत जैसे विशाल और सांस्कृतिक रूप से समृद्ध राष्ट्र की आत्मा उसके गाँवों में बसती है। यदि हम भारतीय लोकतंत्र के वृक्ष की कल्पना करें, तो इसकी जड़ें उन छोटी छोटी बस्तियों और गाँवों में हैं, जहाँ सदियों से लोग अपनी समस्याओं का समाधान सामूहिक चर्चा और आपसी सहमति से करते आ रहे हैं। राष्ट्रीय पंचायती राज दिवस, जो प्रतिवर्ष 24 अप्रैल को मनाया जाता है, वास्तव में उसी प्राचीन परंपरा को आधुनिक संवैधानिक ढांचे में स्वीकार करने का एक उत्सव है। यह केवल एक तिथि नहीं है, बल्कि उस संकल्प की पुनरावृत्ति है जो सत्ता को बड़े नगरों की अट्टालिकाओं से निकालकर खेत खलिहानों तक पहुँचाने के लिए लिया गया था। भारतीय शासन व्यवस्था का इतिहास इस बात का साक्षी है कि जब भी स्थानीय शासन को महत्व दिया गया, समाज में सुख, समृद्धि और न्याय का संचार हुआ। ऋग्वेद जैसे प्राचीन ग्रंथों में सभा और समिति का वर्णन मिलता है, जो इस बात का अकाट्य प्रमाण है कि निर्णय लेने की प्रक्रिया में जनभागीदारी हमारे संस्कारों में समाहित है। चोल साम्राज्य के शासनकाल में भी स्थानीय स्वशासन के ऐसे उत्कृष्ट उदाहरण मिलते हैं, जिन्हें आज भी प्रशासनिक विज्ञान के विद्वान अध्ययन का विषय मानते हैं। मध्यकाल और विशेष रूप से औपनिवेशिक काल के दौरान यद्यपि इन संस्थाओं को आघात पहुँचा, परंतु इनकी मूल चेतना कभी समाप्त नहीं हुई। स्वतंत्रता के पश्चात राष्ट्रपिता महात्मा गांधी ने बार बार इस बात पर बल दिया कि वास्तविक स्वतंत्रता तभी आएगी जब भारत का प्रत्येक गाँव एक आत्मनिर्भर गणराज्य होगा। उनके अनुसार, दिल्ली में बैठकर लिया गया निर्णय पूरे देश की नियति नहीं बदल सकता, जब तक कि गाँवों के लोग स्वयं अपने विकास के मार्गदर्शक न बनें। संविधान सभा में इस विषय पर गहन वैचारिक विमर्श हुआ और अंततः अनुच्छेद 40 के अंतर्गत राज्य के नीति निर्देशक तत्वों में पंचायतों के गठन का प्रावधान किया गया। प्रारंभ में यह केवल राज्यों की इच्छा पर निर्भर था, परंतु समय की माँग को देखते हुए इसमें व्यापक सुधारों की आवश्यकता अनुभव की गई। 1957 में बलवंत राय मेहता समिति ने त्रि-स्तरीय पंचायती राज व्यवस्था का सुझाव दिया, जिसे सर्वप्रथम 2 अक्टूबर 1959 को राजस्थान के नागौर जिले में लागू किया गया। इसके उपरांत अशोक

मेहता समिति, 1977, जी.वी.के. राव समिति, 1985 और एल.एम. सिंघवी समिति, 1986 जैसी विभिन्न समितियों ने इस व्यवस्था को अधिक लोकतांत्रिक और प्रभावशाली बनाने के लिए अपने महत्वपूर्ण परामर्श दिए। सिंघवी समिति की सिफारिशों का ही परिणाम था कि पंचायतों को संवैधानिक दर्जा देने की मांग दृढ़ता से उठाई गई। अंततः वर्ष 1992 में भारतीय संसद द्वारा 73वां संविधान संशोधन अधिनियम पारित किया गया, जो 24 अप्रैल 1993 से पूर्णतः प्रभावी हुआ। इस ऐतिहासिक कदम ने भारतीय प्रजातंत्र के स्वरूप को मौलिक रूप से बदल दिया। अब पंचायतें केवल प्रशासनिक इकाइयाँ नहीं रह गईं, बल्कि वे संवैधानिक शक्ति से संपन्न स्वायत्त संस्थाएं बन गईं। संविधान के भाग 9 में अनुच्छेद 243 से 243-ण तक के प्रावधान जोड़े गए और 11वीं अनुसूची के माध्यम से पंचायतों को 29 महत्वपूर्ण विषयों पर कार्य करने का पूर्ण अधिकार दिया गया। इनमें कृषि, भूमि सुधार, लघु सिंचाई, पशुपालन, मत्स्य पालन, ग्रामीण आवास, पेयजल, सड़कें, पुल, ग्रामीण विद्युतीकरण, शिक्षा, सांस्कृतिक गतिविधियाँ और स्वास्थ्य जैसे विषय सम्मिलित हैं, जो ग्रामीण जीवन के विकास के मुख्य स्तंभ हैं।

पंचायती राज व्यवस्था की संरचना अत्यंत वैज्ञानिक है। इसके सबसे निचले स्तर पर ग्राम पंचायत होती है, जहाँ ग्राम सभा की भूमिका अत्यंत निर्णायक होती है। ग्राम सभा लोकतंत्र का सबसे जीवंत रूप है, जहाँ गाँव का प्रत्येक मतदाता प्रत्यक्ष रूप से अपनी राय रख सकता है। मध्यवर्ती स्तर पर क्षेत्र पंचायत या पंचायत समिति होती है, जो विभिन्न ग्राम पंचायतों के मध्य समन्वय स्थापित करती है। शीर्ष स्तर पर जिला परिषद होती है, जो जिले के समग्र विकास की रूपरेखा तैयार करती है और प्रशासनिक सहायता प्रदान करती है। इस त्रि-स्तरीय व्यवस्था ने शासन को जवाबदेह और पारदर्शी बनाने का कार्य किया है। इस प्रणाली की एक और क्रांतिकारी विशेषता सामाजिक न्याय को सुनिश्चित करना है। अनुसूचित जातियों और अनुसूचित जनजातियों के लिए उनकी जनसंख्या के अनुपात में आरक्षण की व्यवस्था की गई है। सबसे महत्वपूर्ण परिवर्तन महिलाओं के लिए 33 प्रतिशत आरक्षण का प्रावधान था, जिसे अब भारत के 21 राज्यों ने बढ़ाकर 50 प्रतिशत कर दिया है। आज देश के 30 लाख से अधिक निर्वाचित पंचायत प्रतिनिधियों में से लगभग 14 लाख महिलाएं हैं। यह सामाजिक सशक्तिकरण का ऐसा अनुपम उदाहरण है जिसने ग्रामीण भारत की आधी आबादी को नेतृत्व के अवसर प्रदान किए हैं। अब गाँव की महिलाएं केवल घरेलू कार्यों तक सीमित नहीं हैं, बल्कि वे विद्यालय निर्माण, स्वच्छता अभियान और जल संरक्षण जैसी महत्वपूर्ण योजनाओं का सफल संचालन कर रही हैं।

विकास के दृष्टिकोण से देखें तो पंचायतों ने ग्रामीण बुनियादी ढांचे के सुधार में अभूतपूर्व भूमिका निभाई है। महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी अधिनियम जैसी विशाल योजनाओं का क्रियान्वयन पंचायतों के माध्यम से ही संभव हो सका है। स्थानीय स्तर पर संसाधनों का उचित प्रबंधन और लाभार्थियों की सही पहचान करने में पंचायतें जितनी सक्षम हैं, उतनी कोई और संस्था नहीं हो सकती। पेयजल के लिए 'हर घर जल' अभियान हो या खुले में शौच से मुक्ति का संकल्प, पंचायतों ने इन राष्ट्रीय लक्ष्यों को प्राप्त करने में अपनी पूरी शक्ति लगा दी है। वर्तमान में सूचना और संचार के आधुनिक युग में पंचायतों को तकनीकी रूप से भी सुदृढ़ किया जा रहा है। ई-ग्राम स्वराज जैसे मंचों के माध्यम से पंचायतों के लेखा जोखा और विकास कार्यों को सार्वजनिक किया जा रहा है, जिससे भ्रष्टाचार पर अंकुश लगा है और जनता का विश्वास इन संस्थाओं के प्रति बढ़ा है।

पाठकों की बात — पत्र, प्रतिक्रियाएं, सोशल मीडिया

दुनिया में द्वेष से भरे हिंसात्मक लोग जब दूसरे लोगों में कोई कमी नहीं निकाल पाते तब ईर्ष्या और कुंठा की आग में जलते हुए वे सीधा चरित्र पर प्रहार करते हैं और सबसे आश्चर्य और हास्यप्रद तब होता है जब उनका अपना कोई चरित्र ही नहीं होता वे अपनी मर्यादा और चरित्रहीनता की सभी सीमाएं पार कर चुके होते हैं और अपने खोखले कुंठित व्यक्तित्व के सहारे समाज में खड़े रहते हैं इसीलिए देखना चाहिए कि ईश्वर ने आखिर इनका अंत क्या लिखा है।

- अनामिका चक्रवर्ती

प्रधानमंत्री जी के विरुद्ध इन सब सोशल मीडिया की पोस्ट पढ़ने के बाद, मैंने निर्णय लिया है कि कल खुद झालमुड़ी बनाऊँगा और खाऊँगा, तेल, प्याज, चटनी इत्यादि इत्यादि की भी व्यवस्था करने का प्रयास रहेगा ! "मोदीजी का अपमान , नहीं सहेगा हिंदुस्तान।" **- अमित कुमार नेमा**

अंदाज़ है आगाज़ का समय का वो सच जो सच के साथ ही रहता है.. समय के आने पर सच समय पर ही दिखता है.. मन तो मन है झूठ से चाहे कितना ही दिल टूटा समय के व्यवहार में सच आईना ही कहता है .... कि समय और सच बस अंदाज़ है आगाज़ का ..!!

- नंदिता तनूजा

कवि के हृदय बीच भाव जब जागते तो। लिखते हैं जन गण गद्य पद्य उदगार। हास परिहास ब्यंग्य यति गति लय रखि। लेखनी संवार खूब रचते हैं छंदकार। दीर्घ लघु में ही पूर्ण साहित्य समाया हुआ। कर रहे नवों रस इतने में ही शृंगार। कहती मां शारदे है वीणा झंकार कर, रचना के प्राण तत्व होते सदा अलंकार ।।

- अजय मिश्रा अभिज्ञ

दिल की क्या नादानी लिक्खें आँखों का क्या पानी लिक्खें गुज़रा वक़्त नहीं आता फिर अपनी आज कहानी लिक्खें हम जला दिये सब उसके ख़त क्या है बची निशानी लिक्खें चाँदी जैसे बाल मेरे अब कैसे कटी जवानी लिक्खें आँख बड़ी और होंट गुलाबी चेहरा था नूरानी लिक्खें वक़्त कटा मेरा किस्तों में मुश्किल या आसानी लिक्खें जीत नहीं पाया दिल जिसको उसको दिल की रानी लिक्खें 'ऐनुल' हार नहीं माने हम जोश हुआ तूफ़नी लिक्खें। **- 'ऐनुल' बरौलवी**

बारिश हो रही है चाय चलेगी न सर्दी बहुत है अदरक वाली चाय चलेगी न गर्मी गजब है मगर चाय तो चलेगी ही फुर्सत है चलो चाय पीते है बहुत काम है चलो पहले चाय पीते है अकेले है चलो चाय पीते है दोस्तो के साथ हैं चलो चाय पीते है।

- सरिता त्रिवेदी

जब खुद की नाक कटी हो तो दूसरों की भी नाक काट दो तबीयत प्रसन्न हो जाएगी। खुद की संस्कृति से कटे जो अपनी संस्कृति को निभा रहे हैं उन पर अपने संस्था के रुल ओफ कंडक्ट थोप दो। बात कड़वी है परन्तु सच है और सच्चाई बहुत कड़वी होती है। घर का जोगी जोगड़ा आन गांव का सिद्ध। ऐसे ही नहीं कहा गया था ।

- नवीन शंकर शर्मा

राशि फल

पं. देवव्रत शर्मा

मेष राशि: मेष राशि वालों आज आपका दिन बेहतरीन रहेगा। कॉलेज में नए दोस्त बनेंगे जिनसे अच्छा ताल मेल बनेगा।

वृष राशि: वृष राशि वालों आज आपका दिन अच्छा रहेगा। अपने जीवन को बेहतर बनाने के लिये आज आपको कुछ अच्छे मौके मिल सकते हैं। घर के किसी काम को लेकर आप बड़ा फैसला कर सकते हैं।

मिथुन राशि: मिथुन राशि वालों आज आपका दिन खुशहाल रहने वाला है। परिवार के साथ किसी ट्रिप पर जायेंगे, जहां खूब इंजॉय करेंगे।

कर्क राशि: कर्क राशि वालों आज का दिन आपके लिए मिला जुला अनुभव लेकर आएगा। लवमेट आज घूमने जाने का प्लान बनायेंगे। प्रतियोगी परीक्षा के लिये प्रयासरत छात्रों को बड़ी सफलता मिलने के योग बन रहे हैं।

सिंह राशि: सिंह राशि वालों आपका दिन आपके परिवार वालों के लिए नई खुशियां लेकर आया है। आज आपको शुभ सन्देश मिल सकता है, परिवार में खुशी का माहौल रहेगा।

कन्या राशि: कन्या राशि वालों आज आपका दिन आपके लिए खुशियों से भरा रहेगा। आज आप कुछ बेहतर करने के लिए नए तरीके अपना सकते हैं, काम करने में आसानी होगी।

तुला राशि: तुला राशि वालों आज आपका दिन अच्छा बीतेगा। आज किसी बात को सोचकर आपका मन प्रसन्न रहेगा। शैक्षिक कार्यों में सफलता मिलेगी। लेखन बौद्धिक आदि कार्यों से आपका मान-सम्मान बढ़ेगा। कार्यस्थल पर अफसरों के साथ सद्भाव बनाकर रखेंगे।

वृश्चिक राशि: वृश्चिक राशि वालों आपके लिए परिस्थितियां अनुकूल रहेंगी। आज आप किसी खेलकूद में हिस्सा ले सकते हैं। बिजनेस करने वालों को किसी अच्छी कंपनी से जुड़कर बिजनेस को बढ़ाने का सुनहरा मौका मिलेगा।

धनु राशि: धनु राशि वालों आज आपके लिए दिन पॉजिटिव रहेगा। ऑफिस में कलीग्स के साथ आपकी अच्छी तालमेल बनी रहेगी। सीनियर्स आपके काम से प्रसन्न होंगे। आपके लिए पदोन्नति के आसार हैं।

मकर राशि: मकर राशि वालों आज का दिन आपके लिए खुशियों की सौगात लेकर आया है। आप खुद को एनर्जी से भरा महसूस करेंगे। आज आप जिस काम को करेंगे, वो समय से पहले पूरा हो जायेगा। इस राशि के इंजीनीयर्स अपने अनुभव का प्रयोग सही दिशा में करेंगे।

कुंभ राशि: कुंभ राशि वालों आज आपका दिन अच्छे पल लेकर आया है। व्यर्थ के कामों में अपना समय बर्बाद न करें। रुका हुआ काम अगर फिर से शुरू करेंगे तो फायदा हो सकता है।

मीन राशि: मीन राशि वालों आज आपका दिन आपके लिए बहुत ही खास होने वाला है। इस राशि के लोगों को अपनी कड़ी मेहनत का पॉजिटिव रिजल्ट मिलेगा।

QUIZ TIME

1) भारत का पहला राज्य कौन सा है जिसने एयर एम्बुलेंस और हेलीकॉप्टर टूरिज्म सेवाएं शुरू की हैं?

2) नेशनल टेक्निकल टेक्सटाइल्स मिशन किस मंत्रालय की पहल है?

3) किस भारतीय राज्य में सरंडा वन स्थित है, जिसे सात सौ पहाड़ियों की भूमि कहा जाता है?

4) किस देश ने ऑपरेशन मिडास, एक बड़ा भ्रष्टाचार विरोधी जांच अभियान शुरू किया है?

5) ओडिशा में पहली बार सफलतापूर्वक उगाए गए यूस्टोमा फूल का मूल स्थान कौन सा क्षेत्र है?

उत्तरमाला- (1) मध्य प्रदेश (2) वस्त्र मंत्रालय (3) झारखंड (4) यूक्रेन (5) मेक्सिको और अमेरिका

Ramaquiz

उत्तरमाला- (1) मध्य प्रदेश (2) वस्त्र मंत्रालय (3) झारखंड (4) यूक्रेन (5) मेक्सिको और अमेरिका

पहेली

शब्द सामर्थ्य -017

शब्द सामर्थ्य क्रमांक 016 का हल

बिजली बिल घोटालाः 20 लाख से ज्यादा की हेराफेरी

■ कर्मचारी के खिलाफ एफआईआर दर्ज

रायपुर/कवर्धा/नवप्रदेश। छत्तीसगढ़ में बिजली बिल भुगतान में हेराफेरी का मामला एक बार फिर सामने आया है। छत्तीसगढ़ पावर वितरण कंपनी के अधिकारियों-कर्मचारियों पर उपभोक्ताओं से वसूली गई राशि में गड़बड़ी के आरोप लगे हैं। ताजा मामला कवर्धा जिले के रवेलीडीह क्षेत्र का है, जहां एक कर्मचारी द्वारा 20 लाख रुपये से अधिक की राशि कंपनी खाते में जमा करने के बजाय खुद के पास रखने का खुलासा हुआ है।

बताया जा रहा है कि आरोपी कर्मचारी ने उपभोक्ताओं से बिजली बिल की राशि ऑफलाइन जमा तो कराई, लेकिन फर्जी कैश रिमिटेंस एडवाइस (सीआरए) बनाकर रकम को कंपनी के खाते में जमा नहीं किया। उपभोक्ताओं को भुगतान की रसीद भी दी गई, जिससे लंबे समय तक गड़बड़ी का पता नहीं चल सका। मामला उजागर होने के बाद संबंधित कर्मचारी के खिलाफ एफआईआर दर्ज कराई गई है।

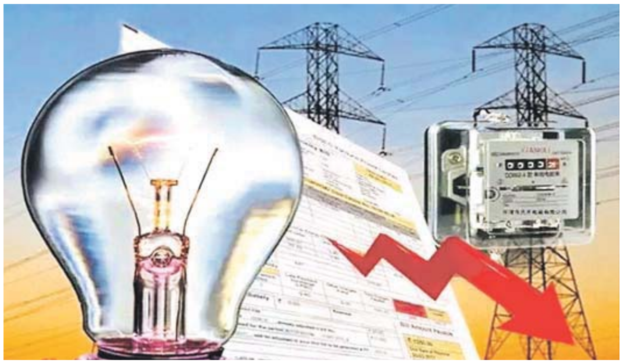

बकाया बढ़ा, वसूली पर असर

प्रदेश में घरेलू उपभोक्ताओं पर करीब 1700 करोड़ रुपये और सरकारी विभागों पर लगभग 2200 करोड़ रुपये का बिजली बिल बकाया है। कंपनी द्वारा लगातार वसूली अभियान चलाए जाने के बावजूद बकाया राशि घटने के बजाय बढ़ती जा रही है। जानकारों का मानना है कि इस तरह की अंदरूनी गड़बड़ियां भी बकाया बढ़ने का एक बड़ा कारण हैं।

पुराने घोटालों की याद ताजा

यह मामला प्रदेश में पहले सामने आए बड़े घोटालों की याद दिलाता है। कुछ साल पहले रायगढ़, अंबिकापुर, बिलासपुर और राजनांदगांव सहित कई क्षेत्रों में बिजली बिल के नाम पर 12 करोड़ रुपये से अधिक की हेराफेरी सामने आई थी। उस समय कई अधिकारियों-कर्मचारियों को निलंबित किया गया था, लेकिन अधिकांश मामलों में गबन की गई राशि की पूरी वसूली नहीं हो सकी।

मॉनिटरिंग सिस्टम पर सवाल

मामले के सामने आने के बाद विभाग की कार्यप्रणाली पर कई सवाल उठ रहे हैं

■ क्या इतनी बड़ी राशि की हेराफेरी बिना अधिकारियों की जानकारी के संभव है?

■ रोजाना या साप्ताहिक वित्तीय समीक्षा क्यों नहीं हुई?

■ ऑनलाइन सिस्टम होने के बावजूद फर्जी सीआरए कैसे बनते रहे?

■ इंटरनल ऑडिट टीम की निगरानी कितनी प्रभावी है?

पहले भी कई जगह गड़बड़ी

■ प्रदेश के विभिन्न इलाकों में पहले भी करोड़ों रुपये की हेराफेरी सामने आ चुकी है

■ शिवरीनारायण व मस्तूरी में लगभग 6 करोड़

■ बिलासपुर में 2 करोड़

■ राजनांदगांव में करीब 1.5 करोड़

■ अंबिकापुर में 3.6 करोड़

■ आरंग और पलारी के पे-पॉइंट केंद्रों में भी गड़बड़ी।

कार्रवाई पर भी सवाल

गड़बड़ी सामने आने पर विभाग द्वारा आमतौर पर निलंबन की कार्रवाई की जाती है, लेकिन कुछ समय बाद कर्मचारियों की बहाली हो जाती है। कई मामलों में गबन की गई राशि की वसूली नहीं हो पाती, जिससे कंपनी को करोड़ों रुपये का नुकसान उठाना पड़ता है।

जांच का दायरा बढ़ा

राजनांदगांव रीजन के कार्यपालक निदेशक शिरीष सेलट के अनुसार, रवेलीडीह डीसी में सामने आए इस मामले में प्रारंभिक जांच के बाद एफआईआर दर्ज की गई है। साथ ही अन्य कार्यालयों में भी उपभोक्ताओं द्वारा जमा की गई राशि का कंपनी खातों से मिलान किया जा रहा है।

न्यूज गैलरी

राज्यपाल के निर्देश पर धनेशपुर में दिव्यांग बच्चों के लिए विशेष शिविर

रायपुर/नवप्रदेश। राज्यपाल श्री रमेन डेका ने बलरामपुर जिले के कुसमी विकासखंड अंतर्गत ग्राम धनेशपुर में दिव्यांग बच्चों की अधिक संख्या को गंभीरता से लेते हुए समाज कल्याण विभाग एवं स्वास्थ्य विभाग को संयुक्त रूप से विशेष जांच शिविर करने के निर्देश दिए हैं। राज्यपाल ने कहा है कि दोनों विभाग आपसी समन्वय से ग्राम धनेशपुर में विशेष शिविर आयोजित करें, जहां दिव्यांग बच्चों की स्वास्थ्य जांच, आवश्यक परीक्षण तथा उनकी स्थिति का आकलन किया जाए। साथ ही दिव्यांगता के संभावित कारणों का पता लगाने के लिए विस्तृत सर्वे एवं चिकित्सकीय अध्ययन भी कराया जाए। निर्देशानुसार समाज कल्याण विभाग और स्वास्थ्य विभाग की संयुक्त टीम गांव पहुंचकर घर-घर सर्वे करेगी तथा पात्र बच्चों और नागरिकों के दिव्यांगता प्रमाण पत्र एवं दिव्यांग कार्ड बनाने की प्रक्रिया भी सुनिश्चित करेगी। शिविर के माध्यम से जरूरतमंद बच्चों को सहायक उपकरणों का वितरण भी किया जाएगा, ताकि उन्हें दैनिक जीवन, शिक्षा और आवागमन में सुविधा मिल सके। राज्यपाल ने अधिकारियों से कहा है कि प्रभावित परिवारों को हर संभव सहायता उपलब्ध कराई जाए तथा बच्चों के बेहतर उपचार, पुनर्वास और सामाजिक सशक्तिकरण के लिए ठोस कार्ययोजना बनाई जाए।

18 समर स्पेशल ट्रेनें, 15 अप्रैल से 15 जुलाई तक 88 ट्रिप चलेंगी

रायपुर/नवप्रदेश। गर्मी की छुट्टियों में बढ़ती भीड़ को देखते हुए रेलवे ने 18 समर स्पेशल ट्रेनों के 88 ट्रिप चलाने का फैसला किया है। 15 अप्रैल से 15 जुलाई 2026 तक इन ट्रेनों का संचालन होगा, जिससे करीब 1.05 से 1.32 लाख यात्रियों को कन्फर्म टिकट मिलने की संभावना है। रेलवे के अनुसार, दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे के दुर्ग, रायपुर, बिलासपुर, कोरबा और गोंदिया स्टेशनों से कई प्रमुख रूटों पर ये ट्रेनें चलाई जा रही हैं। इससे लंबी दूरी की यात्रा करने वाले यात्रियों को बड़ी राहत मिलेगी। समर स्पेशल ट्रेनों में दुर्ग-हरिद्वार, हरिद्वार-दुर्ग, इतवारी-शालीमार, गोंदिया-रक्सौल, कोरबा-यलहंका, रायपुर-खड़गपुर और बिलासपुर-शालीमार जैसे रूट शामिल हैं। कुछ ट्रेनें साप्ताहिक आधार पर, जबकि कई ट्रेनें निर्धारित तारीखों पर एकल या सीमित ट्रिप में चलेंगी। रेलवे का कहना है कि एक ट्रिप में औसतन 1200 से 1500 यात्रियों की क्षमता होती है। ऐसे में 88 ट्रिप के संचालन से बड़ी संख्या में यात्रियों को कन्फर्म सीट मिलने में सुविधा होगी।

जलबोर्ड समिति की तीसरी बैठक में भी केवल चेतावनी

रायपुर/नवप्रदेश। गर्मी में पेयजल संकट से निबटने के लिए महापौर श्रीमती मीनल चौबे ने फरवरी महीने में जलबोर्ड समिति का गठन किया था। इसके बाद से लेकर अब तक महापौर ने इस समिति की तीन बैठक ली और कुछ जोन कमिश्नरी के पानी टंकियों का दौरा किया। इसमें मोतीबाग टंकी का दौरा भी शामिल है। यहां टंकी भरने के लिए स्मार्टसिटी लिमिटेड द्वारा पिछले तीन महीने से नया हाईपॉवर पंप लगाने की तैयारी अब तक पूरी नहीं हुई। महापौर ने यहां अपने दौरा कार्यक्रम के दौरान पार्षद और जोन अध्यक्ष के साथ जहां नया पंप लगाना है उस जगह को भी पिछले महीने देखा था। इसके बावजूद अब तक इसकी प्रक्रिया शुरू नहीं हुई। महापौर ने 22 अप्रैल को फिर जलबोर्ड समिति की बैठक ली। इसमें अधिकारियों को शहर में गर्मी में पेयजल आपूर्ति हेतु कड़े निर्देश दिये। उन्होंने फिर एक बार चेतावनी देते हुए कहा कि पेयजल प्रदाय व्यवस्था में किसी प्रकार की लापरवाही कदापि सहन नहीं की जायेगी। लापरवाही मिलने पर जवाबदेही तय कर संबंधित अधिकारी पर कड़ी कार्रवाई की जायेगी। बैठक में महापौर ने अधिकारियों को शहर में तालाबों एवं जलस्त्रोतों के समीप हाईडेन बनाकर व्यवस्था शीघ्र देने के निर्देश दिये ताकि हाईडेन से नागरिकों को वाडों में गर्मी में जलआपूर्ति की जा सके। इस दौरान उन्होंने अधिकारियों को प्रतिदिन फील्ड में उतरकर वार्डों में टंकी के क्षेत्रों में जल समस्या की जानकारी लेकर स्पॉट देखकर उसका त्वरित निदान करने कहा। इस बैठक में मुख्यअभियंता संजय बागड़े, अधीक्षण अभियंता राजेश राठौर, कार्यपालन अभियंता जल नरसिंह फरेन्द्र, सहायक अभियंता अनुराग पाटकर, नीतिश झा, उपअभियंता रमेश पटेल, शुभम तिवारी और योगेन्द्र साहू आदि उपस्थित थे।

25 जोनल टीमों के साथ शपथ और प्रशिक्षण समारोह सम्पन्न

ग्रीन आर्मी का विराट शक्ति प्रदर्शन

रायपुर/नवप्रदेश। ग्रीन आर्मी छत्तीसगढ़ द्वारा रायपुर शहर में नवगठित 25 जोनल इकाइयों के सदस्यों के स्वागत, मार्गदर्शन एवं संगठनात्मक सुदृढ़ीकरण के उद्देश्य से वृंदावन हॉल में भव्य प्रशिक्षण कार्यक्रम एवं शपथ ग्रहण समारोह का सफल आयोजन किया गया। कार्यक्रम में सभी जोनों से बड़ी संख्या में नव नियुक्त पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उत्साहपूर्वक शामिल हुए।

कार्यक्रम के मुख्य वक्ता ग्रीन आर्मी के संस्थापक एवं प्रदेश अध्यक्ष श्री अमिताभ दुबे ने संगठन के मूल उद्देश्यों, अनुशासन, समर्पण एवं सामाजिक जिम्मेदारियों पर प्रेरणादायी उद्बोधन दिया। उन्होंने सभी सदस्यों को पर्यावरण संरक्षण, स्वच्छता अभियान एवं जनजागरूकता गतिविधियों में सक्रिय भूमिका निभाने हेतु प्रेरित किया।

प्रशिक्षण सत्र में श्रीमती मोनिका बागरेचा (नारी शक्ति), श्रीमती रात्रि लहरी (युवा शक्ति) एवं श्री टारगेट (जनसंपर्क) द्वारा प्रभावी प्रशिक्षण प्रदान किया गया। वक्ताओं ने टीमवर्क, नेतृत्व क्षमता, जनसंपर्क कौशल एवं संगठन विस्तार की रणनीतियों पर विशेष मार्गदर्शन दिया।

इस अवसर पर श्रीमती भारती श्रीवास्तव (ब्लू विंग अध्यक्ष), श्रीमती मोनिका बागरेचा (ग्रीन विंग अध्यक्ष), श्री श्याम बघेल (व्हाइट विंग अध्यक्ष) एवं श्री संजय भौमिक (ब्राउन विंग अध्यक्ष) मुख्य रूप से उपस्थित रहे, जिनकी गरिमामयी उपस्थिति ने कार्यक्रम को और अधिक ऊर्जावान एवं प्रेरणादायी बनाया।

कार्यक्रम के दौरान सभी नव नियुक्त जोनल सदस्यों को शपथ दिलाई गई, जिसमें उन्होंने संगठन के उद्देश्यों के प्रति पूर्ण निष्ठा, ईमानदारी एवं समर्पण के साथ कार्य करने का संकल्प लिया।

कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य नव सदस्यों को संगठन की कार्यप्रणाली से अवगत कराना एवं उन्हें आगामी सामाजिक एवं पर्यावरणीय अभियानों के लिए तैयार करना रहा। अंत में, आयोजकों द्वारा सभी उपस्थित सदस्यों का आभार व्यक्त करते हुए संगठन को और अधिक मजबूत एवं सक्रिय बनाने की अपील की गई।

रायपुर-धनबाद कॉरिडोरः वाहनों के लिए बनेंगे 54 अंडरपास

रायपुर/नवप्रदेश। पत्थलगांव-झारखंड सीमा तक 3147 करोड़ रुपए की लागत से बनने वाले परियोजना का निर्माण कार्य शुरू हो गया है। यह कॉरिडोर 627 किमी लंबा है। इसमें से करीब 384 किमी हिस्सा छत्तीसगढ़ से होकर गुजरता है। फिलहाल 104.25 किमी लंबे पत्थलगांव से झारखंड सीमा तक के हिस्से पर काम तेज गति से चल रहा है। परियोजना के तहत इस मार्ग को आधुनिक और बाधारहित बनाने के लिए 382 छोटी-बड़ी संरचनाएं बनाई जाएंगी। इनमें 7 बड़े पुल, 30 छोटे पुल, 6 फ्लाईओवर, एक एलीवेटेड वायडक्ट, 54 बड़े-छोटे अंडरपास, 21 पैदल व मवेशी अंडरपास और 278 बॉक्स पुलिया शामिल हैं। राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण के अधिकारियों के अनुसार पत्थलगांव से झारखंड सीमा तक का हिस्सा इस कॉरिडोर की रीढ़ है। इससे छत्तीसगढ़ और झारखंड के बीच इंटर स्टेट कनेक्टिविटी मजबूत होगी। साथ ही व्यापारिक परिवहन को भी गति मिलेगी। इस सड़क के निर्माण से जशपुर जिले के पत्थलगांव, कांसाबेल, कुनकुरी, दुलदुला और जशपुर जैसे क्षेत्र सीधे जुड़ेंगे। वहीं रायपुर, बिलासपुर, रायगढ़ और कोरबा जैसे औद्योगिक शहरों की कनेक्टिविटी झारखंड के धनबाद, रांची और जमशेदपुर से बेहतर होगी।

अपनी जिम्मेदारी निभाएं, बेटियों को सर्वाईकल कैंसर के खतरे से बचाएं

छत्तीसगढ़ का बड़ा कदम- अब गर्भाशय ग्रीवा कैंसर पर निर्णायक वार

रायपुर/नवप्रदेश। बेटियों की मुस्कान में ही भविष्य की सबसे उजली तस्वीर बसती है-और इसी मुस्कान को सुरक्षित रखने के संकल्प के साथ छत्तीसगढ़ ने एचपीवी (ह्यूमन पैपिलोमा वायरस) टीकाकरण कार्यक्रम की शुरुआत की है। यह पहल केवल एक शासकीय योजना नहीं, बल्कि हर उस माँ-बाप के विश्वास की रक्षा है, जो अपनी बेटी के बेहतर स्वास्थ्य और सुरक्षित कल का सपना देखते हैं।

भारत सरकार के नेतृत्व में चल रहे अभियान से जुड़ते हुए छत्तीसगढ़ अब उन सभी राज्यों के साथ कदम से कदम मिला रहा है, जिन्होंने गर्भाशय ग्रीवा (सर्वाइकल) कैंसर को जड़ से समाप्त करने का बीड़ा उठाया है। गर्भाशय ग्रीवा कैंसर महिलाओ में होने वाले कैंसरों में दूसरा सबसे सामान्य कैंसर है। यह मुख्य रूप से ह्यूमन पैपिलोमा वायरस संक्रमण के कारण होता है, गर्भाशय ग्रीवा कैंसर के प्रारंभिक चरण में सामान्यतः कोई स्पष्ट लक्षण दिखाई नहीं देता जिस कारण अक्सर यह गंभीर अवस्था में पहुँच जाता है।

HPV टीकाकरण इस गंभीर कैंसर के खिलाफएक सशक्त और भरोसेमंद सुरक्षा कवच के रूप में स्थापित हो चुकी है- वैज्ञानिक रूप से प्रमाणित, पूर्णतः सुरक्षित, अत्यंत प्रभावी है और इसकी सुरक्षा को लेकर कोई गंभीर प्रतिकूल प्रभाव दर्ज नहीं हुआ है- जो इसकी विश्वसनीयता को और भी पुख्ता बनाता है।

शासकीय सेवक अवकाश स्वीकृत होने पर ही प्रस्थान करेंगे

सुशासन तिहार एवं जनगणना जैसे महत्वपूर्ण कार्य को दृष्टिगत रखते हुए शासन ने जारी किए निर्देश

रायपुर/नवप्रदेश। छत्तीसगढ़ शासन सामान्य प्रशासन विभाग द्वारा सुशासन तिहार एवं जनगणना जैसे महत्वपूर्ण कार्य को दृष्टिगत रखते हुए परिपत्र जारी कर निर्देशित किया गया है कि कोई भी शासकीय सेवक सक्षम प्राधिकारी द्वारा अवकाश स्वीकृत किए जाने से पूर्व अवकाश पर प्रस्थान नहीं करेगा। बिना पूर्व स्वीकृति के कार्यालय से अनुपस्थित रहना स्वैच्छिक अनुपस्थिति मानी जाएगी और इसे सेवा नियमों के तहत ब्रेक इन सर्विस (सेवा में व्यवधान) के रूप में देखा जा सकता है। सभी शासकीय सेवक को आकस्मिक अवकाश की स्थिति में भी यथासंभव दूरभाष या डिजिटल माध्यम से पूर्ण सूचना देना अनिवाय होगा, जिसकी लिखित पुष्टि कार्यालय आगमन के तत्काल बाद करनी होगी।

महाविद्यालय में विश्व पुस्तक मेले के उपलक्ष्य में छात्रों ने पुस्तकालय भ्रमण कर ज्ञान का दीप जलाया

रायपुर/नवप्रदेश। ज्ञान के महासागर में डुबकी लगाने और पुस्तकों के प्रति छात्रों में रुचि बढ़ाने के उद्देश्य से शहीद वीर नारायण सिंह शासकीय महाविद्यालय, जोबी-बर्रा में 23 अप्रैल, विश्व पुस्तक दिवस के उपलक्ष्य में एक दिवसीय विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर महाविद्यालय के छात्र-छात्राओं ने महाविद्यालय ग्रन्थालय बैठकर महत्वपूर्ण पुस्तकों का अध्ययन किया। कार्यक्रम की शुरुआत प्राचार्य श्री आर.के. थवाईत

के मार्गदर्शन में हुई। छात्रों ने पुस्तकालय में विभिन्न विषयों की दुर्लभ पुस्तकों, पत्रिकाओं और संदर्भ ग्रंथों का अवलोकन किया। पुस्तकालय प्रभारी श्री एम.एल. लास्कर ने छात्रों को पुस्तकों के उचित उपयोग, डिजिटल लाइब्रेरी संसाधनों और रीडिंग हैबिट विकसित करने के महत्व पर विस्तार से जानकारी दी। छात्रों ने उत्साहपूर्वक नोट्स लिए और अपनी पसंद की पुस्तकें चयनित कीं। इसके अतिरिक, पुस्तक समीक्षा सत्र में छात्रों ने अपनी पसंदीदा पुस्तकों पर चर्चा की । छात्रों ने बताया कि इस कार्यक्रम से उन्हें न केवल नई पुस्तकों की जानकारी मिली, बल्कि पढ़ने की आदत विकसित करने और ज्ञानार्जन के प्रति जागरूकता भी बढ़ी। एक छात्रा ने कहा, ÷पुस्तकालय भ्रमण ने हमें महसूस कराया कि किताबें हमारे सबसे अच्छे दोस्त हैं। विश्व पुस्तक मेले की भावना को हम अपने कॉलेज स्तर पर जीवंत कर पाए, यह बहुत अच्छा अनुभव रहा। प्राचार्य ने छात्रों की सक्रिय भागीदारी की सराहना करते हुए कहा कि ऐसे कार्यक्रम छात्रों के समग्र विकास में सहायक हैं। उन्होंने भविष्य में भी पुस्तक संस्कृति को बढ़ावा देने के लिए नियमित रूप से रीडिंग क्लब और पुस्तक चर्चा सत्र आयोजित करने की घोषणा की।

महापौर संजूदेवी राजपूत ने किया शिविर का समापन, मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय व श्रम मंत्री लखनलाल देवांगन के प्रति जताया आभार

कर्मचारी राज्य बीमा औषधालय ने लगाया विशेष स्वास्थ्य जागरुकता शिविर

रायपुर/नवप्रदेश। मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय एवं श्रम मंत्री श्री लखनलाल देवांगन के निर्देशानुसार प्रदेश के असंगठित क्षेत्र के श्रमिकों एवं उनके परिवारजनों के स्वास्थ्य की जांच व स्वास्थ्य जागरूकता हेतु आयोजित किये जा रहे शिविरों की कड़ी में कल बुधवार को कर्मचारी राज्य बीमा औषधालय कोरबा द्वारा निगम कार्यालय साकेत में विशेष स्वास्थ्य जागरूकता व जांच शिविर लगाया गया।

महापौर श्रीमती संजूदेवी राजपूत ने शिविर का समापन किया तथा मुख्यमंत्री श्री सायं व श्रम मंत्री श्री देवांगन के प्रति आभार व्यक्त करते हुये कर्मचारी राज्य बीमा औषधालय के कार्यो की सराहना की। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के मार्गदर्शन एवं प्रदेश के श्रम मंत्री श्री लखनलाल देवांगन के दिशा निर्देशों के अनुरूप कर्मचारी राज्य बीमा सेवाएं के द्वारा सम्पूर्ण छत्तीसगढ़ के असंगठित क्षेत्र के श्रमिकों एवं उनके परिवारजनों के स्वास्थ्य जांच व स्वास्थ्य जागरूकता के संबंध में स्वास्थ्य व जांच शिविर लगाये जा रहे हैं। इसी कड़ी में नगर पालिक निगम कोरबा के मुख्य प्रशासनिक भवन साकेत में बुधवार को प्रातः 11 बजे से शाम 05 बजे तक विशेष स्वास्थ्य जागरूकता व जांच शिविर का आयोजन किया गया, कर्मचारी राज्य बीमा औषधालय के द्वारा आयोजित उक्त महत्वपूर्ण शिविर में निगम के 500 से अधिक अधिकारी कर्मचारियों ने अपना स्वास्थ्य परीक्षण कराया।

इस दौरान ब्लड प्रेशर, शुगर, जोड़ो का दर्द, सरदर्द, अनिद्रा, हाईपरटेंशन, फीवर, एलर्जी, लीवर, किडनी व हृदय से जुड़ी समस्याओं सहित विविध रोगों की जांच विशेषज्ञ चिकित्सकों द्वारा की गई, शिविर में विभिन्न बीमारियों की दवाओं का पर्याप्त स्टाक रखा गया था, अधिकारी कर्मचारियों को चिकित्सकों ने आवश्यकतानुसार दवाईयाँ भी प्रदान की तथा विभिन्न चिकित्सकीय परामर्श व सुझाव दिया। महापौर श्रीमती संजूदेवी राजपूत ने उक्त विशेष स्वास्थ्य जागरूकता व जांच शिविर का समापन किया तथा कर्मचारी राज्य बीमा औषधालय कोरबा के चिकित्सकों व अन्य अधिकारी कर्मचारियों के कार्यो की सराहना करते हुये प्रदेश के मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय व उद्योग मंत्री श्री लखनलाल देवांगन के प्रति आभार व्यक्त किया। शिविर में नोडल अधिकारी डॉ. दिग्विजय बहादुर सिंह, डॉ.नीरज तिवारी, डॉ.ओमदत्त तिवारी, स्टाफ नर्स मेरी संगीता, अरूणा राय सोने, फार्मासिष्ट उमेश कुमार मनहर, अंजू पटेल व अनिल ध्रुव, सहायक ग्रेड-3 ईश्वर प्रसाद सोनी, वार्ड ब्वाय खगेश्वर बेंद्रे, डिगेश कुमार एवं शुभम कर्ष ने अपनी सेवाएं प्रदान की। शिविर के समापन के दौरान निगम की मेयर इन काउंसिल के सदस्य अजय कुमार चन्द्रा, ममता यादव, फिरत राम साहू, योगेश मिश्रा, पूर्व पार्षद दीपक यादव, रामशंकर साहू, अधीक्षण अभियंता सुरेश बरूआ, लेखाधिकारी भवकांत नायक, स्वास्थ्य अधिकारी डॉ.संजय तिवारी, अरूण मिश्रा, आनंद दुबे आदि के साथ निगम के अन्य अधिकारी कर्मचारी उपस्थित थे।

तेज रफ्तार का तांडव: बिना बीमा मौत बनकर दौड़ती रही टिप्पर, जिम्मेदार कौन?

■ **रक्षित केंद्र के जवान को कुचलकर फरार, सिस्टम पर उठे गंभीर सवाल!**

सुकमा/नवप्रदेश। जिले की सड़कों पर बेलगाम रफ्तार और प्रशासनिक लापरवाही का खतरनाक गठजोड़ एक बार फिर जानलेवा साबित हुआ। 19 अप्रैल की सुबह लगभग 11 बजे एक बेकाबू टिप्पर ने रक्षित केंद्र के 35 वर्षीय जवान चिंचोड़ गंगा को बेरहमी से कुचल दिया। टक्कर इतनी भीषण थी कि जवान को संभलने का मौका तक नहीं मिला और मौके पर ही उसकी दर्दनाक मौत हो गई।

प्राप्त जानकारी के अनुसार, CG 26 J 0291 नंबर की VSR की टिप्पर गाड़ी तेज रफ्तार में लापरवाहीपूर्वक चलाई जा रही थी। चालक ने नियंत्रण खो दिया और सीधे सड़क पर मौजूद जवान को अपनी चपेट में ले लिया। हादसे के बाद आरोपी चालक वाहन सहित मौके से फरार हो गया, जिससे पूरे इलाके में सनसनी फैल गई। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची, शव को कब्जे में लेकर पंचनामा कार्रवाई शुरू की और आसपास लगे सीसीटीवी फुटेज खंगाले। फुटेज में फरार टिप्पर का नंबर स्पष्ट होने के बाद पुलिस ने आरोपी के खिलाफ अपराध क्रमांक 2626 के तहत धारा 281, 106 BNS में मामला दर्ज कर तलाश तेज कर दी है।

इस पूरे मामले का सबसे चौंकाने वाला पहलू यह है कि हादसे में विनोद सिंह राठौर के नाम से रजिस्टर्ड शामिल टिप्पर बिना वैध बीमा के सड़कों पर दौड़ रही थी। वाहन का बीमा 09 दिसंबर 2025 को ही समाप्त हो चुका था, बावजूद इसके यह मौत का पहिया खुलेआम सड़कों पर घूम रहा था। सिर्फ बीमा ही नहीं, पॉल्यूशन सर्टिफिकेट जैसे बुनियादी दस्तावेजों की भी अनदेखी की जा रही थी। सवाल यह है कि आखिर परिवहन विभाग की निगरानी व्यवस्था कहां सो रही थी? लगातार बढ़ती सड़क दुर्घटना के बाद भी परिवहन विभाग पंगु बना हुआ हैं। यह घटना एक बार फिर चेतावनी है कि अगर लापरवाही और ढीले सिस्टम पर लगाम नहीं लगी, तो सड़कों पर ऐसे ही निर्दोष लोग अपनी जान गंवाते रहेंगे। ऐसे में अब देखना यह है कि पुलिस प्रशासन अपने ही जवान को न्याय दिलाने इस मामले में कितनी सख्ती दिखाता है और दोषियों पर क्या कार्रवाई की जाती है!

परिवहन विभाग पर लापरवाही के गंभीर आरोप

यह हादसा सिर्फ एक दुर्घटना नहीं, बल्कि सिस्टम की विफलता का खुला सबूत है। बिना बीमा और बिना वैध दस्तावेजों के भारी वाहन का सड़कों पर दौड़ना सीधे-सीधे परिवहन विभाग की लापरवाही को उजागर करता है। नियमित जांच और सख्ती के दावे इस घटना के बाद खोखले नजर आ रहे हैं।

कैसे मिलेगा मुआवजा?

सबसे बड़ा सवाल अब यह है कि जवान की मौत का हर्जाना कैसे तय होगा? जब वाहन बीमित ही नहीं था, तो पीड़ित परिवार को न्याय और मुआवजा दिलाने की जिम्मेदारी किसकी होगी? क्या प्रशासन आगे आकर पीड़ित परिवार को राहत देगा या यह मामला भी कागजों में उलझकर रह जाएगा?

> हमने मामले में एफआईआर दर्ज कर लिया है। जांच चल रही है। दोषी पाए जाने वाले पर कार्रवाई की जाएगी।
>
> **– किरण चव्हाण,** पुलिस अधीक्षक, सुकमा

संक्षिप्त खबरें

बैंक से अवैध लेनदेन के दो फ्रॉड चढ़े पुलिस के हत्थे

कांकेर/नवप्रदेश। कांकेर पुलिस ने लाभ अर्जित करने के उद्देश्य से अवैध लेनदेन के लिए योजनाबद्ध तरीके से बैंक खाता उपलब्ध

कराने वाले 02 आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है दोनो आरोपी पूर्व नियोजित तरीके से अलग अलग बैंकों में दूसरों से खाता खुलवाकर अवैधानिक लेनदेन कराकर धोखाधडी के अपराध में शामिल है।गिरफ्तार आरोपियों में सूर्या स्वर्णकार पिता रविशंकर स्वर्णकार उम्र 27 वर्ष निवासी जैसाकर्रा आवासपारा थाना चारामा पुलकित चंद्राकर उर्फबब्बू पिता मेघनाथ चंद्राकर उम्र 25 वर्ष निवासी मरोदा सेक्टर भिलाई थाना नेवई जिला दुर्ग शमिल है।आरोपी पुलकित चंद्राकर का पूर्व अपराधिक रिकार्डः-थाना सुपेला जिला दुर्ग में अपराध क्र. 581/25 धारा-115(2),324(2),3(5) बीएनएस।02.थाना नेवई जिला दुर्ग में अपराध क्र. 214/19 धारा-279,337 भादवि.थाना तेलीबांधा रायपुर में अपराध क्र. 608/25 धारा- 109,3(5) बीएनएस के तहत मामला दर्ज़ है।

जिले में 'बस्तर मुन्ने' के तहत प्रत्येक गांव में 01 मई से लगेंगे विशेष संतृप्तता शिविर

कांकेर /नवप्रदेश।छत्तीसगढ़ शासन के निर्देशानुसार, कलेक्टर के मार्गदर्शन में जिले के विकास और जनकल्याणकारी योजनाओं की अंतिम व्यक्ति तक पहुँच सुनिश्चित करने के लिए ÷बस्तर मुन्ने÷ (अग्रणी बस्तर) अभियान का आगाज़ किया जा रहा है। इस अभियान के अंतर्गत आगामी 01 मई से जिले की सभी ग्राम में विशेष 'संतृप्तता शिविरों' का आयोजन किया जाएगा। इस संबंध में जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी हरेश मंडावी ने बताया कि अभियान का प्राथमिक लक्ष्य एनसीएईआर सर्वेक्षण के दौरान 'नियद नेल्लानार' योजना के अंतर्गत चिन्हित उन परिवारों को लाभान्वित करना है, जो वर्तमान में किन्हीं कारणों से शासकीय योजनाओं के लाभ से वंचित रह गए हैं। प्रशासन का संकल्प इन परिवारों को मुख्यधारा से जोड़कर लाभ का शत-प्रतिशत कवरेज सुनिश्चित करना है। यह अभियान विभिन्न चरणों में व्यवस्थित रूप से संचालित होगा। उन्होंने बताया कि पंचायती राज दिवस 24 अप्रैल से एक सप्ताह तक विशेष ग्राम सभाओं का आयोजन किया जाएगा, जिसमें प्रमुख सामुदायिक कार्यों जैसे आंगनबाड़ी उप स्वास्थ्य केंद्र सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों राशन दुकान, प्राथमिक शाला खेल मैदान पहुंच मार्ग (बारहमासी सड़क), विद्युतीकरण इंटरनेट, पोस्ट ऑफिस वन धन विकास केंद्र सी.एस.सी. पंचायत भवन, बैंक, कॉलेज की उपलब्धता एवं सुविधाओं से संबंधित कार्यों का संकलन के साथ ग्राम सभा में अनुमोदन प्राप्त किया जाना है। साथ ही ग्राम सभा द्वारा अनुमोदित प्रस्तावों पर नियमानुसार जिला स्तर से ही स्वीकृति आदेश जारी किए जाएंगे। ऐसे प्रस्ताव जिनमें शासन स्तर की अनुमति आवश्यक होगी, उन्हें त्वरित कार्यवाही हेतु राज्य शासन को प्रेषित किया जाएगा।

20 दिव्यांगो को मिला छड़ी बैशाखी श्रवण यंत्र व्हील चेयर ट्राईसायकल वितरण

कांकेर/नवप्रदेश। कलेक्टर के नेतृत्व निर्देशन में आयोजित दिव्यांगजन चिन्हांकन प्रमाणीकरण नवीनीकरण शिविर लाइवालीउड कांकेर में आयोजित किया गया। उक्त शिविर का उद्देश्य दिव्यांगजनों का चिन्हांकन आंकलन प्रमाणीकरण नवीनीकरण एवं यूडीआई कार्ड बनाया जाना रहा है साथ ही दिव्यांगजनों के पेंशन विषयक समस्या का समाधान बैंक खाता खोला जाना एवं हितग्राहियों का भौतिक सत्यापन किया जाना है। शिविर के माध्यम से वृद्धजन एवं दिव्यांगजनों/सहयोगियों की कुल पंजीकृत की संख्या 160 पंजीकृत हुए। जिसमें से 40 दिव्यांगजनों के मेडिकल 10 यूडीआईडी.10 नवीनीकरण किया गया है।20 दिव्यांगजों/वृद्धजनों को छड़ी/बैशाखी/श्रवण यंत्र/व्हील चेयर ट्राईसायकल वितरण किया गया। इस प्रकार के आयोजन से दिव्यांजनो को एक ही कैंप में पेंशन समस्या निवारण पेंशन हितग्राही के भौतिक सत्यापन दिव्यांगता प्रमाणीकरण/नवीनीकरण यूडीआईडी/शिविर सहायक उपकरण मिलने से दिव्यांगजनों द्वारा हर्ष व्यक्त किया गया। उपसंचालक समाज कल्याण कांकेर श्रीमती क्षमा शर्मा ने बताया कि आगामी शिविर 23 अप्रैल 2026 ग्राम पंचायत केंवटी भानुप्रतापपुर 24अप्रैल 2026 को सदभावना भवन पखांजूर में सुबह 10 से 4 बजे तक आयोजित किया गया है।

कलेक्टर-सीईओ ने कहा-ः मेहनत मार्गदर्शन और आत्मविश्वास से मिली बड़ी सफलता

कांकेर के विद्यार्थियों ने जेईई में रचा नया इतिहास

■ **शासकीय उमावि भीरागांव व प्रयास आवासीय विद्यालय कांकेर के 5-5 छात्र चयनित**

■ **डीईओ रमेश निषाद व डीएमसी नवनीत पटेल ने 25 चयनित विद्यार्थियों को दी बधाई**

कांकेर/नवप्रदेश। जिला कांकेर के विद्यार्थियों ने जेईई (द्वितीय चरण) प्रवेश परीक्षा में उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए जिले का नाम रोशन किया है। घोषित परिणाम में कुल 25 विद्यार्थियों ने जेईई एडवांस के लिए क्वालीफाई कर उल्लेखनीय उपलब्धि हासिल की है।

इसके अतिरिक्त लगभग 24 विद्यार्थी नीट आईआईआईटी एवं अन्य प्रतिष्ठित संस्थानों में प्रवेश के पात्र बने हैं। यह उपलब्धि जिले की सुदृढ़ होती शैक्षणिक व्यवस्था और विद्यार्थियों की बढ़ती प्रतिस्पर्धात्मक क्षमता का प्रमाण है।जिले में शिक्षा विभाग की ÷हमर लक्ष्य योजना÷ के माध्यम से निःशुल्क कोचिंग, विशेषज्ञ मार्गदर्शन एवं नियमित टेस्ट सीरीज जैसी सुविधाओं ने इस सफलता में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।

कलेक्टर जिला सीईओ डीईओ रमेश कुमार निषाद एवं डीएमसी नवनीत पटेल ने सभी सफल विद्यार्थियों, उनके अभिभावकों एवं शिक्षकों को हार्दिक बधाई दी।

जेईई एडवांस के लिए चयनित विद्यार्थियों में कांकेर जिले से प्रथमद्व, सौरभ कुमार मंडावी - प्रयास आवासीय विद्यालय, कांकेर (82.34%), द्वितीय, लोचन पटेल - हायर सेकेंडरी स्कूल आवरी (81.06%), तृतीय, मल्लिका मरकाम - प्रयास आवासीय विद्यालय, कांकेर (78.19%) इस प्रकार और भी अन्य विद्यार्थियों का प्रदर्शन रहा।

वेदिका - प्रयास आवासीय विद्यालय, कांकेर (77.77%), तनुजा नेताम -प्रयास आवासीय विद्यालय, कांकेर (77.66%), कुमारी चंचल - हायर सेकेंडरी स्कूल भीरागांव (76.84%), भूपेश कुमार कोमरा - पीएम श्री सेजेस दुर्गूकोंदल (76.45%), हर्षल कुमार - हायर सेकेंडरी स्कूल भीरागांव (75.98%), भूपेंद्र माहवे - हायर सेकेंडरी स्कूल भीरागांव (73.03%), करण -पीएम श्री सेजेस दुर्गूकोंदल (72.62%), भावेश कुमार - हायर सेकेंडरी स्कूल लोहत्तर (71.99%), पायल वट्टी -हायर सेकेंडरी स्कूल अमोड़ा (69.71%), कुमारी बिना उसेंडी - पीएम श्री सेजेस अंतागढ़ (64.41%), सुषमा कोमरा - हायर सेकेंडरी स्कूल भीरागांव (62.89%), करण कुमार - प्रयास आवासीय विद्यालय, कांकेर (62.89%), अरुण कुमार - हायर सेकेंडरी स्कूल बोन्दानार (62.69%), धर्मेंद्र कुमार - हायर सेकेंडरी स्कूल हाटकोण्डल (61.71%), गितेश कुमार - हायर सेकेंडरी स्कूल आमाकड़ा (60.24%), सिमरन मरकाम - हायर सेकेंडरी स्कूल बोन्दानार (58.62%), रोशन -हायर सेकेंडरी स्कूल कोन्डे (56.75%), पार्वती वट्टी - बालक हायर सेकेंडरी स्कूल अंतागढ़ (56.96%), प्रतिभा नायक - हायर सेकेंडरी स्कूल भीरागांव (55.71%), प्रेरणा वट्टी - कन्या हायर सेकेंडरी स्कूल अभनपुर (55.52%), साक्षी - हायर सेकेंडरी स्कूल लोहत्तर (54.94%), राखी - हायर सेकेंडरी स्कूल कोन्डे (52.94%)

यह सफलता जिले में विकसित हो रहे सकारात्मक शैक्षणिक वातावरण, गुणवत्तापूर्ण मार्गदर्शन एवं विद्यार्थियों के बढ़ते आत्मविश्वास का प्रतीक है। कांकेर शिक्षा के क्षेत्र में नई पहचान स्थापित कर रहा है और भविष्य में और भी बड़ी उपलब्धियों की अपेक्षा की जा रही है। जिला शिक्षा अधिकारी श्री रमेश निशाद ने सभी प्रचार्यो को जोसा काउंसलिंग एवं सी सेट काउंसलिंग पर ध्यान देने तथा मोडल शिक्षक के माध्यम से बच्चों का काउंसलिंग कराने हेतु निर्देशित किया गया है यह काउंसलिंग प्रक्रिया शीघ्र ही शासन द्वारा प्रारंभ कर दी जावेगी एक भी छात्र काउंसलिंग से वंचित न हों इस बात का विशेष ध्यान देने के निर्देश दिए गए हैं ।

पहलाजानी संस्थान का महिला स्वास्थ्य शिविर संपन्न

काँकेर/नवप्रदेश। भारत की प्रसिद्ध महिला चिकित्सा संस्थान एवं निः संतानता तथा टेस्ट ट्यूब बेबी सेंटर 'पहलाजानी' का आज काँकेर में एक दिवसीय कार्यक्रम पूर्णतः सफल रहा। जिसमें स्थानीय लोकप्रिय समाज सेवी संस्था सुनहरे क़दम सिंधी महिला विंग तथा प्रदेश की प्रसिद्ध संस्था जन सहयोग ने आयोजन में उल्लेखनीय सक्रिय भाग लिया।पहलाजानी संस्थान की निःसंतानता विशेषज्ञ डॉक्टर श्रुति गजेंद्र तथा अन्य चिकित्सा विशेषज्ञ डॉक्टर निकिता गोकलानी एवं डॉक्टर मुस्कान लालवानी ने भी अपनी विशिष्ट

सेवाएं प्रदान कीं। इस अवसर पर विशिष्ट अतिथि डिप्टी कलेक्टर सुश्री रानू मैथ्यूज़, मैडम, अध्यक्ष नगर पालिका अरुण कौशिक, विजय लक्ष्मी कौशिक, पार्षद मीरा सलाम, जिला बाल संरक्षण अधिकारी रीना लारिया , हर्षा कोठारी , बब्बू हितेश खटवानी, कनक जोशी, एकता कोठारी, उपस्थित थे। विघ्न विनाशक गणपति तथा झूलेलाल साईं के समक्ष दीप प्रज्ज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। ÷जन सहयोग÷ के अध्यक्ष अजय पप्पू मोटवानी के अलावा धर्मेंद्र देव, जितेंद्र प्रताप देव ,राजकुमार फब्रयानी, राजू पंजाबी ,राजा देवनानी, दिलीप खटवानी, ध्यानचंद केवल- -रामानी, समाज के ÷मुखी÷ राकेश आहूजा ने भी अपनी गरिमामयी उपस्थिति देकर कार्यक्रम की भूरि-भूरि प्रशंसा की। सिंधु समाज की महिला विंग संस्था ÷सुनहरे क़दम÷ की अध्यक्ष श्रीमती सुनीता मोटवानी, कोमल लच्छानी, पायल मोटवानी विनीता बुधवानी रेशम बुधवानी, कविता जवरानी नेहा भाषवानी विमला गिडलानी, विनीता वाधवानी ,रेशम वत्यानी, महक रवानी ,प्रिया अहूजा, सुमन आहूजा, भावना मंगलानी, विजया असरानी आदि ने उत्साह पूर्वक भाग लिया।

नाबालिग से दुष्कर्म कर फरार होने वाला आरोपी चढ़ा पुलिस के हत्थे

चारामा/नवप्रदेश। शादी का झांसा देकर नाबालिग की अस्मत से खेलने वाले एक आरोपी को चारामा पुलिस ने चंद घंटों के भीतर धर दबोचा है। आरोपी दुष्कर्म की घटना के बाद फरार हो गया था, जिसे पुलिस की विशेष टीम ने घेराबंदी कर गिरफ्तार किया और अब वह सलाखों के पीछे है।

मिली जानकारी के अनुसार, पीड़िता अपनी नानी के घर रहकर मकान निर्माण कार्य में मजदूरी करती थी। इसी दौरान उसकी पहचान आरोपी प्रवीण कुरेटी (22 वर्ष), निवासी ग्राम बड़भूम (बालोद) से हुई। आरोपी ने शादी का प्रलोभन देकर पीड़िता को अपने साथ रखा और लगातार शारीरिक शोषण किया।

पैराडाइज स्कूल के शिक्षकों ने 'पृथ्वी दिवस' पर पर्यावरण बचाने का लिया संकल्प

कांकेर/नवप्रदेश। पैराडाइज हायर सेकेण्डरी सी.बी.एस.ई. स्कूल में 22 अप्रैल को विश्व पृथ्वी दिवस शिक्षकों के द्वारा मनाया गया। इस अवसर प्री-प्राइमरी एवं प्राइमरी कक्षाओं छात्र-छात्राओं ने घर पर रहकर अपने ड्रॉइंग एवं पेंटिंग के माध्यम से जल, जंगल एवं जमीन को कैसे साफ सुरक्षित एवं संरक्षित रखने की, प्रभाव पूर्ण जागरूकता का संदेश दिया। उन्होंने ÷हमारी धरती, हमारा भविष्य÷, पेड़ लगाओं, धरती बचाओ÷, ÷स्वच्छ पर्यावरण, स्वस्थ जीवन÷, जल, जंगल, जमीन बचाओं, धरती हमारी माता हैं, इसकी रक्षा करना हमारा कर्तव्य ऐसे थीम को लेकर बहुत आकर्षित और मनमोहक

ड्रॉइंग एवं पेंटिंग के द्वारा पृथ्वी और पर्यावरण के प्रति अपनी नैतिक जिम्मेदारियों की भाव को ड्रॉइंग, पेंटिंग तथा मॉडल के माध्यम से प्रदर्शित किया। बच्चों ने अपने घर पर गमलों में मिटटी भरकर पौधे लगायें और उन्हें विकसित करने का संकल्प लिया। बच्चों ने अपने किचन गार्डन की साफसफाई किया गया।इस अवसर पर प्राचार्य रश्मि रजक ने सभी शिक्षकों को संबोधित करते हुये कहा कि यह वहीं पृथ्वी है जो हमें जीवन देती है, शुद्ध वायु, स्वच्छ जल, भोजन और रहने के लिए सुंदर वातावरण प्रदान करती है।

एक किलो गांजा के साथ शातिर अपराधी गिरफ्तार

■ **आदतन अपराधी भी पुलिस की गिरफ्त में**

चारामा/नवप्रदेश। कांकेर पुलिस की नशे के कारोबार पर करारा प्रहार उजियारा अभियान के तहत चारामा पुलिस ने गांजा बेचने वाले युवक को गिरफ्तार 50 हज़ार से अधिक कीमत की गांजा तस्कर को गिरफ्तार किया गया है। गिरफ्तार आरोपी गुलाब सिन्हा पिता सुरेश सिन्हा उम्र 30 वर्ष आरोपी के कब्जे से 01 किलो 30 ग्राम मादक पदार्थ गांजा जप्त किया गया है।

चारामा पुलिस से मिली जानकारी अनुसार 22अप्रैल 2026 को थाना चारामा पुलिस को मुखबिर से सूचना प्राप्त हुई कि ग्राम नाकापारा चारामा निवासी गुलाब सिन्हा नामक व्यक्ति ग्राम जैसाकर्रा में महुआ पेड़ के नीचे परमानंद जैन की जमीन के पास सफेद रंग के कपड़े के थैले में प्लास्टिक झिल्ली में भरा अवैध मादक पदार्थ गांजा बिक्री हेतु रखा हुआ है।

सूचना की गंभीरता को देखते हुए पुलिस अधीक्षक निखिल अशोक कुमार राखेचा के निर्देशन अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक योगेश साहू अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक दिनेश सिन्हा (नोडल अधिकारी साइबर सेल) के मार्गदर्शन तथा अनुविभागीय अधिकारी पुलिस कांकेर मोहसीन खान के पर्यवेक्षण में थाना चारामा पुलिस द्वारा टीम गठित कर मुखबिर के बताए स्थान पर घेराबंदी कर रेड कार्यवाही की गई।मौके पर एक संदिग्ध व्यक्ति मिला जिससे पूछताछ करने पर उसने अपना नाम गुलाब सिन्हा पिता सुरेश सिन्हा उम्र 30 वर्ष निवासी नाकापारा चारामा बताया। तलाशी लेने पर उसके कब्जे से सफेद रंग के कपड़े के थैले में प्लास्टिक झिल्ली में भरा 01 किलो 30 ग्राम गांजा बरामद किया गया।आरोपी के विरुद्ध धारा 20(बी) एनडीपीएस एक्ट के तहत अपराध पंजीबद्ध कर उसे गिरफ्तार कर न्यायिक अभिरक्षा में भेजा गया। आरोपी आदतन अपराधी है जिसके ऊपर चारामा पुलिस थाना में विभिन्न धाराओं में अपराध पंजीबद्ध है।

घरेलू विवाद और शराब की लत के चलते युवक ने फांसी लगाकर दी जान

चारामा/नवप्रदेश। चारामा थाना क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले ग्राम रतेडीह में एक हृदयविदारक घटना सामने आई है, जहाँ शराब की लत और आपसी कलह के चलते एक 30 वर्षीय युवक ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली।

पुलिस से प्राप्त जानकारी और मृतका की पत्नी श्रीमती पार्वती साहू द्वारा दर्ज कराई गई रिपोर्ट के अनुसार, अकलाडोंगरी निवासी सोमन साहू (उम्र 30 वर्ष) शराब पीने का आदी था। शराब के नशे में वह अक्सर घर में वाद-विवाद और मारपीट किया करता था।

खेत में पेड़ से लटका मिला शव

दिन भर सोमन का कोई पता नहीं चलने पर परिजनों ने उसकी तलाश शुरू की। शाम करीब 05-06 बजे ग्रामीणों के माध्यम से सूचना मिली कि सोमन साहू ने बिंदा बाई के खेत में लगे एक हरे पेड़ पर फांसी का फंदा बनाकर अपनी जीवन लीला समाप्त कर ली है। घटना की सूचना मिलते ही चारामा पुलिस ने मर्ग कायम कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस ने शव का पंचनामा तैयार कर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

दिनांक 21 अप्रैल 2026 की रात को भी सोमन ने शराब पीकर घर में जमकर हंगामा किया। विवाद इतना बढ़ गया कि अगले दिन सुबह करीब 08:00 बजे पार्वती साहू अपने मायके ग्राम रतेडिही चली गई। सुबह करीब 10:00 बजे सोमन वहां भी पहुंच गया और पत्नी के साथ फिर से मारपीट की, जिसके बाद वह वहां से निकल गया।

चारामा के निवेश शंखवार ने गेंद से मचाया कोहराम

'प्लेट कॉम्बाइन टीम' में पक्की की जगह

चारामा/नवप्रदेश। कहते हैं कि अगर इरादों में जान हो और मेहनत में ईमानदारी, तो सफलता के रास्ते खुद-ब-खुद खुल जाते हैं। चारामा के उभरते हुए क्रिकेट सितारे निवेश शंखवार ने इस बात को सच कर दिखाया है। छत्तीसगढ़ स्टेट क्रिकेट संघ द्वारा आयोजित इंटर डिस्ट्रिक्ट प्लेट ग्रुप टूर्नामेंट में निवेश ने अपनी धारदार गेंदबाजी से न केवल बल्लेबाजों के होश उड़ाए, बल्कि 'प्लेट कॉम्बाइन टीम' में शामिल होकर पूरे जिले का नाम रौशन कर दिया है।

मैदान पर निवेश का 'तिलस्म': 21 शिकार और राज्य में तीसरा स्थान: निवेश शंखवार इस टूर्नामेंट में एक 'मैच विनर' के रूप में उभरे हैं। उन्होंने अपनी सटीक लाइन-लेंथ और रफ्तार से विरोधियों को घुटने टेकने पर मजबूर कर दिया। उनके प्रदर्शन के आंकड़े उनकी प्रतिभा की गवाही देते हैं,उन्होंने कुल 21 विकेट लिए जो की पूरे राज्य में तीसरा सर्वाधिक विकेट लेने वाले गेंदबाज रहे, उन्होंने ?बस्तर के खिलाफ11 विकेट,जांजगीर-चांपा के खिलाफ 4,कोरिया के खिलाफ 7 विकेट चटकाकर टीम की जीत सुनिश्चित की। मात्र 70 ओवरों की गेंदबाजी में 21 विकेट लेना किसी भी गेंदबाज के लिए एक सपना होता है, जिसे निवेश ने अपनी कड़ी मेहनत से हकीकत में बदला है।

खुशी की लहर और उज्ज्वल भविष्य की कामना : निवेश की इस शानदार सफलता पर चारामा क्रिकेट संगठन के उपाध्यक्ष चन्द्रशिवम सिन्हा सहित पूरे संगठन और क्षेत्रवासियों ने हर्ष व्यक्त किया है। क्रिकेट प्रेमियों का मानना है कि निवेश का यह प्रदर्शन उनके क्रिकेट करियर के लिए एक बड़ा 'टर्निंग पॉइंट' साबित होगा और जल्द ही वे बड़े स्तर पर अपनी छाप छोड़ेंगे।

> निवेश हमेशा से एक जुझारू बोलिंग ऑलराउंडर रहा है। कड़कड़ाती धूप हो या बरसता पानी, उसने कभी अभ्यास से मुंह नहीं मोड़ा। आज की यह उपलब्धि उसकी उसी तपस्या का मीठा फल है
>
> **– अंकित शर्मा,** अध्यक्ष, चारामा क्रिकेट संगठन

बार-बार नोटिस के बावजूद कार्य में प्रगति नहीं लाने वाले ठेकेदारों के अनुबंध निरस्त करने के निर्देश

अम्बिकापुर/नवप्रदेश। कलेक्टर अजीत वसंत की अध्यक्षता में आज जिला जल एवं स्वच्छता मिशन की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में जल जीवन मिशन के अंतर्गत संचालित कार्यों की विकासखंडवार समीक्षा की गई।

कलेक्टर ने कार्यों में अनावश्यक विलंब और निर्देशों की अवहेलना करने वाले ठेकेदारों के अनुबंध निरस्त करने के निर्देश दिए हैं। कलेक्टर वसंत ने समीक्षा के दौरान पाया कि पूर्व में दिए गए नोटिस के बावजूद कई ठेकेदारों द्वारा नलकूप खनन और निर्माण कार्यों में अपेक्षित प्रगति नहीं लाई गई है। नलकूप खनन कार्य में लगे तीन ठेकेदारों में मेसर्स पीटी नायडू को अनुबंधित दो कार्यों के लिए 7 अक्टूबर 2024, 31 दिसम्बर 2024, 28 फरवरी 2025, 23 अप्रैल 2025, 22 जनवरी 2026 को कुल 10 नोटिस जारी किया गया है। इसी प्रकार मेसर्स महावीर बोरवेल्स को अनुबंधित तीन कार्यों के लिए 7 अक्टूबर 2024, 02 दिसम्बर 2024, 30 दिसम्बर 2024, 31 दिसम्बर 2024, 28 फरवरी 2025, 23 अप्रैल 2025, 22 जनवरी 2026 को कुल 18 नोटिस जारी किया गया है। वहीं मेसर्स शिव शक्ति बोरवेल्स को अनुबंधित दो कार्यों के लिए 14 मई 2024, 7 अक्टूबर 2024, 02 दिसम्बर 2024, 31 दिसम्बर 2024, 28 फरवरी 2025, 23 अप्रैल 2025, 22 जनवरी 2026 को कुल 09 नोटिस जारी किया गया है। इसके बावजूद संबंधित ठेकेदारों द्वारा कार्य में सुधार नहीं किया गया, जिसके चलते अनुबंध निरस्त करने की

कार्रवाई करने के निर्देश दिए। इसी क्रम में एकल ग्राम योजना के तहत कार्यों में धीमी गति वाले तीन अन्य ठेकेदारों में मेसर्स महेंद्र बिल्डकॉन को अनुबंधित एक कार्य के लिए 21 नवम्बर 2024, 16 जून 2023, 03 मार्च 2026 को कुल 03 नोटिस जारी किया गया है। वहीं मेसर्स गुरूदेव कंस्ट्रक्शन को अनुबंधित एक कार्य के लिए 21 नवम्बर 2024, 03 मार्च 2026, 18 अप्रैल 2023, 02 मई 2023, 04 नवम्बर 2024, 21 अगस्त 2025 को कुल 06 नोटिस जारी किया गया है। मेसर्स एक्वा ग्रांट वाटर प्यूरीफायर प्राइवेट लिमिटेड को अनुबंधित एक कार्य के लिए 04 दिसम्बर 2014, 03 मार्च 2026, 30 अप्रैल 2024, 04 नवम्बर 2024 कुल 04 नोटिस जारी किया गया है।

समूह जलप्रदाय योजना के प्रगति की समीक्षा

कलेक्टर श्री वसंत ने बैठक में जिले में संचालित समूह जल प्रदाय योजना में प्रगति की समीक्षा की। उन्होंने योजनाओं में गुणवत्ता सुनिश्चित करते हुए सभी कार्यों को समय-सीमा में पूर्ण करने के निर्देश दिए हैं, जिससे लोगों तक यथाशीघ्र साफ पेयजल पहुंच सके। ईई पीएचई ने बताया कि जिले में 4 योजनाएं संचालित हैं। जिले में देवी टिकरा समूह जलप्रदाय योजना का 48 प्रतिशत कार्य प्रगति पर है, इस योजना को अक्टूबर-नवम्बर माह तक प्रारम्भ करने लिया जाएगा।

न्यूज गैलरी

सिलपहरी में अखंड नवधा रामायण का द्वितीय वर्ष सफलतापूर्वक संपन्न

बिलासपुर/नवप्रदेश। ग्राम सिलपहरी में आयोजित अखंड नवधा रामायण का द्वितीय वर्ष बड़े ही श्रद्धा, भक्ति और उत्साह के साथ संपन्न हुआ। इस धार्मिक आयोजन में गांव सहित आसपास के क्षेत्रों से बड़ी संख्या में श्रद्धालु शामिल हुए और रामायण पाठ का रसपान कर धर्म लाभ प्राप्त किया। कार्यक्रम के दौरान भव्य कलश यात्रा, सत्संग एवं भजन-कीर्तन का आयोजन किया गया, जिसमें श्रद्धालुओं ने बढ़-चढ़कर भाग लिया। पूरे आयोजन स्थल को आकर्षक ढंग से सजाया गया था, जिससे माहौल पूरी तरह भक्तिमय बना रहा। समापन अवसर पर हवन-पूजन एवं महाप्रसाद वितरण किया गया, जिसमें सभी ग्रामवासियों ने सहभागिता निभाई। आयोजन समिति अध्यक्ष एवं सरपंच टीकाराम यादव ने सभी सहयोगकर्ताओं, अतिथियों एवं श्रद्धालुओं का आभार व्यक्त किया। इस प्रकार अखंड नवधा रामायण का द्वितीय वर्ष सफलतापूर्वक पूर्ण हुआ और गांव में धार्मिक वातावरण का संदेश दिया।

उचित मूल्य दुकानों का संचालन के लिए कलेक्टर ने दिए निर्देश

बलरामपुर/नवप्रदेश। जिले में सार्वजनिक वितरण प्रणाली के अंतर्गत उचित मूल्य दुकानों के माध्यम से प्रतिमाह हितग्राहियों को नियमित रूप से खाद्यान्न का वितरण किया जा रहा है। शासन के निर्देशानुसार सभी उचित मूल्य दुकानों को प्रत्येक कार्य दिवस में दो पालियों में कुल 8 घंटे दुकान खोलकर राशन वितरण करने के निर्देश है। जिसके अंतर्गत सुबह 8:00 से 12:00 बजे तथा दोपहर 2:00 बजे से 6:00 बजे तक दुकानों का संचालन किया जाना है। हितग्राहियों को खाद्यान्न का उठाव करने में किसी प्रकार की समस्या न हो इस संबंध में कलेक्टर श्री राजेन्द्र कटारा ने उचित मूल्य दुकानों का सुचारू रूप से संचालन करने के निर्देश दिए है। जिला खाद्य अधिकारी ने जानकारी दी है कि जिले में 483 उचित मूल्य की दुकान संचालित है जिसके माध्यम से 2 लाख 34 हजार राशन कार्ड धारियों को प्रति माह लाभान्वित किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि जिले में वन नेशन वन राशन कार्ड योजना संचालित है जिसके अंतर्गत राशन कार्ड धारी अपनी सुविधा एवं इच्छानुसार किसी भी उचित मूल्य दुकान से राशन का उठाव कर सकता है।

26 को होगी मंडी उपनिरीक्षक परीक्षा

बलरामपुर/नवप्रदेश। छत्तीसगढ़ राज्य कृषि विपणन (मंडी) बोर्ड अंतर्गत उप निरीक्षक भर्ती परीक्षा 26 अप्रैल 2026 को 16 जिलों में प्रात: 10 बजे से 12:15 बजे तक आयोजित की गई है। जिसमें 2 लाख 47 हजार अभ्यर्थी शामिल होंगे। व्यावसायिक परीक्षा मण्डल रायपुर (व्यापम) द्वारा आयोजित परीक्षाओं के निष्पक्ष, पारदर्शिता पूर्ण एवं सफलतापूर्वक आयोजन के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश जारी किया गया है। अभ्यर्थी परीक्षा से पूर्व इन दिशा-निर्देशों का भली-भांति अध्ययन कर लें और निर्धारित समय पर सभी आवश्यक दस्तावेजों व समुचित पहनावे के साथ परीक्षा केंद्र पहुंचें। निर्देशों का पालन नहीं करने पर अभ्यर्थिता समाप्त कर दी जाएगी और आवश्यकतानुसार सख्त कार्रवाई की जाएगी। परीक्षार्थियों को परीक्षा केंद्र में परीक्षा शुरू होने के कम से कम 02 घण्टे पहले परीक्षा केन्द्र में पहुंचने के निर्देश दिए गए हैं। ताकि प्रवेश के पूर्व सभी अभ्यर्थियों का अनिवार्य रूप से फ्रिस्किंग समय पर किया जा सके। परीक्षा केन्द्र का मुख्य द्वार परीक्षा शुरू होने के 30 मिनट पहले बंद कर दिया जाएगा। इसके लिए परीक्षार्थी समय का विशेष ध्यान रखेंगे।

24 अप्रैल को ग्राम पंचायतों में विशेष ग्राम सभा का आयोजन

अम्बिकापुर/नवप्रदेश। कलेक्टर अजीत वसंत ने छत्तीसगढ़ पंचायत राज अधिनियम 1993 की धारा 6 (1) (क) में प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए जिले के प्रत्येक ग्राम पंचायतों में 24 अप्रैल 2026 को पंचायती राज दिवस के अवसर पर विशेष ग्राम सभा आयोजित करने का आदेश जारी किया है। छत्तीसगढ़ पंचायत राज अधिनियम 1993 की धारा 129 (ख) (3) के तहत विशेष ग्राम सभा में गणपूर्ति के साथ-साथ ग्राम सभा के सदस्यों की शत प्रतिशत उपस्थिति कराने का दायित्व सरपंच, पंच एवं सचिव का होगा। ग्राम सभा की कार्यवाही छत्तीसगढ़ पंचायत राज अधिनियम 1993 की धारा 129 ख (3) अनुसार संचालित होगी।

जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी नोडल अधिकारी नियुक्त

अम्बिकापुर/नवप्रदेश। छत्तीसगढ़ शासन संस्कृति विभाग के निर्देशानुसार सोमनाथ स्वाभिमान पर्व ''अटूट आस्था के 1000 वर्ष'' 11 जनवरी 2026 से 11 जनवरी 2027 की अवधि के लिए एक वर्षव्यापी राष्ट्रीय स्मरणोत्सव के रूप में सभी राज्यों और केन्द्र शासित प्रदेशों की समन्वित भागीदारी के साथ आयोजित किया जाना है। ताकि व्यापक पहुंच और जनभागीदारी सुनिश्चित किया जा सके। शासन के निर्देशानुसार जिले में सोमनाथ स्वाभिमान पर्व ''अटूट आस्था के 1000 वर्ष'' के आयोजन के तहत् दिए जाने वाले दिशा-निर्देश का पालन एवं क्रियान्वयन हेतु जिला पंचायत सरगुजा के मुख्य कार्यपालन अधिकारी विनय कुमार अग्रवाल को नोडल अधिकारी नियुक्त किया गया है।

सुशासन तिहार की तैयारी के बीच कलेक्ट्रेट में 'आम कांड'

काम छोड़ आम तोड़ते दिखे आरईएस कर्मचारी

अंबिकापुर/ नवप्रदेश। जिले के कलेक्ट्रेट परिसर में शासकीय कार्यप्रणाली पर सवाल खड़े करने वाला एक हैरान करने वाला मामला सामने आया। ग्रामीण यांत्रिकी सेवा (आरईएस) विभाग के अधिकारी और कर्मचारी कार्यालयीन समय में अपने दायित्वों को छोड़कर आम तोड़ने में व्यस्त नजर आए। यह घटनाक्रम शाम करीब 4 बजे का बताया जा रहा है, जब परिसर में लगे आम के पेड़ों के नीचे कर्मचारियों की भीड़ जुटी हुई थी और सरकारी कामकाज पूरी तरह प्रभावित होता दिखा।

एक ओर जिला प्रशासन 'सुशासन तिहार-2026' के तहत 1 मई से 10 जून तक ग्रामीण अंचलों में जन समस्या निवारण शिविर आयोजित करने की तैयारी में जुटा है, ताकि आमजनों की समस्याओं का त्वरित समाधान किया जा सके। वहीं दूसरी ओर उसी प्रशासनिक तंत्र का हिस्सा रहे आरईएस विभाग के कर्मचारी अपने कर्तव्यों से विमुख होकर निजी गतिविधियों में लिप्त दिखाई दिए। इस विरोधाभासी स्थिति ने प्रशासनिक दावों और जमीनी हकीकत के बीच की खाई को उजागर कर दिया है। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, कुछ कर्मचारी बांस (डंडे) के सहारे पेड़ों से आम तोड़ रहे थे, जबकि अन्य कर्मचारी नीचे चादर फैलाकर आम इकट्ठा करते नजर आए। इस दौरान कार्यालय में आने वाले आमजन अपने कामों के लिए इधर-उधर भटकते रहे, लेकिन जिम्मेदार कर्मचारी अपनी मस्ती में व्यस्त रहे। सरकारी परिसर के भीतर इस तरह की गतिविधि ने न केवल कार्य संस्कृति पर सवाल उठाए, बल्कि अनुशासनहीनता की स्पष्ट तस्वीर भी सामने रख दी। सबसे चिंताजनक पहलू यह रहा कि मौके पर मौजूद जिम्मेदार अधिकारी पूरे घटनाक्रम के दौरान मूकदर्शक बने रहे। किसी भी कर्मचारी को रोकने या कार्य के प्रति गंभीरता दिखाने की कोई कोशिश नहीं की गई। इससे यह स्पष्ट संकेत मिलता है कि विभागीय स्तर पर लापरवाही किस हद तक पहुंच चुकी है।कलेक्ट्रेट जैसे संवेदनशील और महत्वपूर्ण प्रशासनिक केंद्र में इस तरह की घटनाएं आम जनता के बीच गलत संदेश देती हैं। जिन कर्मचारियों पर जनसमस्याओं के समाधान और प्रशासनिक कार्यों के सुचारू संचालन की जिम्मेदारी होती है, वही यदि अपने दायित्वों से भटक जाएं तो व्यवस्था पर विश्वास कमजोर होना स्वाभाविक है। इस पूरे घटनाक्रम का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद लोगों में भारी नाराजगी देखी जा रही है। नागरिकों ने इस घटना की कड़ी निंदा करते हुए कहा कि यदि अधिकारी और कर्मचारी ही अपने कर्तव्यों के प्रति गंभीर नहीं हैं, तो आम जनता को समय पर न्याय और सेवाएं कैसे मिल पाएंगी।

विद्युत व्यवस्था को लेकर फाउंडेशन ने सौंपा ज्ञापन

सक्ती/नवप्रदेश। छत्तीसगढ़ राज्य विद्युत उत्पादन की दृष्टि से सरप्लस विद्युत उत्पन्न करने वाला राज्य है। मगर पूरे राज्य की उत्पादकता का सक्ती शहर को कोई लाभ नहीं मिल रहा है। ऐसा लग रहा है मानो सक्तीवासी पाषाणकालीन सभ्यता की ओर अग्रसर हो रहे हैं।सक्ती शहर में विद्युत व्यवस्था चरमराई हुई है। लगातार विभाग द्वारा मरम्मत कार्य किए जाने के बावजूद स्थिति में कोई सुधार नहीं हो रहा है। भीषण गर्मी में तप रहे सक्ती नगर वासियों में विद्युत विभाग के प्रति रोष देखा जा रहा है। नगर में सुचारू एवं निर्बाध रूप से विद्युत आपूर्ति की मांग को लेकर आज छत्तीसगढ़ नागरिक सुरक्षा फाउंडेशन जिला सक्ती के जिलाध्यक्ष रामनरेश यादव सहित प्रतिनिधि मंडल कार्यपालन यंत्री ए के भारद्वाज से मिलने उनके कार्यालय पहुंचे। प्रतिनिधि मंडल के द्वारा सक्ती के नागरिकों को हो रही परेशानियों से अवगत कराते हुए उक्त समस्या का स्थायी समाधान करने की बात कही, साथ ही जबतक कोई ठोस एवं सुचारू स्थायी व्यवस्था नहीं हो जाती तब तक के लिए कोई वैकल्पिक व्यवस्था कर विद्युत आपूर्ति को निर्बाध रूप से प्रदान करने हेतु कार्यपालन यंत्री ए के भारद्वाज को ज्ञापन सौंपा गया। ज्ञापन में कहा गया है कि नगर में विद्युत व्यवस्था में सुधार कर नगरवासियों की समस्या का समाधान करें तथा अघोषित कटौती को बंद करें , यदि 7 दिवस के भीतर विद्युत आपूर्ति की दिशा में कोई ठोस पहल नहीं किया जाता है तो सक्ती शहर में भारी जन आंदोलन तथा चक्काजाम किया जाएगा।

तालदेवरी में जन जागरूकता कार्यक्रम आयोजित

जांजगीर-चांपा/नवप्रदेश। नशा मुक्ति/सायबर जागरूकता कार्यक्रम के दौरान ग्रामीणों को नशे के दुष्परिणामों एवं सोशल मीडिया के सुरक्षित उपयोगों के बारे में लोगो को जागरूक किया गया। नशा मुक्ति कार्यक्रम आयोजित कर अवैध शराब के विरुद्ध सशक्त संदेश दिया गया। ऑनलाइन धोखाधड़ी, सायबर अपराध, डिजिटल अरेस्ट, अंजान लिंक पर क्लिक न करे, ओटीपी शेयर न करे के संबंध में आवश्यक जानकारी दी गई। जांजगीर चांपा पुलिस द्वारा सामुदायिक पुलिसिंग के तहत विभिन्न जन जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया जा रहा है। इसी क्रम में थाना प्रभारी बिर्रा निरीक्षक जयकुमार साहू द्वारा बिर्रा के तालदेवरी में नशा मुक्ति एवं सायबर जन जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जागरूकता कार्यक्रम के माध्यम से ग्रामीणों को नशे

के दुष्परिणामों से अवगत कराते हुए अवैध शराब के खिलाफ एवं सायबर अपराध से बचने के संबंध में जागरूक किया गया। जांजगीर चांपा पुलिस द्वारा स्पष्ट निर्देश दिए गए हैं कि जिले में अवैध शराब, नशा कारोबार एवं सामाजिक अपराधों के विरुद्ध अभियान आगे भी इसी प्रकार लगातार जारी रहेगा। उपरोक्त कार्यक्रम ग्राम मितानिनों का समूह, ग्राम सरपंच, आंगनवाड़ी कार्यकर्त्ता एवं भीम आर्मी प्रदेश महासचिव कलेश्वर खूंटे व गणमान्य नागरिकगण उपस्थित रहे।

ज्ञानभारतम राष्ट्रीय पाण्डुलिपि सर्वेक्षण अभियान शुरू

बलरामपुर/नवप्रदेश। संस्कृति मंत्रालय भारत सरकार के द्वारा ज्ञानभारतम राष्ट्रीय पाण्डुलिपि सर्वेक्षण अभियान की पहल की गई है। जिसका उद्देश्य देश एवं राज्य में उपलब्ध प्राचीन एवं ऐतिहासिक पाण्डुलिपियों की सर्वे, सूचीकरण एवं संरक्षण सुनिश्चित करना है। इस अभियान के माध्यम से विभिन्न संस्थानों एवं निजी संग्रहों में संरक्षित पाण्डुलिपियों का व्यवस्थित सर्वेक्षण एवं डिजिटलीकरण किया जाएगा। पाण्डुलिपियां हमारी सांस्कृतिक, ऐतिहासिक एवं बौद्धिक का महत्वपूर्ण स्त्रोत है। इनमें प्राचीन ज्ञान, चिकित्सा, साहित्य, धर्म, विज्ञान एवं सामाजिक परंपराओं से संबंधित महत्वपूर्ण जानकारी निहित होती है। इनका संरक्षण आने वाली पीढ़ियों के लिए ज्ञान संरक्षण के लिए कार्य करने में सहायक होगी। वर्तमान परिस्थितियों में जलवायु, कीट एवं अनुचित रख-रखाव के कारण पाण्डुलिपियां नष्ट हो सकती है। जिसके लिए इनका वैज्ञानिक संरक्षण एवं डिजिटिलिकरण करना आवश्यक हो गया है। इस राष्ट्रीय अभियान से जुड़ने के लिए डिजिटल माध्यम ज्ञानभारतम पोर्टल भी लॉच किया गया है। कोई भी व्यक्ति या संस्था अपने पास उपलब्ध पांडुलिपियों को ज्ञानभारतम डॉट कॉम पोर्टल और 'ज्ञानभारतम मोबाइल एप के माध्यम से आवश्यक जानकारी दर्ज कर इस राष्ट्रव्यापी सर्वेक्षण अभियान का हिस्सा बन सकते हैं। यह सर्वेक्षण उन पांडुलिपियों को खोजने और सूचीबद्ध करने का प्रयास है, जो वर्तमान में परिवारों, मंदिरों, मठों, संस्थानों या निजी संग्रहों में सुरक्षित है, लेकिन अभी तक औपचारिक रूप से सर्वेक्षित नहीं हो पाई हैं। सर्वेक्षण के पश्चात सरकार इनका डिजिटाइजेशन और संरक्षण करेगी।

सीमित संसाधनों के बीच नेहा एक्का ने जेईई मेन्स में हासिल की सफलता

बलरामपुर/नवप्रदेश। छत्तीसगढ़ के बलरामपुर जिले के लिए यह

गर्व का क्षण है, जहां भेलवाडीह स्थित पीएम श्री एकलव्य आदर्श आवासीय विद्यालय की प्रतिभाशाली छात्रा नेहा एक्का ने जेईई मेन्स 2026 परीक्षा में सफलता प्राप्त कर जिले का नाम रोशन किया है। नेहा ने यह साबित कर दिया है कि कठिन परिस्थितियों में भी दृढ़ संकल्प और निरंतर प्रयास से सफलता प्राप्त की जा सकती है। नेहा एक साधारण किसान परिवार से हैं। उनके पिता श्री रमेश एक्का खेती-किसानी करते हैं और माता श्रीमती ललिता एक्का गृहिणी हैं। सीमित संसाधनों के बीच पली-बढ़ी नेहा ने आर्थिक चुनौतियों के बावजूद अपनी पढ़ाई के प्रति समर्पण बनाए रखी और अनुशासित दिनचर्या के साथ निरंतर मेहनत करती रहीं। नेहा ने बताया कि जेईई जैसी प्रतियोगी परीक्षा की तैयारी आसान नहीं थी, लेकिन उन्होंने हार नहीं मानी।

अंबिकापुर में प्लास्टिक-पटाखा गोदाम में भीषण आग, धमाकों से दहला शहर

अंबिकापुर/नवप्रदेश। अंबिकापुर शहर में शुक्रवार दोपहर एक भीषण आगजनी की घटना ने पूरे इलाके में हड़कंप मचा दिया। शहर के व्यस्त राम मंदिर रोड स्थित एक प्लास्टिक और पटाखा होलसेल दुकान में अचानक आग लग गई, जिसने देखते ही देखते विकराल रूप धारण कर लिया। जानकारी के अनुसार, यह दुकान मुकेश प्लास्टिक के नाम से संचालित होती है, जहां बड़ी मात्रा में प्लास्टिक के सामान और पटाखों का भंडारण किया गया था। इधर भीषण आग को देखते हुए प्रशासन की टीम मौके पर पहुंची

और आसपास के घरो को खाली कराया गया। जानकारी के अनुसार घटना दोपहर करीब 12 बजे की बताई जा रही है। दुकान में आग लगने के बाद कुछ ही मिनटों में लपटें तेजी से फैलने लगीं। प्लास्टिक सामग्री अत्यधिक ज्वलनशील होने के कारण आग ने तेजी से पूरी दुकान को अपनी चपेट में ले लिया। स्थिति और भयावह तब हो गई जब दुकान में रखे पटाखों ने आग पकड़ ली और लगातार धमाके होने लगे। इन धमाकों की आवाज दूर-दूर तक सुनाई देने लगी, जिससे आसपास के लोगों में दहशत फैल गई। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, आग इतनी भीषण थी कि करीब 10 किलोमीटर दूर से धुएं का गुबार साफ दिखाई दे रहा था। आग ने एक घंटे के भीतर दो मंजिला इमारत को पूरी तरह से अपनी चपेट में ले लिया। इतना ही नहीं, दुकान से सटे एक रिहायशी मकान में भी आग फैल गई, जिससे स्थानीय लोगों को भारी नुकसान का सामना करना पड़ा। यह इलाका घनी आबादी वाला होने के कारण आग लगने के बाद अफरा-तफरी का माहौल बन गया और लोग अपने घरों से बाहर निकलकर सुरक्षित स्थानों की ओर भागते नजर आए। स्थानीय लोगों ने आशंका जताई है कि आग के चलते तारों के टूटने का खतरा बना हुआ है, जिससे स्थिति और गंभीर हो सकती थी। हालांकि, आग लगने के वास्तविक कारणों का अभी तक पता नहीं चल पाया है।

योजना

ट्रेन के प्रस्थान से पूर्व सरगुजा सांसद महाराज ने स्टेशन परिसर में तीर्थयात्रियों से मुलाकात की

850 तीर्थयात्रियों को लेकर अयोध्या धाम के लिए रवाना हुई विशेष ट्रेन

अम्बिकापुर/नवप्रदेश। छत्तीसगढ़ पर्यटन मंडल द्वारा संचालित श्री रामलला (अयोध्या धाम) दर्शन योजना के तहत आज सरगुजा संभाग के अम्बिकापुर रेलवे स्टेशन से 850 तीर्थयात्रियों को लेकर एक विशेष ट्रेन अयोध्या धाम के लिए रवाना हुई।

इस विशेष ट्रेन को अम्बिकापुर की महापौर मंजूषा भगत ने हरी झंडी दिखाकर गंतव्य के लिए रवाना किया। ट्रेन के प्रस्थान से पूर्व सरगुजा सांसद चिंतामणि महाराज ने स्टेशन परिसर में तीर्थयात्रियों से मुलाकात की। उन्होंने यात्रियों का कुशलक्षेम जाना और उनकी सुखद व मंगलमय यात्रा के लिए

अपनी शुभकामनाएं प्रेषित कीं। सरगुजा संभाग के अंतर्गत जिलों के लिए शासन द्वारा कुल 850 यात्रियों का कोटा निर्धारित किया गया है, जिसमें सरगुजा के लिए 170, जशपुर के लिए 204, बलरामपुर-रामानुजगंज के लिए 164, मनेन्द्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर के लिए 57, कोरिया के लिए 108 तथा सूरजपुर के लिए 147 यात्रियों की संख्या तय की गई है। जिला स्तरीय नोडल अधिकारी एवं उप संचालक समाज कल्याण विभाग वीके उके ने बताया कि सरगुजा जिले से कुल 138 तीर्थयात्री इस जत्थे में शामिल हैं। ब्लॉकवार यात्रियों का विवरण देते हुए बताया कि जनपद पंचायत अम्बिकापुर से 17 यात्री उदयपुर से 18 यात्री, लखनपुर से 14 यात्री, लुण्ड्रा से 13 यात्री, बतौली से 11 यात्री, सीतापुर से 11 यात्री, मैनपाट से 12 यात्री, नगर निगम अम्बिकापुर से 30 यात्री नगर पंचायत लखनपुर से 05 यात्री और नगर पंचायत सीतापुर से 07 यात्री शामिल हुए हैं।

श्री रामलाल दर्शन योजना से तीर्थ यात्री का दल 24 अप्रैल को वापस लौटेगा। ट्रेन रवानगी के इस गरिमामयी अवसर पर नगर निगम सभापति हरमिंदर सिंह टिन्नी, क्षेत्रीय अधिकारी (टूरिज्म बोर्ड), जिले के जनप्रतिनिधिगण, पार्षदगण सहित रेलवे, आई.आर.सी.टी.सी. और समाज कल्याण विभाग के अधिकारी व कर्मचारी उपस्थित रहे।

पुस्तक दिवस पर विशेष: नए शिक्षण सत्र में पुराना खेल, किताबों के नाम पर पालकों की हो रही जेब खाली

शिक्षा विभाग का आदेश दरकिनार, निजि प्रकाशकों की किताबों की मांग

मुंगेली/नवप्रदेश। शिक्षा विभाग ने स्पष्ट आदेश जारी किया है कि सरकारी और निजि स्कूलों में एनसीईआरटी की किताबों से पढाई की जाए लेकिन निजी स्कूलों में इस आदेश को दरकिनार कर निजी प्रकाशसकों की किताबें मंगवाई जा रही है। इससे पालकों की जेब पर अतिरिक्त भार पडनें लगा हैं इसके अतिरिक्त कई स्कूलों में के नाम पर डोनेशन भी वसूला ज रहा है।

जिले में निजी स्कूलों कि मनमानी चल रही हैं। शिक्षा विभाग द्वारा हर साल निजी स्कूलों कों स्पष्ट निर्देश दिया जाता है कि वे निजी प्रकाशकों कि जगह एनसीईआरटी की किताबो से पढाई करवाए लेकिन आज तक इस निर्देश का पालन नही किया गया हैं इस साल भी शिक्षा विभाग से यह निर्देश जारी किया गया है। इसके बावजूद स्कूलों में छात्रों से निजी प्रकाशकों की किताबें मंगवाई जा रही है। यहीं नहीं कई किताबों कि जरूरत ही नही हैं। नर्सरी से पांचवी तक कम्प्यूटर, मोरल साइंस, जीके, ड्राइंग जैसी किताबों कि जरूरत नही पडती है, लेकिन स्कूल संचालकों द्वारा इन किताबों कों मंगवाया जा रही हैं। इन किताबों में ही पालकों को डेढ से दो हजार रूपए खर्च करना पड रहा है। पहले भी पालकों द्वारा ऐसे मामलों में शिकायत की गई थी, लेकिन स्कूल संचालकों पर कोई कार्यवाई नहीं हुई, उल्टे पालकों को शिकायत करने का खामियाजा भुगतना पडा। स्थिति को देखते हुए अब पालक भी शिकायत करने सामने नहीं आ रहे हैं। सस्ती होने का मतलब यह नहीं हैं कि एनसीईआरटी की किताबे अच्छी नहीं होती हैं। इन किताबों का लेखन गोल्ड मेडलिस्ट लेखक गोल्ड मैडलिस्ट लेखक करते है। जिन्हे संबंधित विषयों में महारथ हासिल हैं। इसके बाद भी निजी स्कूलों द्वारा इन किताबों की अनदेखी कि जाती हैं। सूत्रों के अनूसार निजी प्रकाशकों की सेटिंग निजी स्कूलों से हैं। जो अपनी किताबों से पढाई के एवज में स्कूल को मोटी रकम देते है। कई स्कूल तो ऐसे है, जो कापियों पर भी अपना नाम प्रकाशित कर बेचते है। नया शिक्षण सत्र 1 अप्रेल से शुरू हो गया हैं, जबकि शिक्षा विभाग ने आदेश विलंब से निकाला है। ऐसे में आदेश निकालने से पहले ही कई स्कूलों ने पालकों से निजी प्रकाशकों की किताबें मंगा ली है। ऐसें में इन किताबों को लौटाना संभव भी नही है। उधर पांचवी से आठवीं तक कई कक्षाओं का सिलेबस भी चेंज हुआ है, जिनकी किताबे अभी छपकर नहीं आई है।

किताबों की बढ़ती कीमतों से अभिभावकों पर बढ़ता आर्थिक बोझ

एनसीईआरटी की तुलना में निजी प्रकाशकों की किताबें कई गुना महंगी हैं। क्लास 1 से 8 वीं तक एनसीईआरटी कह किताबें 65 से 70 रू. आती है, जबकि निजी प्रकाशकों की किताबें 300-400 रू. में मिलती है। एनसीईआरटी की ड्राइंग कि बुक 50-60 रू. में आती है, जबकि निजी प्रकाशकों की ड्राईंग बुक 300 रूं. से अधिक है। जानकारी के अनुसार इस साल निजी प्रकाशकों कि किताबें और महंगी हुई है। नर्सरी से आठवीं तक की जों किताबें ढाई से तीन हजार में मिलती थी, अब उनकी कीमत तीन से चार हजार हो गई है। सीबीएसई बोर्ड संचालित स्कुलों में सिर्फ एनसीईआरटी की किताबें चलाने के लिए कलेक्टर सर ने आदेश जारी किया है। जिन स्कुलों में सीजी बोर्ड संचालित है, वहां पर सीजी बोर्ड की किताबें चलेंगी। निजी प्रकाशकों की किताब के लिए यदि दबाव बनाया जाता है तों कार्रवाई होगी।

एल.पी. डाहिरे, जिला शिक्षा अधिकारी

न्यूज गैलरी

13 वर्षीय बालक के अंपेडिक्स का सफल ऑपरेशन

मुंगेली/नवप्रदेश। जिला चिकित्सालय ने एक बार फिर अपनी चिकित्सा दक्षता का परिचय देते हुए एक 13 वर्षीय बालक की जान बचाने में महत्वपूर्ण सफलता हासिल की। डॉक्टरों की तत्परता और टीमवर्क ने 13 वर्षीय बालक को नया जीवन दिया। जिले के ग्राम खेरवार निवासी 13 वर्षीय बालक को तेज बुखार और असहनीय पेट दर्द के साथ गंभीर अवस्था में जिला चिकित्सालय में लाया गया। परिजनों के चेहरे पर चिंता साफ झलक रही थी। प्रारंभिक जांच और सोनोग्राफी में स्थिति बेहद गंभीर पाई गई। बालक का अपेंडिक्स फट चुका था, जो जानलेवा साबित हो सकता था। समय की नाजुकता को समझते हुए चिकित्सकों ने बिना देरी किए ऑपरेशन का निर्णय लिया। शल्य विशेषज्ञ डॉ. ए.एस. मांझी, निश्चेतना विशेषज्ञ डॉ. राजेश कुमार बेलदार एवं शल्य विशेषज्ञ डॉ. आयुषी गोयल की अनुभवी टीम ने ऑपरेशन थिएटर में कुशलता और समन्वय के साथ जटिल सर्जरी को सफलतापूर्वक अंजाम दिया। कई घंटों की मेहनत के बाद ऑपरेशन सफल रहा और बालक की जान बचा ली गई। आज बालक पूरी तरह खतरे से बाहर है और तेजी से स्वस्थ हो रहा है। सिविल सर्जन डॉ. एम.के. राय ने बताया कि 'हमारा उद्देश्य मरीजों को बेहतर और समय पर इलाज उपलब्ध कराना है। बालक के परिजनों की आंखों में अब राहत और खुशी है। उन्होंने भावुक होकर डॉक्टरों और अस्पताल स्टाफ का आभार जताया।

सेतगंगा में शिव शक्ति रूद्र महायज्ञ व श्रीमद भागवत कथा का शुभारंभ

मुंगेली/नवप्रदेश। ग्राम सेतगंगा में श्री शिव शक्ति रूद्र महायज्ञ एवं सरस संगीतमयी श्रीमद भागवत कथा का आयोजन 21 अप्रेल से प्रारम्भ किया गया है। 23 अप्रेल को प्रातः काल 8 बजे भव्य कलश यात्रा निकाली जाएगी। आयोजन समिति के अनुसार श्रीमद भागवत कथा प्रति दिन शाम 4 बजे से 7 बजे तक होगी। कथावाचक बालव्यास पं. भोलेश्वर महराज है। यज्ञ आचार्य काशी के वैदिक विद्वानों द्वारा संपन्न कराया जायेगा। 23 अप्रेल से रात्रि कालीन अंतरराष्ट्रीय राम लीला का आयोजन भी किया जायेगा।

कलेक्टर ने किया जिला कोषालय का वार्षिक निरीक्षण

मुंगेली/नवप्रदेश। कलेक्टर ने आज कलेक्टोरेट स्थित जिला कोषालय का वार्षिक निरीक्षण कर वित्तीय प्रबंधन एवं अभिलेख संधारण की व्यवस्थाओं का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने कोषालय के स्ट्रांग रूम में सुरक्षित रखे स्टाम्प एवं टिकटों का परीक्षण किया तथा विभिन्न प्रकार के रजिस्टरों का अवलोकन कर आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। कलेक्टर ने कोषालय की कार्यप्रणाली में पारदर्शिता, सुरक्षा एवं सुव्यवस्थित अभिलेख संधारण सुनिश्चित करने पर विशेष जोर दिया। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि सभी प्रक्रियाएं निर्धारित नियमों के अनुरूप संचालित हों तथा अभिलेखों को नियमित रूप से अद्यतन किया जाए। जिला कोषालय अधिकारी ने बताया कि छत्तीसगढ़ कोषालय संहिता के अनुसार कलेक्टर द्वारा वर्ष में एक से दो बार कोषालय का निरीक्षण किया जाता है। इस दौरान संबंधित विभागीय अधिकारी-कर्मचारी मौजूद रहे।

ट्रांसफार्मर से लगी आग, घोरपुरा में कोठार तक पहुंचा हादसा

मुंगेली/नवप्रदेश। ग्राम घोरपुरा के बस्ती में दोपहर 3-4 बजे ट्रांसफार्मर से वहां लगे खेत के घास फूंस में अचानक आग लग गई। जो हवा से फैलते हुए राजकुमार सिंह के कोठार में तेजी से पहुंच गया। जिससे करीब 20 ट्राली पैरा व 10 ट्राली भूसा जलकर खाक हो गया। आग लगने की सूचना पुलिस कंट्रोल रूम, राजस्व हल्का पटवारी व बिजली विभाग को दिया गया है लेकिन फायर ब्रिगेड मौके पर समय पर नही पहुंचा।

स्टेडियम में उत्साहपूर्ण आयोजन बच्चों में दिखा खास जोश

मुंगेली/नवप्रदेश। शासन द्वारा खिलाड़ियों को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से लगातार प्रयास किया जा रहा है। इसी कड़ी में खेल विभाग मंत्री एवं उपमुख्यमंत्री के निर्देशानुसार कलेक्टर के मार्गदर्शन में जिले में संचालित पंजीकृत संस्था सनराइज क्रिकेट अकादमी को आधुनिक खेल सामग्री किट का वितरण किया गया, इससे जिले में खेल प्रतिभाओं को नया मंच मिलेगा। यह कार्यक्रम डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी स्टेडियम में आयोजित हुआ। खेल सामग्री वितरण से बच्चों में खासा उत्साह नजर आया। खिलाड़ियों और खेल प्रेमियों की उपस्थिति ने आयोजन को उत्साहपूर्ण बना दिया।

कलेक्टर ने कार्यक्रम के दौरान क्रिकेट बॉलिंग मशीन, हेलमेट, बैट, बॉल, नेट सहित विभिन्न आवश्यक खेल सामग्रियों का वितरण किया। उन्होंने कहा कि राज्य शासन द्वारा खेलों के विकास और खिलाड़ियों को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए लगातार योजनाएं संचालित की जा रही हैं। उन्होंने कहा कि खेल न केवल शारीरिक विकास का माध्यम है, बल्कि यह अनुशासन, आत्मविश्वास और टीम भावना का भी निर्माण करता है। कलेक्टर ने आगे कहा कि ग्रामीण और छोटे शहरों में छिपी प्रतिभाओं को आगे लाने के लिए इस प्रकार की योजनाएं अत्यंत महत्वपूर्ण हैं। शासन का उद्देश्य है कि हर बच्चे को खेल के क्षेत्र में आगे बढ़ने का समान अवसर मिले और वे राज्य एवं राष्ट्रीय स्तर पर जिले का नाम रोशन करें। उन्होंने बच्चों को नियमित अभ्यास करने, खेल भावना बनाए रखने और अपने लक्ष्य के प्रति समर्पित रहने के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम में मौजूद क्रिकेट अकादमी के संचालक ने शासन और जिला प्रशासन का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि इस खेल सामग्री से बच्चों को बेहतर प्रशिक्षण मिलेगा और उनके प्रदर्शन में सुधार आएगा। उन्होंने बताया कि बॉलिंग मशीन जैसे आधुनिक उपकरण से खिलाड़ियों को प्रतिस्पर्धात्मक स्तर पर फायदा मिलेगा। इससे जिले में क्रिकेट के प्रति रुचि और अधिक बढ़ेगी तथा प्रतिभाशाली खिलाड़ियों को आगे आने का अवसर मिलेगा। खेल सामग्री मिलने के बाद बच्चों के चेहरों पर खुशी साफ झलक रही थी। कई बच्चों ने उत्साहपूर्वक तुरंत अभ्यास भी शुरू कर दिया। अभिभावकों ने भी इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि इससे उनके बच्चों को बेहतर सुविधा और मार्गदर्शन मिलेगा, जिससे वे अपने सपनों को साकार कर सकेंगे। कार्यक्रम के अंत में उपस्थित जनप्रतिनिधियों एवं अधिकारियों ने भी खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन किया और भविष्य में इसी तरह की योजनाओं के माध्यम से जिले में खेल गतिविधियों को और गति देने की बात कही।

पालचुवा में स्कूल भवन पर बुलडोजर से हमला

मुंगेली/नवप्रदेश।-जिले के ग्राम पालचुवा में बीती रात अज्ञात व्यक्तियों ने स्कूल भवन पर बुलडोजर चलाकर उसे बुरी तरह क्षतिग्रस्त कर दिया। यह वारदात देर रात उस समय अंजाम दी गई, जब पूरा गांव गहरी नींद में था और सन्नाटा पसरा हुआ था।

कोतवाली थाना क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले प्राथमिक एवं मिडिल स्कूल के कई कमरों को इस घटना में गंभीर नुकसान पहुंचा है। स्कूल की दीवारें और संरचनाएं बुरी तरह टूट-फूट गई हैं, जिससे आने वाले दिनों में बच्चों की पढ़ाई पर सीधा असर पड़ने की आशंका जताई जा रही है। ग्रामीणों और शिक्षकों में भारी आक्रोश घटना की जानकारी मिलते ही गांव में हड़कंप मच गया। सुबह जब शिक्षक और ग्रामीण स्कूल पहुंचे, तो क्षतिग्रस्त भवन को देखकर सभी स्तब्ध रह गए। लोगों ने इस कृत्य को ÷शिक्षा के मंदिर÷ पर हमला बताते हुए कड़ी निंदा की है। सुरक्षा व्यवस्था पर उठे सवाल इस घटना ने स्कूलों की सुरक्षा व्यवस्था पर भी गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। ग्रामीणों का कहना है कि जब एक स्कूल ही सुरक्षित नहीं है, तो बच्चों का भविष्य कैसे सुरक्षित रहेगा?

सख्त कार्रवाई की मांग- जेसीबी जब्त करने की बात ग्रामीणों और शिक्षकों ने दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग करते हुए कहा है कि इस घटना में इस्तेमाल किए गए जेसीबी वाहन को राजसात किया जाएं, ताकि भविष्य में कोई ऐसी हरकत करने की हिम्मत न कर सके। प्रशासन के पाले में मामला फ्लिहाल पूरे मामले की जानकारी उच्च अधिकारियों तक पहुंचा दी गई है।

पीआईसी गठन को लेकर विवाद: नियमों के उल्लंघन का आरोप

मुंगेली/नवप्रदेश।-भारतीय जनता पार्टी जिला अध्यक्ष एवं वरिष्ठ नेताओं के द्वारा पत्रकार वार्ता किया और यह कहा कि पीआईसी के गठन का अधिकार नगर पालिका अध्यक्ष का है। पीआईसी गठन में अनियमितता एवं त्रुटि होने से तथा बिना सहमति के पीआईसी सदस्य नियुक्त करने के कारण सदस्यों ने इस्तीफा दिया। अध्यक्ष रोहित शुक्ला द्वारा नगर पालिका अधिनियम के नियमों का पालन नहीं किया गया।नगर पालिका अध्यक्ष रोहित शुक्ला द्वारा लगाये गये आरोप की विभागीय मंत्री और प्रदेश के उपमुख्यमंत्री अरुण साव द्वारा भेदभाव पूर्वक नोटिस भेज कर उनको पद से हटाने की दुर्भावना पूर्वक कार्यवाही की जा रही है। इसके विरोध में आज भारतीय जनता पार्टी जिला अध्यक्ष एवं वरिष्ठ नेताओं के द्वारा पत्रकार वार्ता किया और यह कहा कि पीआईसी के गठन का अधिकार नगर पालिका अध्यक्ष का है। पीआईसी गठन में अनियमितता एवं त्रुटि होने से तथा बिना सहमति के पीआईसी सदस्य नियुक्त करने के कारण सदस्यों ने इस्तीफा दिया। अध्यक्ष रोहित शुक्ला द्वारा नगर पालिका अधिनियम के नियमों का पालन नहीं किया गया। इस कारण से मुख्य नगर पालिका अधिकारी द्वारा शासन को भेजी गई जानकारी के आधार पर नगर पालिका अध्यक्ष को नोटिस जारी किया गया है।

पांडुलिपियों की जानकारी देकर बचाएं सांस्कृतिक धरोहर

मुंगेली/नवप्रदेश। केंद्र सरकार के मार्गदर्शन में संचालित ÷ज्ञान भारतम÷ कार्यक्रम के तहत जिले में प्राचीन पांडुलिपियों के संरक्षण, पहचान एवं सूचीकरण के लिए विशेष पहल की जा रही है। इसी संबंध में आज मुख्य सचिव विकासशील ने विडियो कांफ्रेंसिंग के माध्यम से बैठक लेकर कार्यक्रम की प्रगति की समीक्षा करते हुए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। बैठक में उन्होंने बताया कि पांडुलिपियां हस्तलिखित मूल दस्तावेज होते हैं, जो ताड़ पत्र, धातु पत्र एवं अन्य माध्यमों पर लिखे गए होते हैं। ये प्राचीन ज्ञान, इतिहास, संस्कृति एवं पारंपरिक विरासत के महत्वपूर्ण स्रोत हैं, जिनके संरक्षण से न केवल इतिहास को समझने में सहायता मिलती है, बल्कि सांस्कृतिक समृद्धि की जानकारी भी प्राप्त होती है। इस अवसर पर जिला कलेक्टोरेट स्थित एनआईसी कक्ष में कलेक्टर कुन्दन कुमार ने कहा कि ÷ज्ञान भारतम÷ कार्यक्रम के अंतर्गत राष्ट्रीय पांडुलिपि सर्वेक्षण प्रारंभ किया गया है, जिसके माध्यम से सदियों पुराने दस्तावेजों की खोज, पहचान एवं व्यवस्थित सूचीकरण का कार्य किया जा रहा है। उन्होंने इस पहल को जिले के लिए महत्वपूर्ण बताते हुए कहा कि यह हमारी सांस्कृतिक धरोहर को संरक्षित करने का एक सशक्त माध्यम है। कलेक्टर ने जिलेवासियों से अपील की कि यदि उनके पास या उनकी जानकारी में किसी व्यक्ति के पास प्राचीन पांडुलिपियां उपलब्ध हों, तो उनकी जानकारी प्रशासन को प्रदान करें।

पेज 1 का शेष...

तीन दशक बाद लौटे मांदर...

पहचाने जाते थे, इन गांवों में अब मांदर की थाप और उत्सव की लय लौट रही है।

बस्तर संभाग के सुकमा जिले में कोंटा ब्लॉक के छोटे से गांव भेज्जी में 16 से 18 अप्रैल के बीच करीब तीन दशक बाद पारंपरिक मेले का आयोजन हुआ। यह मेला सिर्फ एक आयोजन नहीं, बल्कि बस्तर के रहवासियों के लिए उस जीवनशैली की वापसी थी जो वर्षों से बाधित थी। मेले में हजारों आदिवासी ग्रामीण बिना किसी भय के जुटे। उन्होंने उत्साह के साथ पारंपरिक अनुष्ठान और सांस्कृतिक कार्यक्रमों में भाग लिया। लंबे समय बाद यहां गांवों में गीत और मांदर की थाप गूंजी। इससे एक सप्ताह पहले दंतेवाड़ा के दोरनापाल में भी 2005 के बाद पहली बार पारंपरिक मेले में बड़ी संख्या में लोगों की भागीदारी देखी गई।

भेज्जी कभी बस्तर के उन इलाकों में शामिल था जो माओवादी हिंसा से सबसे अधिक प्रभावित रहे। 1998 के बाद उग्रवादियों के फरमानों के चलते सार्वजनिक आयोजन लगभग बंद हो गए थे। मेलों का आयोजन रुक गया और गांवों के बीच आवाजाही सीमित हो गई। आलम यह था कि शाम होते ही क्षेत्र में सन्नाटा छा जाता था और लोग घरों से बाहर निकलने से कतराते थे। हालात ऐसे थे कि किसी पारंपरिक अनुष्ठान के आयोजन की बात करना भी मुश्किल हो गया था।

बावजूद इसके ग्रामीणों ने अपनी सदियों पुरानी आस्था को पूरी तरह खत्म नहीं होने दिया। वे हर साल अपने स्थानीय देवता कोर्राज देव की पूजा करते रहे, हालांकि यह सब चुपचाप और बिना किसी भीड़-भाड़ के होता था। इसी तरह परंपराएं किसी तरह जीवित रखी गईं। समय के साथ एक पूरी पीढ़ी ऐसी तैयार हुई जिसने किसी त्योहार को मनाने का कोई अनुभव ही नहीं किया। त्योहार आते और जाते रहे, लेकिन उनमें पहले जैसी सामूहिक उत्साह नहीं रहा।

3 दिवसीय मेले में 138 गांव के लोग हुए शामिल

पिछले सप्ताह कोर्राज देव के स्थल पर तीन दिवसीय मेले का आयोजन हुआ, जिसमें लगभग 138 गांवों के लोग शामिल हुए। हजारों ग्रामीण अपने-अपने देवताओं के प्रतीक और पालकियां लेकर पहुंचे। कई लोगों ने घने जंगलों के रास्तों से लंबी दूरी तय कर इस आयोजन में भाग लिया। इस मेले में एक अलग ही माहौल नजर आ रहा था। पुरुष, महिलाएं, बच्चे और बुजुर्ग सभी बिना झिझक और भय के एक साथ जुटे। कई लोगों के लिए यह ऐसा अनुभव था जैसे वे लंबे समय बाद अपनी पुरानी जिंदगी में लौट रहे हों।

मेले में दिखी खुशी और राहत की बदलाव

स्थानीय लोगों के अनुसार अब दैनिक जीवन में भी बदलाव साफ दिख रहा है। एक समय था जब एक गांव से दूसरे गांव जाने के लिए भी माओवादी समूहों की अनुमति लेनी पड़ती थी। सामाजिक आयोजनों को हतोत्साहित किया जाता था और त्योहारों के दौरान लोग घरों में ही सीमित रहते थे। लेकिन अब हालात बदल रहे हैं। दूर-दराज के गांवों के लोग फिर से मिल रहे हैं, एक-दूसरे को गले लगा रहे हैं और बिना डर के अपनी परंपराओं में भाग ले रहे हैं। मेले में दिखी खुशी और राहत इस बदलाव की गहराई को दर्शाती है।

सीएम साय की पहल पर...

उद्देश्य से उन्हें राशन कार्ड, आधार कार्ड सहित अन्य आवश्यक दस्तावेज सुगमता से उपलब्ध कराए जा रहे हैं। इसी क्रम में बेहतर स्वास्थ्य सेवाओं से जोड़ने के लिए आयुष्मान कार्ड भी बनाए जा रहे हैं, जिससे वे आर्थिक चिंता के बिना इलाज करा सकें।

आयुष्मान योजनाओं से व्यापक स्वास्थ्य सुरक्षा

जिला चिकित्सालय बीजापुर में आयोजित कार्यक्रम में पुनर्वासित युवाओं को आयुष्मान कार्ड प्रदान किए गए। इस कार्ड के माध्यम से विभिन्न स्वास्थ्य योजनाओं के तहत उन्हें बड़ा लाभ मिलेगा-

प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना एवं शहीद वीर नारायण सिंह आयुष्मान स्वास्थ्य योजना के अंतर्गत

बीपीएल परिवारों को 5 लाख रुपये तक का निशुल्क इलाज

एपीएल परिवारों को 50 हजार रुपये तक का इलाज लाभ

मुख्यमंत्री विशेष स्वास्थ्य सहायता योजना के अंतर्गत

दुर्लभ एवं गंभीर बीमारियों के लिए 25 लाख रुपये तक की मुफ्त चिकित्सा सहायता

साथ ही लाभार्थियों को योजनाओं के उपयोग और प्रक्रिया की विस्तृत जानकारी भी दी गई।

पश्चिम बंगाल में पहले....

दारोमदार मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के कंधों पर है। भाजपा के लिए प्रधानमंत्री मोदी, केंद्रीय मंत्री अमित शाह, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, शिवराज सिंह चौहान और पार्टी के अध्यक्ष नितिन नवीन और पश्चिम बंगाल विधानसभा में विपक्ष के नेता शुभेंदु अधिकारी ने धुआंधार प्रचार किया है। कांग्रेस और वामपंथी दलों के नेताओं ने भी अपने उम्मीदवारों के लिए चुनाव प्रचार किया है। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने चुनाव सभाओं को संबोधित किया।

मिर्जापुर में हादसा-11 मौतें...

पर चीख पुकार मच गई। आसपास के लोग मदद के लिए आए, लेकिन आग तेज होने की वजह से कोई पास नहीं जा पाया। लोग अंदर ही फंसे रहे। बाद में पुलिस और फायर ब्रिगेड की मदद से आग पर काबू पाया गया। शव इतनी बुरी तरह से जल गए थे कि उन्हें पहचानना मुश्किल हो गया। परिवार मैहर से 8 साल के बेटे का मुंडन कराकर लौट रहा था। इसके अलावा स्विफ्ट कार के ड्राइवर और ट्रॉले के क्लीनर की भी मौत हो गई। हादसा ड्रमडगंज थाना क्षेत्र में हुआ। एसपी अपर्णा रजत कौशिक ने बताया कि बोलेरो सवार सभी लोग जिगना थाना के नरैना गांव (मिर्जापुर) के रहने वाले थे। पुलिस और फायर ब्रिगेड की टीम मौके पर पहुंची और रेस्क्यू किया।

महिला सरपंच के नेतृत्व में...

स्रोत बनता जा रहा है। ग्राम सभा ने अपने संवैधानिक अधिकारों का उपयोग करते हुए गांव की सीमा के भीतर शराब की बिक्री, परिवहन और भंडारण पर पूर्ण प्रतिबंध लागू किया। सिर्फ शराब ही नहीं, बल्कि गांजा और अन्य नशीले पदार्थों की बिक्री पर भी रोक लगाई गई, जिससे गांव का माहौल पूरी तरह बदल गया है। महिला सरपंच के नेतृत्व में यह अभियान लगातार मजबूत हो रहा है।

पंचायत, समिति और ग्रामीणों की संयुक्त भूमिका

इस पहल की खास बात यह है कि इसमें सिर्फ पंचायत ही नहीं, बल्कि ग्राम विकास समिति, युवा वर्ग और महिलाओं ने भी मिलकर जिम्मेदारी निभाई। सभी ने एकजुट होकर यह सुनिश्चित किया कि गांव में कोई भी व्यक्ति नियमों का उल्लंघन न करे।

अब और सख्ती: घर-घर निगरानी की तैयारी

सरपंच श्रीमती तारा दर्रो ने बताया कि ग्राम पंचायत अब इस व्यवस्था को और मजबूत करने की दिशा में कदम बढ़ा रही है। आगामी ग्राम सभा में एक निगरानी टीम गठित करने का प्रस्ताव है, जो घर-घर जाकर जांच करेगी। यह सुनिश्चित करेगी कि कहीं चोरी-छिपे शराब की बिक्री तो नहीं हो रही है।

राष्ट्रगान से होती है दिन...

है। 18 वर्ष की आयु पूरी होने पर यह राशि बढ़कर 40 से 50 हजार रुपये तक हो जाती है, जिसे शिक्षा या विवाह में उपयोग किया जा सकता है। साथ ही 'सरपंच कन्या आशीर्वाद योजना' के तहत बेटियों के विवाह पर 2 हजार रुपये का उपहार भी दिया जाता है।

करीब 12 साल पहले नशाखोरी से परेशान ग्रामीणों ने पंचायत में बैठक कर नशा मुक्ति अभियान शुरू किया। इसके बाद धीरे-धीरे पूरे गांव ने नशे से दूरी बना ली। आज स्थिति यह है कि गांव में बीड़ी-सिगरेट तक की बिक्री पूरी तरह प्रतिबंधित है। नियम तोड़ने वालों पर 21 हजार रुपये का जुर्माना लगाया जाता है।

गांव के विकास में पंचायत के साथ-साथ ग्रामीणों की भी बराबर भागीदारी है। लोग नियमित रूप से मकान टैक्स, जलकर, बिजली बिल, स्वच्छता और व्यापार टैक्स जमा करते हैं, जिससे गांव में ही विकास कार्य होते हैं। साफ-सफाई और स्वच्छता को लेकर भी ग्रामीण बेहद सजग हैं। युवा और महिलाएं मिलकर नियमित रूप से सफाई अभियान चलाते हैं। गांव के हर घर का बाहरी हिस्सा हरे रंग से रंगा हुआ है, जो इसकी एक अलग पहचान बन चुका है।

सपोस का आश्रित गांव गबोद 'ग्रीन गबोद' के नाम से प्रसिद्ध है। पर्यावरण संरक्षण के प्रति भी यहां के लोग बेहद जागरूक हैं। गांव के पास फैले करीब 200 हेक्टेयर जंगल की सुरक्षा ग्रामीण स्वयं करते हैं, जो आज घने और हरे-भरे जंगल में तब्दील हो चुका है। कुल मिलाकर, सपोस गांव ने यह साबित कर दिया है कि सामूहिक प्रयास, अनुशासन और जागरूकता से किसी भी गांव की तस्वीर बदली जा सकती है।

कार्य में लापरवाही पर निगम आयुक्त का एक्शन, 10 कार्यों के 8 ठेकेदारों को किया गया ब्लैक लिस्टेड

■ लेटलतीफी और गुणवत्ता से समझौता नहीं होगा : आयुक्त

रायगढ़। निगम आयुक्त श्री बृजेश सिंह क्षत्रिय द्वारा पिछले 6 माह में कार्यों में लापरवाही, गुणवत्ता में कमी एवं कार्यों पर लेटलतीफी बरतने पर 10 कार्यों के 8 ठेकेदारों को ब्लैकलिस्टेड करने की कार्रवाई की गई। आयुक्त के इस कार्रवाई में वेस्ट मैनेजमेंट, सड़क निर्माण, नाली, उद्यान एवं भवन निर्माण जैसे महत्वपूर्ण कार्य शामिल हैं।

सीजी वेस्ट प्राइवेट लिमिटेड रायपुर को वेस्ट मैनेजमेंट के अंतर्गत हाइड्रोलिक बेलिंग, ट्रॉमल यूनिट एवं अन्य संयंत्र स्थापना कार्य में लापरवाही के कारण ब्लैकलिस्ट किया गया। इसी तरह मेसर्स बालाजी कंस्ट्रक्शन, रायगढ़ (प्रो. तुलसी प्रसाद साहू) को वार्ड क्रमांक 48 कृष्णा वाटिका में सामुदायिक भवन निर्माण कार्य में अनियमितता पाए जाने पर कार्रवाई की गई। कान्हा कंस्ट्रक्शन, सक्ती (प्रो. कन्हैया सोनी) द्वारा संजय मैदान विकास कार्य, वार्ड क्रमांक 40 सुभाष

नगर कॉलोनी कोतरा रोड में सीसी रोड निर्माण कार्य में कमी पाए जाने पर, यशराज स्टील रायगढ़ (प्रो. लीलाधर यादव), मेसर्स शिवा इंटरप्राइजेज, रायपुर (प्रो. कृष्णा त्रिपाठी) को संजय मैदान एवं कमला नेहरू उद्यान विकास कार्य में लापरवाही, सड़क मरम्मत कार्यों में अनियमितता पाए जाने पर कृष्णा बिल्डकॉन प्रा. लि. रायगढ़ (प्रो. अनिल केडिया) को वार्ड क्रमांक 47 के दो अलग-अलग बीटी रोड मरम्मत कार्यों में दोषी पाए जाने पर, मेसर्स एस.एम. कंस्ट्रक्शन, रायगढ़ (प्रो. शेख अजीज नियारिया) को वार्ड क्रमांक 44 में आरसीसी नाली निर्माण कार्य में गुणवत्ता की कमी, स्वच्छ भारत मिशन (शहरी) 2.0 अंतर्गत केवड़ाबाड़ी बस स्टैंड में 10 सीटर टॉयलेट ब्लॉक निर्माण कार्य में लापरवाही पाए जाने पर मुकुल मन्नत कंस्ट्रक्शन, रायगढ़ (प्रो. मुकेश कुमार सिंह) को ब्लैक लिस्टेड करने की कार्रवाई की गई। सभी फर्म एवं ठेकेदारों को ब्लैकलिस्टेड करने के साथ उनके द्वारा जमा किए गए ईएमडी, बैंक गारंटी आदि को भी राजसात किया गया।

लेटलतीफी और गुणवत्ता से समझौता नहीं होगा : क्षत्रिय

निगम आयुक्त श्री क्षत्रिय ने स्पष्ट किया है कि पिछले 6 माह में की गई यह कार्रवाई एक संदेश है कि शहर के विकास कार्यों में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने कहा कि ब्लैकलिस्ट किए गए ठेकेदार भविष्य में समयावधि के भीतर किसी भी शासकीय निविदा में भाग नहीं ले सकेंगे। उन्होंने कहा कि नागरिकों को बेहतर और टिकाऊ मूलभूत सुविधाएं सुनिश्चित की जा सकें। इसके लिए निगम क्षेत्र में चल रहे सभी कार्यों की सतत निगरानी की जा रही है। गुणवत्ता से किसी भी तरह से समझौता नहीं किया जाएगा। इसमें संबंधित इंजीनियर को भी उनके वार्डो में चल रहे कार्यों की सतत निगरानी करने के साथ निर्माण कार्यों में उपयोग किया जा रहे मटेरियल की जांच एवं लैब टेस्ट सहित सभी प्रोटोकॉल का पालन करने के निर्देश दिए गए हैं। इसमें यदि लापरवाही पाई गई तो संबंधित के विरुद्ध भी सख्त कार्रवाई की जाएगी।

न्यूज गैलरी

नगर निगम भिलाई ने चलाया जल शुद्धिकरण अभियान

भिलाईनगर। नगर पालिक निगम भिलाई के जोन-2 वैशाली नगर वार्ड 24 हाउसिंग बोर्ड स्थित फौजी नगर क्षेत्र में जल शुद्धिकरण को लेकर विशेष अभियान चलाया जा रहा है। अभियान के तहत गणेश मंच एवं शीतला मंदिर मोहल्ले के कुओं में ब्लीचिंग पाउडर का घोल डालकर पानी को शुद्ध किया जा रहा है। विभागीय टीम द्वारा क्षेत्र के लगभग 125 घरों का सर्वेक्षण किया गयाए जिसमें 35 घरों में कुएं पाए गए। इन सभी कुओं में ब्लीचिंग पाउडर डालकर जल शुद्धिकरण का कार्य कराया गया। साथ ही नागरिकों को जलजनित बीमारियों से बचाव के लिए आवश्यक समझाइश भी दी गई। जन स्वास्थ्य विभाग ने नागरिकों को सलाह दी है कि कुएं के पानी का उपयोग केवल निस्तारी कार्यों में करें तथा पीने के लिए नल के पानी को छानकर और उबालकर ही इस्तेमाल करें। इसके अलावा सड़े-गले फल एवं दूषित खाद्य पदार्थों के सेवन से बचने की हिदायत दी गई है। गर्मी के मौसम को ध्यान में रखते हुए लोगों को लू से बचाव के उपाय अपनाने की भी सलाह दी गई है। जैसे तेज धूप में बाहर निकलते समय गमछा या टोपी पहनें तथा अधिक मात्रा में तरल एवं ताजे पेय पदार्थों का सेवन करें। इस अभियान के माध्यम से विभाग द्वारा नागरिकों को स्वच्छ जल के उपयोग एवं स्वास्थ्य के प्रति जागरूक करने का प्रयास किया जा रहा है।

मैत्री विद्या निकेतन के विद्यार्थियों का जेईई एडवांस के लिए चयन

भिलाई। मैत्री विद्या निकेतन रिसाली ने व्यवसायिक मंडल परीक्षा 2026 के जेईई मेन्स में अथर्व ठाकुर ने 99.97 परसेंटाईल से ऑल इंडिया रैंक 445 प्राप्त कर जेईई एडवांस के लिए चयनित हुआ। इसके आलावा मोनिष कुमार साहू ने 99.62, आदित्य कैमल ने 99.41, जयस अग्रवाल ने 97.34, अतुल्य पटेल ने 94.83, पंकज ने 94.4, चित्रांश वर्मा ने 90.95 और निखिल कुमार साहू ने 90.84 परसेंटाईल प्राप्त कर जेईई एडवांस के लिए चयनित हुए हैं। उनकी सफलता और कड़ी मेहनत के लिए विद्यालय की अध्यक्षा श्रीमती के. राजम सुधाकरन, निदेशक श्री एस. सजीव और श्री एस. साजन, निदेशक एवं प्राचार्या डॉ. सजीता थंबी, उप-प्राचार्या डॉ. बीना सजीव, प्रधान अध्यापक श्रीमती निशि साजन सहित सभी शिक्षकों एवं विद्यालय परिवार ने छात्रों को उनके शानदार प्रदर्शन के लिए हार्दिक बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दीं।

नशे के खिलाफ पुलिस की बड़ी कार्रवाई

दुर्ग। जिले में नशे के खिलाफपुलिस की कार्रवाई लगातार जारी है। सिटी कोतवाली और उतई थाना पुलिस ने अलग-अलग जगहों पर दबिश देकर गांजा और अवैध शराब की तस्करी कर रहे आरोपियों को गिरफ्तार किया है। दोनों मामलों में आरोपियों के खिलाफकानूनी कार्रवाई कर उन्हें कोर्ट में पेश किया गया। पहला मामला सिटी कोतवाली थाना क्षेत्र का है। यहां बुधवार को नयापारा चौक के पास वाहन चेकिंग के दौरान पुलिस को तलाशी लेने पर उमेश यादव उर्फ दादू (20 साल), निवासी शिवपारा दुर्ग के पास से प्लास्टिक में रखे तीन पैकेट मिले, जिनमें गांजा भरा हुआ था। जिसकी कुल 2.176 किलोग्राम गांजा बरामद किया गया, जिसकी कीमत करीब 1 लाख 8 हजार 800 रुपए बताई जा रही है। पूछताछ में आरोपी ने बताया कि वह गांजा बेचने के लिए ले जा रहा था। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ मामला दर्ज कर उसे गिरफ्तार कर लिया और कोर्ट में पेश कर न्यायिक रिमांड पर भेज दिया। दूसरी कार्रवाई में उतई थाना पुलिस ने जितेन्द्र कुमार राय (34 साल) और इन्द्रजीत सिंह (55 साल), दोनों निवासी मरौदा को बाइक से अवैध शराब ले जाते जोरातराई रोड, अयंत्रा माता मंदिर के पास घेराबंदी की और संदिग्ध बाइक को रोका। बाइक की तलाशी लेने पर 35 पौवा देशी शराब बरामद हुई। इसकी कीमत करीब 3500 रुपए बताई गई है। पुलिस के मुताबिक दोनों आरोपी गांव में शराब बेचने की तैयारी में थे। पुलिस ने मामला दर्ज कर न्यायिक हिरासत में भेज दिया।

सट्टा-पट्टी लिखते आरोपी गिरफ्तार

भिलाई/नवप्रदेश। सार्वजनिक जगह पर बैठकर सट्टा-पट्टी लिखने वाले आरोपी को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी लोगों से अंकों पर पैसे लेकर दांव लगवा रहा था। सूचना पर पहुंची पुलिस ने आरोपी को रंगे हाथ गिरफ्तार कर लिया है। यह पूरा मामला छावनी थाना क्षेत्र का है। कार्रवाई के बाद आरोपी को विधिवत गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया गया, जहां से उसे न्यायिक रिमांड पर जेल भेज दिया गया है। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार 21 अप्रैल को थाना छावनी क्षेत्र में आदर्श नगर कैम्प 01 स्थित सियान सदन पानी टंकी के सामने एक व्यक्ति खुलेआम सट्टा चला रहा है। सूचना मिलते ही पुलिस टीम ने तुरंत मौके पर पहुंचकर घेराबंदी की और रेड कार्रवाई की। रेड के दौरान आरोपी नौसाद अली (45 वर्ष), निवासी आदर्श नगर कैम्प 01, गोरखनाथ मंदिर के पास, थाना छावनी, जिला दुर्ग को सट्टा-पट्टी लिखते हुए रंगे हाथ पकड़ लिया गया।

9.60 लाख रुपए की नशीले कैप्सूल की खेप बरामद, दो आरोपी गिरफ्तार

जगदलपुर/नवप्रदेश। बस्तर पुलिस अधीक्षक शलभ कुमार सिन्हा के नेतृत्व में बस्तर पुलिस द्वारा नशे के खिलाफचलाए जा रहे अभियान के तहत प्रतिबंधित नशीली केप्सूल बिक्री करने वाले दो आरोपियों को गिरफ्तार करने में बोधघाट थाना पुलिस को बड़ी सफलता मिली है। आरोपियों से 9 लाख 60 हजार रुपए कीमत की कैप्सूल्स की बड़ी खेप बरामद की गई है।

थाना बोधघाट पुलिस को मुखबिर से जानकारी मिली थी कि गंगामुंडा तालाब के किनारे स्थित चौपाटी में दो व्यक्ति बैग में प्रतिबंधित अवैध नशीली दवा

रखकर बिक्री करने के लिए ग्राहक का इंतजार कर रहे हैं। इस सूचना पर पुलिस अधीक्षक शलभ कुमार सिन्हा के निर्देश पर अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक माहेश्वर नाग के मार्गदर्शन एवं नगर पुलिस अधीक्षक श्री सुमीत कुमार डी धोत्रे के पर्यवेक्षण में थाना प्रभारी बोधघाट टामेश्वर चौहान के नेतृत्व में थाना स्टाफ कद्ब विशेष टीम बनाकर सूचना की तस्दीक तथा कार्रवाई करने के लिए टीम को गंगामुंडा तालाब किनारे स्थित चौपाटी के लिए रवाना किया गया। टीम ने मुखबिर के बताए हुलिया वाले दो संदेही व्यक्तियों को पकड़ा। संदेहियों ने अपना नाम पता राजेश यादव पिता लक्ष्मण सिंह यादव उम्र 50 वर्ष निवासी तेतरखूंटी जगदलपुर और मोनू गुप्ता पिता नन्हे लाल गुप्ता उम्र 26 वर्ष निवासी गांधीनगर वार्ड जगदलपुर बताया। उनके बैग की तलाशी लेने पर प्रतिबंधित नशीली केप्सूल्स की कुल 100 स्ट्रिप्स 300 पत्ते कुल 2,400 नग बरामद हुए।

इनकी कुल कीमत 9 लाख 60 हजार रुपए बताई गई है। आरोपियों से 960 रुपए कैश भी जप्त किए गए हैं। आरोपियों के खिलाफ धारा 21(सी) एनडीपीएस एक्ट के तहत मामला दर्ज कर उन्हें गिरफ्तार कर लिया गया। आरोपियों को न्यायिक रिमांड हेतु एनडीपीएस न्यायालय जगदलपुर भेजा गया।

जेसीबी की चपेट में आने से बुजुर्ग महिला की मौत

भिलाई/नवप्रदेश। जिले के उतई थाना क्षेत्र में बुधवार सुबह एक सड़क हादसे में 70 वर्षीय महिला की मौत हो गई। यह घटना तब हुई जब महिला महतारी वंदन योजना के तहत केवाईसी प्रक्रिया पूरी कर घर लौट रही थीं। बोरीगारका गांव निवासी सूरजा बाई साहू (70) दो अन्य महिलाओं के साथ पंचायत भवन से घर जा रही थीं। सुबह करीब 10:30 बजे बोरीडीह मार्ग पर साहू मैरिज पैलेस के पास एक तेज रफ्तार जेसीबी ने उन्हें टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि महिला ने मौके पर ही दम तोड़ दिया।

आरोपी ड्राइवर पुलिस हिरासत में : हादसे में शामिल जेसीबी का ड्राइवर गोविंद निर्मलकर बताया जा रहा है। यह वाहन साहू ट्रेडर्स एंड कंस्ट्रक्शन के संचालक वेदनारायण साहू का है। घटना के बाद मौके पर ग्रामीणों की भीड़ जमा हो गई।

न्यायालय तहसीलदार लखनपुर
जिला-सरगुजा छत्तीसगढ़
ईश्तहार

लखनपुर, दिनॉक 20.04.2026

प्रति.
समस्त ग्रामवासी
ग्राम - सिंगीटाना
तहसील - लखनपुर

एतद् द्वारा आम जनता को सूचित किया जाता है कि आवेदक / आवेदिका बलराम एक्का आ. सुंदर साय निवासी ग्राम सिंगीटाना तहसील लखनपुर के द्वारा अपने पिता स्व. सुंदर साय की मृत्यु दिनाँक 20.6.2020 को हो जाने से (जन्म मृत्यु रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1969 की धारा 13 (3) एवं छ0ग0 जन्म -मृत्यु रिज0 नियम 2001 के नियम 9 (3) के तहत् मृत्यु प्रमाण पत्र हेतु आवेदन इस न्यायालय में प्रस्तुत किया है जिस पर दिनाँक 06.05.26 को सुनवाई की जानी है।

आवेदक/आवेदिका के द्वारा प्रस्तुत आवेदन पर यदि किसी को कोई आपत्ति हो तो वह स्वयं अथवा अपने अभिभाषक के माध्यम से पेशी तिथी 06.05.26 के पूर्व इस न्यायालय में आपत्ति पेश कर सकता है। नियत दिनॉक के पश्चात् प्राप्त होने वाले दावा आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जायेगा।

मुहर

तहसीलदार
लखनपुर,

दो चरणों में चलेगा अभियान, 30 तक लंबित कार्यों का निपटारा

दुर्ग/नवप्रदेश। जिले में 'सुशासन तिहार 2026' के सफल आयोजन हेतु कलेक्टर अभिजीत सिंह ने संबंधित विभागों हेतु आवश्यक दिशा-निर्देश दिए हैं। आयोजन का उद्देश्य जन शिकायतों का त्वरित और पारदर्शी निराकरण करना है। इस अभियान के पहले चरण में 30 अप्रैल 2026 तक लंबित राजस्व मामलों जैसे नामांतरण, बंटवारा, सीमांकन के साथ-साथ मनरेगा मजदूरी भुगतान, विभिन्न प्रमाणपत्रों के जारी करने और बिजली व हैंडपंप सुधार जैसे कार्यों पर विशेष ध्यान दिया जाएगा। इसके साथ ही मनरेगा के अंतर्गत लंबित मजदूरी भुगतान का शीघ्र निपटान करने और विभिन्न हितग्राहीमूलक योजनाओं के लंबित प्रकरणों को हल करने के निर्देश दिए गए हैं।

कार्यालय कार्यपालन अभियंता लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी, खण्ड मुंगेली (छ.ग.)
निविदा आमंत्रण सूचना

निविदा क्र. 01 / ले.शा./का.अ./ लो.स्वा.यां. खण्ड/2026-27, मुंगेली, दिनांक 17.04.2026

एकीकृत पंजीयन प्रणाली अंतर्गत सक्षम श्रेणी में पंजीकृत ठेकेदारों से निविदा क्र. 01 विकासखण्ड लोरमी के ग्राम नवरंगपुर में विभिन्न कार्य के लिए निविदा आमंत्रित की जाती है।

स. क्र.	विवरण	कुल अनुमानित लागत (रू. लाख में)	धरोहर की राशि	निविदा प्रपत्र का मूल्य	कार्य पूर्ण करने अवधि वर्षा ऋतु सहित	ठेकेदार की श्रेणी	निविदा की वैद्यता अवधि
1	विकासखण्ड लोरमी के ग्राम नवरंगपुर में बोड़तरा - पथर्रा -राम्हेपुर - डिंडौरी मुख्य मार्ग चौड़ीकरण के कारण पाईप लाईन विस्थापन एवं 25 नग एफ.एच.टी.सी. लघु निर्माण एवं अन्य लघु निर्माण कार्य के अंतर्गत (डिपाजिट मद) में प्राप्त राशि से पाईप लाईन बिछाने जोड़ने एवं अन्य समस्त सिविल कार्य। (संलग्न शेड्यूल अनुसार) 1. 90 mm dia 6kg UPVC Pipe - 650 Mtr. 2. 110 mm dia 6kg UPVC Pipe - 200 Mtr. 4. FHTC - 25 Nos	7.81	5900.00	750.00	03 माह	D & Above	04 माह निविदा दर प्राप्त होने की निर्धारित तिथि से

निविदा संबंधी विस्तृत जानकारी जैसे-पात्रता की शर्ते, मापदण्ड, प्राक्कलन इत्यादि अधोहस्ताक्षरकर्ता के कार्यालय में कार्यालयीन समय में देखे जा सकते है।

निविदा प्रपत्र क्रय करने हेतु आवेदन प्रस्तुत करने की अंतिम तिथि 11/05/2026 सायं 5.30 बजे तक है।

कार्यपालन अभियंता
लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी खण्ड-मुंगेली
जिला - मुंगेली (छ.ग.)

जीर- 262700336/3

OFFICE OF THE SUPERINDENDING ENGINEER (PROJECT) CIRCLE
C.S.P.D.C.L. BILASPUR

NO. SE (PROJECT)/ BSP/Tender Notice/ PAPER PRAKASHAN/217 BILASPUR, DT.20-04-2026

NOTICE INVITING E- TENDER

Online bids are invited through CSPDCL e-bidding system (SAP SRM) from eligible electrical contractors registered in the O/o CE (PROJECT), CSPDCL, Gudhiyari, Raipur for following work.-

N	Tender No.	RFX No.	Particulars of Work's	Tender Amount (in RS.)	Tender Fee (on line)	Completion (excuding Rainy Season)	Time Due Date of Submission
1	SE/PRO./ BSP/T- 39 10/04/2026	8100050733	Estimate for p/s to 19 Nos. Irrigation T/W Connection at various villages U/N. BARTORI DC U/N. O&M Dn. Bilaspur.	1098804/-	2000/-	60 days	03.00pm on 30.04.2026
2	SE/PRO./ BSP/T- 40 10/04/2026	8100050749	Estimate for p/s to 37 Nos. Irrigation T/W Connection at various villages U/N. BELTARA DC U/N. O&M Dn. Bilaspur.	2386196/-	2000/-	60 days	03.00pm on 30.04.2026
3	SE/PRO./ BSP/T- 41 10/04/2026	8100050751	Estimate for p/s to 17 Nos. Irrigation T/W Connection at various villages U/N. MASTURI DC U/N. O&M Dn. Bilaspur.	1037043/-	2000/-	60 days	03.00pm on 30.04.2026
4	SE/PRO./ BSP/T- 42 10/04/2026	8100050753	Estimate for p/s to 30 Nos. Irrigation T/W Connection at various villages U/N. PACHPEDI DC U/N. O&M Dn. Bilaspur.	2120270/-	2000/-	60 days	03.00pm on 30.04.2026
5	SE/PRO./ BSP/T- 43 10/04/2026	8100050756	Estimate for p/s to 10 Nos. Irrigation T/W Connection at various villages U/N. JAIRAM NAGAR DC U/N. O&M Dn. Bilaspur.	584447/-	2000/-	60 days	03.00pm on 30.04.2026
6	SE/PRO./ BSP/T- 44 13/04/2026	8100050780	Estimate for p/s to 14 Nos. Irrigation T/W Connection at various villages U/N. CHILHATI DC U/N. O&M Dn. Bilaspur.	880120/-	2000/-	60 days	03.00pm on 04.05.2026
7	SE/PRO./ BSP/T- 45 13/04/2026	8100050788	Estimate for p/s to 20 Nos. Irrigation T/W Connection at various villages U/N. SEEPAT DC U/N. O&M Dn. Bilaspur.	1119312/-	2000/-	60 days	03.00pm on 04.05.2026
8	SE/PRO./ BSP/T- 46 13/04/2026	8100050791	Estimate for p/s to 20 Nos. Irrigation T/W Connection at various villages U/N. BILHA DC U/N. O&M Dn. Bilaspur.	1011621/-	2000/-	60 days	03.00pm on 04.05.2026
9	SE/PRO./ BSP/T- 47 13/04/2026	8100050798	Estimate for p/s to 20 Nos. Irrigation T/W Connection at various villages U/N. GANIYARI DC U/N. O&M Dn. Bilaspur.	2017978/-	2000/-	60 days	03.00pm on 04.05.2026
10	SE/PRO./ BSP/T- 48 13/04/2026	8100050803	Estimate for p/s to 24 Nos. Irrigation T/W Connection at various villages U/N. SAKARI DC U/N. O&M Dn. Bilaspur.	1551091/-	2000/-	60 days	03.00pm on 04.05.2026
11	SE/PRO./ BSP/T- 49 13/04/2026	8100050830	Estimate for p/s to 12 Nos. Irrigation T/W Connection at various villages U/N. SENDARI DC U/N. O&M Dn. Bilaspur.	724387/-	2000/-	60 days	03.00pm on 04.05.2026

Terms & Conditions:-1.Bids will be opened at 3.30pm and onward on the same day of submission.The details available in web site www.cspc.co.in → CSPDCL→ PROJECT may be downloaded and should be submitted. 2.CSPDCL reserves the right to reject or cancel any or all the bids without assigning any reason thereof.3.Corrigendum, if any will be published only on website www.cspc.co.in→ CSPDCL→O&M and notice board.4.For e-bidding CSPDCL Helpline no. 0771-2576672 EITC (CSPDCL). tenders.cspdcl@co.in)

V.K.TIWARI (91519200)
SAVE ELECTRICITY S- 47582/1 Superintending Engineer (Project)Circle, C.S.P.D.C.L., Bilaspur

कार्यालय प्रमुख अभियन्ता,
लोक निर्माण विभाग, नवा रायपुर, अटल नगर
(केन्द्रीय निविदा प्रकोष्ठ) ई-प्रोक्यूरमेंट निविदा सूचना
Main Portal: https: // eproc.cgstate.gov.in

निम्नलिखित कार्य हेतु निविदा आमंत्रित की जाती है -

स. क्र.	सिस्टम निविदा क्रमांक/दिनांक	कार्य का नाम	कार्य की अनुमानित लागत (रु. लाख में)
1	188979 प्रथम आमंत्रण 16.04.2026	जिला कोण्डागांव के कोण्डागांव अमरावती एरला राज्य मार्ग के कि.मी. 32,33,34, 35/2-4, 36, 37, 38,39, 40, 41/2-4 कुल 8.70 कि.मी. कुल = 8.70 कि.मी. में मजबूतीकरण सहित निर्माण कार्य।	706.60
2	189019 प्रथम आमंत्रण 16.04.2026	जिला कांकेर के कोटनखोड़ से नीचेकामता मार्ग लंबाई 1.80 कि.मी. का पुल - पुलिया सहित निर्माण कार्य।	201.71
3	189058 प्रथम आमंत्रण 16.04.2026	जिला रायपुर के जौंदा मंदलौर मार्ग लंबाई 3.05 कि.मी. का चौड़ीकरण एवं मजबूतीकरण निर्माण कार्य पुल पुलिया सहित।	428.73
4	189089 प्रथम आमंत्रण 16.04.2026	जिला रायपुर के मुख्य मार्ग से तेंदुआ लिंक मार्ग लंबाई 1.55 कि.मी. (2 लेन) का चौड़ीकरण एवं मजबूतीकरण निर्माण कार्य पुल पुलिया सहित ।	280.97
5	189074 प्रथम आमंत्रण 16.04.2026	जिला रायपुर के टण्डवा से बैकुण्ठ मार्ग लंबाई 2.65 कि.मी. का निर्माण कार्य। विधानसभा संभाग रायपुर।	368.20
6	189079 प्रथम आमंत्रण 16.04.2026	जिला रायपुर के रायखेड़ा मुर्रा माठ खरोरा मार्ग का चौड़ीकरण एवं मजबूतीकरण कार्य लंबाई 14.125 कि.मी. का निर्माण कार्य पुल पुलिया सहित। विधानसभा संभाग रायपुर।	1065.35
7	189088 प्रथम आमंत्रण 16.04.2026	जिला जशपुर के स्टेट हाईवे से कछुआकानी पहुंच मार्ग लं. 3.80 कि. मी. का निर्माण कार्य।	482.19
8	189084 द्वितीय आमंत्रण 16.04.2026	जिला बलरामपुर रामानुजगंज के लोधा से धरमी मार्ग पर कुरसा नदी पर उच्च स्तरीय पुल एवं पहुंच मार्ग का निर्माण कार्य।	359.93
9	188945 द्वितीय आमंत्रण 17.04.2026	कोसमकुंडा से जैतपुर मार्ग लंबाई 2.25 कि.मी. का निर्माण कार्य।	256.42
10	188947 द्वितीय आमंत्रण 17.04.2026	1) जिला जशपुर के ग्राम पंचायत घरजियाबथान के ठाकुरमुड़ा से रघुनाथपुर जोड़ा तालाब मार्ग लं. 2.50 कि.मी. का निर्माण कार्य। 2) जिला जशपुर के ग्राम पंचायत पाकरगांव से तुरूवाआमा से चौराआमा पहुंच मार्ग लं. 2.90 कि.मी. निर्माण कार्य।	518.45
11	189226 तृतीय आमंत्रण 17.04.2026	जिला बालोद के दल्लीराजहरा में नवीन सिविल न्यायालय भवन का वाटर सप्लाई, सेनेटरी फिटिंग, रेन वाटर हार्वेस्टिंग बाऊण्ड्रीवाल एवं विद्युतीकरण सहित निर्माण कार्य।	746.27
12	189227 तृतीय आमंत्रण 17.04.2026	रायगढ़ में ट्रांजिस्ट हॉस्टल भवन का निर्माण वा.स.से.फि. विद्युतीकरण का कार्य।	1181.17
13	189303 प्रथम आमंत्रण 17.04.2026	जिला कांकेर के आमाकोट से डुटापिपली मार्ग लंबाई 2.65 कि.मी. का पुल-पुलिया सहित निर्माण कार्य।	291.38
14	189305 प्रथम आमंत्रण 17.04.2026	वर्ष 2024-25 के बजट में शामिल जिला कोण्डागांव के चांदाबेडा (छोटियामुडा से छिंदली) तक मार्ग लंबाई 3.375 कि.मी. पुल-पुलिया सहित निर्माण कार्य।	405.19
15	189309 प्रथम आमंत्रण 17.04.2026	जिला कांकेर के एस.एच.-05 ताडोकी पदबेडा मार्ग लंबाई 3.00 कि. मी. का पुल-पुलिया सहित निर्माण कार्य।	449.48
16	189310 प्रथम आमंत्रण 17.04.2026	जिला कांकेर के सोढे से गट्टापारा मार्ग लंबाई 2.10 कि.मी. का पुल-पुलिया सहित निर्माण कार्य।	244.94

निविदा डाउनलोड करने की अंतिम तिथी सं.क्र. 09 से सं.क्र. 10 दिनांक 06.05.2026, सं.क्र. 08, सं.क्र. 11 से सं.क्र. 12 दिनांक 04.05.2026 सं.क्र . 13 से सं.क्र. 16 दिनांक 11.05.2026 निर्धारित है। एवं अन्य शेष निविदाओं के लिए दिनांक 08.05.2026 निर्धारित है। निविदा में भाग लेने की प्रक्रिया एवं निविदा के संबंध में विस्तृत जानकारी विभाग के उपरोक्त वेबसाईट में देखे जा सकते है।

मुख्य अभियंता
केन्द्रीय निविदा प्रकोष्ठ
कार्यालय प्रमुख अभियंता,
लोक निर्माण विभाग, नवा रायपुर अटल नगर

जी- 262700331/9

भारतीय रेल ने सभी जोन में किए 185 जल पुनर्चक्रण संयंत्र स्थापित, पानी की बचत में सहायक

बिलासपुर/नवप्रदेश। ये संरचनाएं मानसून के दौरान वर्षा जल को संग्रहित कर एक ओर जलभराव रोकती हैं और दूसरी ओर भूजल स्तर को पुनर्भरित करती हैं। राजस्थान जैसे जल-संकटग्रस्त क्षेत्रों या दक्कन के वर्षाछाया क्षेत्रों में ये प्रणालियां संचालन के लिए जीवनरेखा साबित हो रही हैं।

भारतीय रेल ने सभी जोनों में कुल 185 जल पुनर्चक्रण संयंत्र स्थापित किए हैं। 2015-16 से पहले जहां केवल 21 संयंत्र थे, वहीं पिछले वित्त वर्ष में ही 26 नए संयंत्र स्थापित किए गए। उत्तरी रेलवे 27 संयंत्रों के साथ अग्रणी है। ये संयंत्र कोच वॉशिंग और यार्ड संचालन से निकलने वाले जल को शुद्ध कर पुन: उपयोग योग्य बनाते हैं, जिससे ताजे जल की खपत कम होती है। 2015-16 से

अब तक सभी रेलवे ज़ोन में कुल 1,944 जल ऑडिट किए गए हैं, जिनमें से 2025-26 में अकेले 310 ऑडिट हुए हैं। दक्षिण मध्य रेलवे 442 ऑडिट के साथ शीर्ष पर है। ये ऑडिट पानी की अत्यधिक खपत वाले क्षेत्रों, पाइपों के रिसाव और सिस्टम की खामियों की पहचान करते हैं, जिससे पानी की लक्षित बचत संभव होती है। पश्चिम रेलवे के तहत अहमदाबाद का कांकरिया कोचिंग डिपो भारत की उन दुर्लभ औद्योगिक सुविधाओं में से एक बन गया है जो पूर्णत: 'वॉटर-न्यूट्रल' (जल-तटस्थ) है। यह डिपो कोच की धुलाई और रखरखाव के दौरान उत्पन्न लगभग सभी अपशिष्ट जल का उपचार और पुन: उपयोग करता है, जिससे बाहरी ताजे पानी के स्रोतों पर इसकी निर्भरता समाप्त हो गई है। यदि कोई एक ऐसा बदलाव है जिसने भारतीय रेलवे के पर्यावरणीय स्वरूप को मौलिक रूप से बदल दिया है, तो वह है ब्रॉड गेज नेटवर्क का आक्रामक विद्युतीकरण। भारतीय रेलवे ने अपने ब्रॉड गेज नेटवर्क का 99.6% विद्युतीकरण कर दिया है।

जल निकायों का पुनरुद्धार

भारतीय रेलवे ने अपनी भूमि या उसके पास स्थित 109 जल निकायों (तालाब, टैंक और आर्द्रभूमि) का पुनरुद्धार किया है जो अतिक्रमण या उपेक्षा का शिकार थे। दक्षिण मध्य रेलवे (34) और दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे (44) इसमें अग्रणी रहे हैं। ये पुनर्जीवित जल निकाय न केवल रेलवे बल्कि आसपास के समुदायों के लिए भी जल स्तर सुधारने और बाढ़/सूखे से निपटने में मददगार साबित हो रहे हैं।

बायो-टॉयलेट: रेल पर पर्यावरण के अनुकूल स्वच्छता

भारतीय रेलवे ने बायो-टॉयलेट के माध्यम से यात्री स्वच्छता में बड़ा योगदान दिया है, 2014 से अब तक यात्री डिब्बों में 3.66 लाख से अधिक बायो-टॉयलेट लगाए गए हैं। इस पहल ने पटरियों पर मानव अपशिष्ट के सीधे विसर्जन को समाप्त कर दिया है। यह स्वदेशी तकनीक सूक्ष्मजीवों के उपयोग से अपशिष्ट को पानी और गैसों में बदल देती है, जिससे दुर्गंध और प्रदूषण कम होता है और रेलवे संपत्तियों का क्षरण भी रुकता है। यह पहल मिट्टी और ट्रैक के दूषित होने से रोककर, रेलवे की संपत्तियों में जंग लगने की समस्या को कम करके और पर्यावरण-अनुकूल कचरा प्रबंधन को बढ़ावा देकर पर्यावरण की सुरक्षा में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। सीधे तौर पर किसी भी तरह के कचरे का निकास न होने देने और टिकाऊ स्वच्छता पद्धतियों का समर्थन करके, भारतीय रेलवे यात्रियों के आराम को बेहतर बना रहा है, साथ ही एक स्वच्छ पारिस्थितिकी तंत्र और एक हरित भविष्य में भी अपना योगदान दे रहा है। दिसंबर 2025 तक, रेलवे नेटवर्क में लगभग 909 मेगावाट के सौर संयंत्र और 103 मेगावाट के पवन ऊर्जा संयंत्र चालू किए जा चुके हैं। इसके अलावा, रेलवे ने राजस्थान, गुजरात, कर्नाटक, महाराष्ट्र और उत्तर प्रदेश के डेवलपर्स के साथ सौर, पवन और हाइब्रिड माध्यमों से 3,300 मेगावाट अतिरिक्त नवीकरणीय क्षमता के लिए समझौता किया है। यह कदम दीर्घकालिक ऊर्जा सुरक्षा और मूल्य-स्थिर हरित बिजली की खरीद की ओर एक सोची-समझी पारी है।

न्यूज गैलरी

लेखा प्रशिक्षण के लिए आवेदन 31 मई तक

बिलासपुर/नवप्रदेश। प्राचार्य शासकीय लेखा प्रशिक्षण शाला बिलासपुर द्वारा आगामी लेखा प्रशिक्षण सत्र जुलाई से अक्टूबर 2026 तक के लिए आवेदन आमंत्रित किए गए हैं। आवेदन पत्र 1 मई से 31 मई 2026 तक निर्धारित कार्यालयीन समय में शासकीय लेखा प्रशिक्षण शाला, न्यू कम्पोजिट बिल्डिंग तृतीय तल बिलासपुर में जमा किए जा सकेंगे। बिलासपुर संभाग के सभी शासकीय, अर्द्धशासकीय, अशासकीय कार्यालय प्रमुखों से अपेक्षा की गई है कि उनके विभाग एवं कार्यालय में पदस्थ वे लिपिक कर्मचारी, जिन्होंने तीन वर्ष की नियमित सेवा पूर्ण कर ली है, इच्छुक होने पर निर्धारित प्रपत्र में आवेदन प्रस्तुत करें। पूर्व में आवेदन कर चुके सभी कर्मचारियों को भी इस सूचना के प्रकाशन उपरांत प्रवेश के लिए पुनः आवेदन करना अनिवार्य होगा।

विकसित कृषि संकल्प अभियान के लिए टीम गठित

बिलासपुर/नवप्रदेश। कलेक्टर संजय अग्रवाल के मार्गदर्शन में जिले में 5 मई से 20 मई 2026 तक 'विकसित कृषि संकल्प अभियान' संचालित किया जाएगा, जिसके माध्यम से किसानों को खरीफ सीजन की तैयारी एवं शासकीय योजनाओं की जानकारी दी जाएगी। अभियान के सफल आयोजन के लिए टीम गठित कर अधिकारियों को आवश्यक दिशा निर्देश दिए गए है। यह टीम सभी विकासखण्डों में किसानों को आधुनिक कृषि तकनीकों, उन्नत बीज, संतुलित उर्वरक उपयोग एवं शासन की विभिन्न योजनाओं के प्रति जागरूक करेगी। इस अभियान के सफल संचालन के लिए विभाग ने अलग-अलग विकासखंडों के लिए विशेषज्ञों की दो-दो टीम गठित की है। बिल्हा विकासखंड में कृषि विज्ञान केंद्र की विशेषज्ञ डॉ. शिल्पा कौशिक, डॉ. स्वाति शर्मा, एडीओ डी.पी. दिवाकर और सी.पी. ध्रुवे को महत्वपूर्ण जिम्मेदारी दी गई है। मस्तूरी क्षेत्र में जानकारी प्रदान करने के लिए विशेषज्ञ हेमकांति बंजारे, डॉ. निवेदिता पाठक, एडीओ के.एस. मार्को और अनामिका वर्मा की ड्यूटी लगाई गई है। इसी प्रकार तखतपुर विकासखंड में विशेषज्ञ डॉ. एकता ताम्रकार, डॉ. चंचला रानी पटेल, एडीओ शिल्पा श्रीवास्तव और उषा बैराहा खाण्डे किसानों का मार्गदर्शन करेंगे।

एनफोर्समेंट अथॉरिटी के लिए ज़रूरी नहीं है कि वह सीधे सबूतों से यह साबित करे

आईएएस रानू साहू के रिश्तेदारों की संपत्ति अटैच किए जाने के खिलाफ पेश याचिका हाईकोर्ट से खारिज

बिलासपुर/नवप्रदेश। चीफ जस्टिस रमेश सिन्हा एवं जस्टिस रविन्द्र कुमार अग्रवाल की डीबी ने कोरबा के पूर्व व निलंबित कलेक्टर रानू साहू के रिश्तेदारों को करोड़ो की संपत्ति अटैच किये जाने के खिलाफ पेश सभी याचिका को खारिज किया है।

उल्लेखनीय है कि कोल लेव्ही वसूली व मनीलांड्रिंग के मामले में ईडी ने रानू साहू के रिश्तेदार तुषार साहू रानू साहू कज़िन, पंकज कुमार साहू, पीयूष कुमार साहू रानू साहू के भाई । पूनम साहू रानू साहू की बहन। अरुण कुमार साहू रानू साहू के पिता और लक्ष्मी साहू रानू साहू की मां। सहलिनी साहू पीयूष कुमार साहू की पत्नी हैं और रेवती साहू रानू साहू की आंटी की सम्पत्ति अटैच किया है। इस कार्रवाई के खिलाफ सभी ने अलग अलग याचिका पेश की थी। याचिका में कहा गया कि ईडी ने रानू साहू के कोरबा कलेक्टर रहने से पूर्व में खरीदी गई संपत्ति को अटैच किया है। अपीलेट ट्रिब्यूनल से अपील खारिज किया है जो कि गलत है। अटैच प्रॉपर्टी को मुक्त कराने की मांग की गई। इसके अलावा एफआईआर में उनका नाम नहीं है। एनफोर्समेंट अथॉरिटी के लिए यह ज़रूरी नहीं है कि वह सीधे सबूतों से यह साबित करे कि जिस प्रॉपर्टी की बात हो रही है, वह क्राइम से हुई कमाई है। मनी लॉन्ड्रिंग के मामले में, काम करने का तरीका अक्सर घुमावदार और साफ़ न दिखने वाले फाइनेंशियल ट्रांज़ेक्शन से जुड़ा होता है, जिससे सीधे सबूत मिलना मुश्किल हो जाता है।

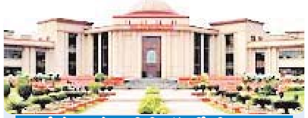

जुर्म से पहले खरीदी प्रॉपर्टी पीएमएलए के तहत अटैचमेंट से सुरक्षित नहीं होती

चीफ जस्टिस की डीबी ने सुनवाई उपरांत अपने आदेश में कहा जुर्म से पहले खरीदी गई प्रॉपर्टी पीएमएलए के तहत अपने आप अटैचमेंट से सुरक्षित नहीं होती हैं। सेक्शन 2(1)(यू) के तहत 'जुर्म से हुई कमाई' की परिभाषा में न सिर्फ़ खराब प्रॉपर्टी शामिल है, बल्कि उसकी बराबर कीमत भी शामिल है, जो एक बड़े कानूनी इरादे को दिखाता है। जहाँ असली कमाई मौजूद नहीं है या उसका पता नहीं चल पा रहा है, वहाँ अधिकारी उतनी ही कीमत की दूसरी प्रॉपर्टी अटैच कर सकते हैं, भले ही वे पहले कानूनी तौर पर खरीदी या हासिल की गई हों। ऐसी अटैचमेंट का मकसद अपराधियों को जुर्म से होने वाले आर्थिक फ़ायदों को अपने पास रखने से रोकना है।

रेरा में शिकायत के लिए समय-सीमा की पाबंदी नहीं, देरी पर केस खारिज करना गलत

हाईकोर्ट के जस्टिस बीडी गुरु ने अपने महत्वपूर्ण फैसले में कहा है कि, रेरा यानी रियल एस्टेट रेगुलेटरी अथॉरिटी एक विशेष नियामक संस्था है, जिसे कोर्ट की श्रेणी में नहीं रखा जा सकता। मकान खरीदने वालों के अधिकार को लेकर कहा कि, रेरा में शिकायत दर्ज कराने के लिए समय सीमा की कोई पाबंदी नहीं है। लिहाजा, देरी के आधार पर शिकायतों को खारिज नहीं कर सकता। जगदलपुर निवासी निधि साव ने रायपुर की सीमा से लगे दुर्ग जिले के अमलेश्वर स्थित ग्रीन अर्थ सिटी में एक फ्लैट बुक किया था। बिल्डर पर समय पर कब्जा नहीं देने और घटिया निर्माण का आरोप लगा। उन्होंने इस मामले की शिकायत स्थानीय प्रशासन से की। लेकिन, जिम्मेदार अधिकारियों ने उनकी शिकायत को नजरअंदाज कर दिया। परेशान होकर उन्होंने रेरा में शिकायत की थी। रेरा ने बिल्डर को दो महीने में काम पूरा कर कब्जा देने का आदेश दिया। इसके साथ ही याचिकाकर्ता खरीदार को भी बकाया राशि जमा करने को कहा। इस आदेश के खिलाफ खरीदार ने रेरा अपीलीय ट्रिब्यूनल में अपील की। ट्रिब्यूनल ने सुनवाई करने के बजाय यह कहते हुए मामला खारिज कर दिया कि, शिकायत दर्ज करने में बहुत देरी हुई है। निधि साव ने इस फैसले को हाईकोर्ट में चुनौती दी। हाईकोर्ट ने इस मामले की सुनवाई के बाद ट्रिब्यूनल के आदेश को रद्द कर दिया है। इस मामले को वापस ट्रिब्यूनल भेजते हुए निर्देश दिया है कि अब इस मामले की सुनवाई गुण-दोष के आधार पर नए सिरे से की जाए, न कि समय सीमा के तकनीकी आधार पर। दरअसल, रेरा एक्ट की धारा 31 के तहत शिकायत करने के लिए कोई निश्चित समय सीमा तय नहीं की गई है। लिमिटेशन एक्ट मुख्य रूप से सामान्य दीवानी अदालतों पर लागू होता है।

शिक्षकों के लिए हाई कोर्ट का फैसला, पेंशन का रास्ता साफ

शिक्षकों के लिए हाई कोर्ट का यह फैसला बेहद महत्वपूर्ण है। चीफ जस्टिस रमेश सिन्हा की अगुवाई वाली डिवीजन बेंच ने शिक्षक एलबी राजेंद्र प्रसाद पटेल की याचिका पर सुनवाई के बाद राज्य शासन की अपील को खारिज कर दिया है। कोर्ट ने शिक्षाकर्मी एलबी राजेंद्र की पूर्व सेवा गणना के आधार पर पेंशन के प्रकरणों का निर्धारण करने का आदेश दिया है। कोर्ट ने साफ कहा है कि ओपीएस में पूर्व सेवा को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। चिरमिरी नगर निगम में पदस्थ शिक्षक राजेंद्र प्रसाद पटेल ने छत्तीसगढ़ हाई कोर्ट में याचिका दायर कर संविलियन से पूर्व की सेवा को ओल्ड पेंशन स्कीम (ओपीएस) में शामिल करने की मांग की थी। याचिका में कहा है कि संविलियन के बाद भी उनकी पूर्व सेवा को पेंशन गणना में नहीं जोड़ा जा रहा है, जो उनके साथ अन्याय है। हाई कोर्ट की सिंगल बेंच ने सुनवाई करते हुए राज्य सरकार को निर्देश दिया था कि वह पूर्व सेवा को पुरानी पेंशन योजना में शामिल करने पर विचार करे। इसके लिए सरकार को 120 दिनों का समय भी दिया गया था। हालांकि, इस निर्देश पर अमल करने के बजाय राज्य सरकार ने सिंगल बेंच के फैसले को चुनौती देते हुए डिवीजन बेंच में अपील दायर कर दी थी। डिवीजन बेंच में सुनवाई के दौरान शिक्षक राजेंद्र प्रसाद पटेल भी पक्षकार के रूप में शामिल रहे। मामले की सुनवाई चीफ जस्टिस रमेश सिन्हा की अगुवाई वाली डिवीजन बेंच में हुई। राज्य सरकार ने अपने पक्ष में संविलियन की शर्तों का हवाला दिया। सरकार का तर्क था कि संविलियन के समय जो शर्तें तय की गई थीं, उसी के आधार पर पेंशन का निर्धारण किया जाना चाहिए। कोर्ट ने इस दलील को स्वीकार नहीं किया। डिवीजन बेंच ने स्पष्ट टिप्पणी करते हुए कहा कि जब संविलियन के दौरान पूर्व सेवा की गणना को मान्यता दी गई है, तो फिर पुरानी पेंशन योजना में उसे शामिल करने में कोई बाधा नहीं होनी चाहिए। कोर्ट ने माना कि पूर्व सेवा को नजरअंदाज करना न्यायसंगत नहीं है। हाई कोर्ट की डिवीजन बेंच ने राज्य सरकार की अपील को खारिज कर दिया और सिंगल बेंच के आदेश को बरकरार रखा।

भगवान परशुराम का जीवन त्याग, तप और धर्म रक्षा का अद्भूत उदहारण: डॉ. शर्मा

बिलासपुर/नवप्रदेश। ब्राम्हणों के कुल जनक भगवान परशुराम के जन्मोत्सव पर बिल्हा सर्व ब्राह्मण समाज द्वारा जन्मोत्सव कार्यक्रम का आयोजन किया, जिसमे मुख्य अतिथि के रूप में शामिल भाजपा चिकित्सा प्रकोष्ठ के जिला संयोजक डॉ. विनोद शर्मा ने भगवान परशुराम के जीवन पर प्रकश डालते हुए कहा कि भगवान परशुराम का जीवन त्याग, तप और धर्मरक्षा का अद्भुत उदाहरण है उन्होंने आगे कहा कि शक्ति ज़ब संयमित होती है तभी वह धर्म बनता है। शस्त्र युद्ध जीतता है और शास्त्र जीवन को दिशा देता है और इन दोनों के संतुलन का नाम ही परशुराम है। कार्यक्रम को सतीश शर्मा उपाध्यक्ष नगर पंचायत बिल्हा एवं महिला मण्डल के पदाधिकारियों ने भी सम्बोधित किया।

कार्यक्रम के पूर्व सर्व ब्राम्हण समाज के द्वारा भगवान परशुराम की भव्य शोभा यात्रा निकाली गई जो परशुराम भवन से प्रारम्भ होकर पुरे नगर भ्रमण करते हुवे परशुराम भवन में ही संपन्न हुई। इस शोभायात्रा का अग्रवाल समाज, सिख समाज, सिंध समाज द्वारा पूजा अर्चना एवम् स्वल्पाहार से स्वागत किया. तत्पश्चात् ब्राह्मण महिला मंडल द्वारा बच्चे बड़ों का विभिन्न कार्यक्रम कराया गया जिसमें बच्चों द्वारा उत्कृष्ट प्रदर्शन रहा जिसमें कार्यक्रम में प्रथम द्वितीय आने वाले बच्चों का मुख्य अतिथि एवं समाज के सदस्यों द्वारा पुरस्कार वितरण किया गया कार्यक्रम के पश्चात भंडारा प्रसाद वितरण किया गया। उक्त कार्यक्रम में समाज के अध्यक्ष सत्यनारायण शर्मा, सचिव अनिलशर्मा, उपाध्यक्ष उमेश शर्मा, सहसचिव कैलाश शर्मा सहित वरिष्ठजन शंकर लाल शर्मा, देवकरण शर्मा, सीताराम शर्मा, शंकरलाल शास्त्री, जुगलकिशोर शर्मा, मनोहर शर्मा, रामअवतार शर्मा, कैलाश शर्मा, ऋषि शर्मा, महेश शर्मा, सुरेश शर्मा, राजेश शर्मा, ललित शर्मा, प्रदीप शर्मा, लक्ष्मीचंद शर्मा, नंदलाल शर्मा, केशव शर्मा, दिलीप शर्मा, मनोज शर्मा, डॉ. शेखर शर्मा, बबलू शर्मा, शिव शर्मा, कमल शर्मा, अरविंद शर्मा, नटवर शर्मा, हरीश शर्मा, पंकज शर्मा, राहुल शर्मा, गगन शर्मा, अंकुश शर्मा उपस्थित थे।

अन्याय के संहारक थे भगवान परशुराम: कौशिक

परशुराम जयंती में शोभा यात्रा का पूर्व विधानसभा अध्यक्ष धरमलाल कौशिक ने किया स्वागत

बिलासपुर/नवप्रदेश। भगवान् परशुराम जयंती के उपलक्ष्य मे नगर पालिका परिषद बोदरी में आयोजित शोभा यात्रा में पूर्व विधानसभा अध्यक्ष धरमलाल कौशिक ने सभी कार्यकर्ताओं के साथ मिलकर शोभा यात्रा का स्वागत कर शास्त्र और शस्त्र के प्रणेता भगवान परशुराम जी का पूजन-अर्चन कर समाज में एकता और समरसता का संदेश दिया गया, सभी भक्तगणों को परशुराम जयंती की शुभकामनाएं प्रेषित करते हुए प्रसाद वितरण किया और वरिष्ठ विप्र जनों का सम्मान किया गया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि भगवान परशुराम न्याय और पराक्रम के प्रतीक हैं, और उनके आदर्श हमें समाज की सेवा व रक्षा की प्रेरणा देते हैं। भगवान शिव के आशीर्वाद से ही भगवान परशुराम का नाम विश्व विख्यात हुआ। उन्होंने अपना संपूर्ण जीवन अन्याय और अत्याचार करने वाले दुष्टों का संहार कर मानव जीवन के कल्याण की स्थापना में अपना महत्वपूर्ण योगदान दिया। इस अवसर पर लव श्रीवास बोदरी मंडल अध्यक्ष, नगर पालिका बोदरी के पार्षदगण, बोदरी मंडल के सभी पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित थे।

भगवान परशुराम की शोभा यात्रा में उमड़ा आस्था का सैलाब

सर्व विप्र ब्राह्मण समाज द्वारा भगवान परशुराम की भव्य शोभा यात्रा निकाली गई। यह यात्रा शीतला माता मंदिर, दयालबंध से प्रारंभ होकर देवकीनंदन चौक पर संपन्न हुई। पूरे मार्ग में भक्तिमय वातावरण बना रहा और 'जय परशुराम' के जयकारों से शहर गूंज उठा। इस आयोजन में समाज की महिलाओं ने बढ़-चढ़कर भाग लिया और अपनी सक्रिय सहभागिता से कार्यक्रम को भव्य रूप दिया। इस अवसर पर पूज्य श्री स्वामी घनश्यामाचार्य जी महाराज का आशीर्वाद भक्तजनों को प्राप्त हुआ। समाज की अध्यक्ष ऋचा पाठक ने कहा कि भगवान परशुराम का जीवन हमें विपरीत परिस्थितियों में भी दृढ़ संकल्प के साथ आगे बढ़ने की प्रेरणा देता है। वहीं पीआरओ वर्षा तिवारी ने भगवान परशुराम को अन्याय के विरुद्ध संघर्ष, धर्म की स्थापना तथा ज्ञान और शौर्य के प्रतीक के रूप में बताया। कार्यक्रम में गायत्री शुक्ला, श्रुति पांडेय, वंदना मिश्रा, नेहा शुक्ला एवं अंशुल पांडेय सहित अनेक गणमान्य सदस्य उपस्थित रहे।

आयोजन: सीवी रमन विश्वविद्यालय में ओपन कैंपस प्लेसमेंट का आयोजन

55 विद्यार्थियों का चयन, मल्टीनेशनल कंपनी ने लिया इंटरव्यू

बिलासपुर/नवप्रदेश। डॉ. सीवी रमन विश्वविद्यालय में ओपन कैंपस का आयोजन किया गया। आयोजित ओपन कैंपस प्लेसमेंट में इंजीनियरिंग, फार्मेसी, साइंस, मैनेजमेंट एवं आर्ट्स सहित विभिन्न संकायों के विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।

इस दौरान देश-विदेश की प्रतिष्ठित कंपनियों ने कैंपस इंटरव्यू के माध्यम से प्रतिभाशाली विद्यार्थियों का चयन किया, जिसमें कुल 55 विद्यार्थियों को विभिन्न क्षेत्रों में अवसर प्राप्त हुआ। तीन चरण की कठिन चयन प्रक्रिया के बाद विद्यार्थियों का चयन मल्टीनेशनल और नेशनल कंपनियों में किया गया है। चयनित विद्यार्थी देश और विदेश के अलग-अलग क्षेत्रों में कार्य करते हुए विश्वविद्यालय और राज्य का नाम रोशन करेंगे। चयनित विद्यार्थी मिलिट्री एयरक्राफ्ट, सोलर सॉल्यूशन, फाइनेंस, स्टील, प्रोडक्ट्स, ऑटोमोबाइल, टेलीकॉम एवं टेक्सटाइल सेक्टर में अपनी सेवाएं देंगे, जो विश्वविद्यालय की गुणवत्ता पूर्ण शिक्षा एवं कौशल विकास की दिशा में किए जा रहे प्रयासों का प्रत्यक्ष परिणाम है। इस प्लेसमेंट ड्राइव में जीई एयरोस्पेस पुणे, जेनस ग्रुप उत्तराखंड, एसआरएफ लिमिटेड (श्रीराम फाइबर्स) गुजरात, चैंपियन सेरेमिक प्राइवेट लिमिटेड चांपा, एस्कॉर्ट्स लिमिटेड, स्वतंत्र माइक्रो फाइनेंस, हाईटेक नेक्स्ट इंजीनियरिंग टेलीकॉम सहित अनेक प्रतिष्ठित कंपनियों ने भाग लिया और विद्यार्थियों का साक्षात्कार लिया। कार्यक्रम के सफल आयोजन में ट्रेनिंग एंड प्लेसमेंट ऑफिसर डॉ. राजीव पीटर्स के साथ सौरभ पीटर्स, अमित रुद्राकर, अनीता विश्वास एवं जय त्रिवेदी की महत्वपूर्ण भूमिका रही। इस अवसर पर कुलसचिव डॉ. अरविंद कुमार तिवारी ने कहा कि विश्वविद्यालय विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास के लिए सतत प्रयासरत है और इस प्रकार के ओपन कैंपस उन्हें बेहतर रोजगार के अवसर उपलब्ध कराते हैं, साथ ही उद्योगों की मांग के अनुरूप कौशल विकास, प्रशिक्षण एवं व्यक्तित्व संवर्धन पर भी विशेष ध्यान दिया जा रहा है।

राष्ट्रीय पंचायती राज दिवस
की सभी क्षेत्रवासियों को
हार्दिक शुभकामनाएं ...
संकल्प -- ग्रामोदय से भारत उदय

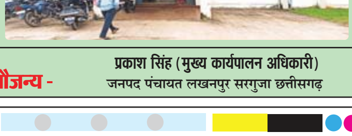

सौजन्य -
प्रकाश सिंह (मुख्य कार्यपालन अधिकारी)
जनपद पंचायत लखनपुर सरगुजा छत्तीसगढ़

बदरीनाथ धाम: कपाट खुलते ही उमड़ा सैलाब, गूंजें जयकारें

सीएम पुष्कर सिंह धामी भी कपाट खुलने के पावन पल के साक्षी बने। पीएम मोदी के नाम से मंदिर में पहली पूजा हुई।

बदरीनाथ। बदरीनाथ धाम में आज सुबह मंदिर के कपाट खुलने के साथ ही भक्ति और उल्लास का अद्भुत नजारा देखने को मिला। बैसाख मास के शुभ अवसर पर पुनर्वसु नक्षत्र और सर्वार्थ सिद्ध योग में ठीक सुबह 6 बजकर 15 मिनट पर श्रद्धालुओं के लिए मंदिर के द्वार खोले गए। इस दौरान जय बदरीविशाल के जयकारों से पूरा क्षेत्र गूंज उठा। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी भी इस पावन अवसर पर मौजूद रहे। कपाट खुलने से पहले निर्धारित परंपराओं का पालन किया गया। तड़के चार बजे भगवान कुबेर जी का दक्षिण द्वार से प्रवेश हुआ, जिसके बाद मंदिर परिसर में धार्मिक गतिविधियां शुरू हुईं। रावल, धर्माधिकारी और वेदपाठियों ने उद्धव जी के साथ मंदिर में प्रवेश कर विधिवत द्वार पूजन संपन्न कराया। इसके बाद तय समय पर कपाट खोल दिए गए और पूर्वाह्न 11 बजे से गर्भगृह में पूजा-अर्चना आरंभ हुई। बदरीनथ धाम को भव्य रूप से सजाया गया है। मंदिर परिसर और आसपास के मठ-मंदिरों को लगभग 25 कुंतल ऑर्किड और गेंदे के फूलों व फलों से सजाया गया, जिससे धाम और पूरा क्षेत्र दिव्य दिखाई दिया। कपाट खुलने से एक दिन पूर्व ही उद्धव, तेल कलश और आदि गुरु शंकराचार्य की गद्दी बदरीनाथ पहुंच चुकी थी।

व्हाट्सएप यूनिवर्सिटी को छोड़कर, सभी विचारों का सम्मान: सुको

नई दिल्ली/ए.। सुप्रीम कोर्ट ने गुरुवार को सुनवाई के दौरान एक अहम टिप्पणी करते हुए कहा कि वह सभी बड़े लेखकों और विचारकों की राय का सम्मान करता है, लेकिन व्हाट्सएप यूनिवर्सिटी से मिली जानकारी को स्वीकार नहीं कर सकता। यह टिप्पणी सुप्रीम कोर्ट की नौ जजों की संविधान पीठ ने की, जो धार्मिक स्थलों पर महिलाओं के साथ भेदभाव और धार्मिक स्वतंत्रता से जुड़े मामलों की सुनवाई कर रही है। इसमें केरल के सबरीमाला मंदिर का मामला भी शामिल है। सुनवाई के दौरान दाऊदी बोहरा समुदाय की ओर से पेश वरिष्ठ वकील नीरज किशन कौल ने कांग्रेस नेता शशि थरूर के एक लेख का जिक्र किया। इस पर मुख्य न्यायाधीश सर्यकांत ने कहा कि व्यक्तिगत राय, व्यक्तिगत ही होती है।

बॉम्बे हाईकोर्ट ने चार आरोपियों को किया बरी

मुंबई(वार्ता)। बॉम्बे हाई कोर्ट ने 2006 मालेगांव बम धमाका मामले में अहम फैसला सुनाते हुए चार आरोपियों को आरोपमुक्त कर दिया है। अदालत ने मामले की जांच पर गंभीर टिप्पणी करते हुए कहा कि यह केस अब डेड एंड यानी ऐसे मोड़ पर पहुंच चुका है, जहां से सच्चाई तक पहुंचना मुश्किल नजर आता है। कोर्ट ने यह भी कहा कि जांच एजेंसियों की परस्पर विरोधी कहानियों ने पूरे मामले को उलझा दिया है। हाईकोर्ट ने राजेंद्र चौधरी, धन सिंह, मनोहर राम सिंह नरवरिया और लोकेश शर्मा को राहत देते हुए कहा कि उनके खिलाफ मुकदमा चलाने लायक पर्याप्त सबूत नहीं हैं।

ट्रंप ने ईरान के साथ युद्धविराम को बिना किसी समय सीमा के बढ़ाया

वाशिंगटन/ए.। डोनाल्ड ट्रंप प्रशासन ने ईरान के साथ अपने युद्धविराम को बढ़ा दिया है, जबकि व्यापक नौसैनिक नाकेबंदी जारी रखी गई है। व्हाइट हाउस ने कहा है कि बातचीत के लिए कोई समय-सीमा तय नहीं है और तेहरान पर आर्थिक दबाव जारी रखने के संकेत दिए हैं। व्हाइट हाउस की प्रेस सचिव कैरोलाइन लीविट ने कहा कि संयुक्त राज्य अमेरिका दोहरी रणनीति अपना रहा है-सैन्य हमलों को रोकते हुए वित्तीय और समुद्री प्रतिबंधों को और कड़ा किया जा रहा है।

व्हाइट हाउस के अनुसार, इस नाकेबंदी से ईरान को भारी आर्थिक नुकसान हो रहा है। लीविट ने कहा, "हम इस नाकेबंदी के जरिए उनकी अर्थव्यवस्था को पूरी तरह जकड़ रहे हैं। उन्हें रोज़ 500 मिलियन डॉलर का नुकसान हो रहा है," और जोड़ा कि ईरान तेल की खेप भेजने या भुगतान बनाए रखने में असमर्थ है। आर्थिक दबाव बढ़ने के बावजूद, प्रशासन ने बातचीत के लिए कोई समय-सीमा तय करने से परहेज किया है। उन्होंने कहा,

सैन्य कार्रवाई में विराम का मतलब दबाव में कमी नही

राष्ट्रपति ट्रंप ने कहा, "राष्ट्रपति ट्रंप ने युद्धविराम के विस्तार की घोषणा की है और 'ऑपरेशन एपिक फ्यूरी' के कारण पूरी तरह बदनाम हो चुके एक शासन को उदारता से कुछ लचीलापन भी दिया है।" उन्होंने स्पष्ट किया कि सैन्य कार्रवाई में विराम का मतलब दबाव में कमी नहीं है। उन्होंने कहा, "सैन्य और प्रत्यक्ष हमलों पर युद्धविराम है लेकिन 'ऑपरेशन इकोनॉमिक फ्यूरी' जारी है और प्रभावी व सफल नौसैनिक नाकेबंदी भी जारी है।"

इस समय राष्ट्रपति ट्रंप के हाथ में हैं सभी पत्ते

व्हाइट हाउस ने माना कि ईरान से आने वाले विरोधाभासी संकेतों ने प्रक्रिया को जटिल बना दिया है। लीविट ने कहा, "वे सार्वजनिक रूप से जो कहते हैं, वह निजी तौर पर अमेरिका से कही गई बातों से काफी अलग है," और आधिकारिक ईरानी बयानों पर पूरी तरह भरोसा न करने की चेतावनी दी। उन्होंने कहा कि अमेरिकी वार्ताकार पहले ही ईरानी समकक्षों से सीधे संपर्क कर चुके हैं, लेकिन यह स्पष्ट नहीं है कि अंततः निर्णय लेने का अधिकार किसके पास है। प्रशासन के रुख का बचाव करते हुए लीविट ने कहा कि वॉशिंगटन के पास बढ़त है। उन्होंने कहा, "इस समय सभी पत्ते राष्ट्रपति ट्रंप के हाथ में हैंज ईरान बहुत कमजोर स्थिति में है।"

÷राष्ट्रपति ने कोई निश्चित समय-सीमा तय नहीं की है, अंततः समय-सीमा का निर्धारण कमांडर-इन-चीफ द्वारा किया जाएगा,÷ और बातचीत के लिए कम समय होने की खबरों को खारिज किया। जब उनसे पूछा गया कि क्या युद्धविराम या नाकेबंदी अनिश्चित काल तक जारी रहेगी, तो लीविट ने स्पष्ट जवाब देने से इनकार कर दिया और कहा कि राष्ट्रपति ही तय करेंगे कि ÷कब उन्हें लगे कि यह संयुक्त राज्य अमेरिका और अमेरिकी जनता के हित में है।÷ उन्होंने यह भी कहा कि ईरान के नेतृत्व के भीतर मतभेद बातचीत को प्रभावित कर रहे हैं। उन्होंने कहा, अंदरूनी स्तर पर काफी विभाजन है व्यवहारिक लोगों और कट्टरपंथियों के बीच संघर्ष चल रहा है, और बताया कि वॉशिंगटन तेहरान से एकजुट प्रतिक्रिया का इंतजार कर रहा है। उन्होंने कहा कि संकट के दौरान राष्ट्रपति के सार्वजनिक बयानबाजी से बातचीत पर कोई नकारात्मक असर नहीं पड़ा है। संयुक्त राज्य अमेरिका और राष्ट्रपति ट्रंप अपनी मांगों और 'रेड लाइन्स' को लेकर बहुत स्पष्ट रहे हैं, उन्होंने कहा।

भारत की विदेश नीति में अफ्रीका का अहम स्थान: एस. जयशंकर

नई दिल्ली/ए.। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने गुरुवार को कहा कि आज भारत की विदेश नीति में अफ्रीका का स्थान महत्वपूर्ण है। उन्होंने बताया कि अफ्रीका के साथ भारत का रिश्ता एक साफसोच के साथ आगे बढ़ रहा है। यह रिश्ता समानता, आपसी सम्मान और साथ मिलकर तरक्की करने के सिद्धांतों पर टिका है। विदेश मंत्री आगामी भारत-अफ्रीका फोरम समिट-IV के लोगो (Logo) थीम और वेबसाइट के लॉन्च के मौके पर बोल रहे थे। उन्होंने कहा कि हम यहां भारत और अफ्रीका की पुरानी और मजबूत साझेदारी में एक नया अध्याय जोड़ने के लिए इकट्ठा हुए हैं। उन्होंने याद दिलाया कि भारत और अफ्रीका के बीच सदियों पुराने सांस्कृतिक और मानवीय संबंध हैं। विदेश मंत्री ने कहा कि जब अफ्रीकी देश गुलामी के खिलाफलड़ रहे थे, तब भारत उनके साथ मजबूती से खड़ा था। उन्होंने यह भी बताया कि भारत की अपनी आजादी की लड़ाई का इतिहास भी अफ्रीका से गहराई से जुड़ा हुआ है। संघर्ष, एकजुटता और आगे बढ़ने की हमारी साझा कोशिशें आज भी हमारी दोस्ती को नया रूप दे रही हैं। जयशंकर ने भविष्य की योजनाओं पर बात करते हुए कहा कि भारत का विकसित भारत 2047 का लक्ष्य और अफ्रीका का एजेंडा 2063 एक-दूसरे के पूरक हैं। ये दोनों ही योजनाएं टिकाऊ विकास और समावेशी तरक्की का रास्ता दिखाती हैं। उन्होंने जोर देकर कहा कि भारत और अफ्रीका के बीच राजनीतिक बातचीत और संपर्क लगातार बढ़ रहे हैं। भारत हमेशा से चाहता है कि दुनिया को चलाने वाली संस्थाओं में अफ्रीका को उसका सही हक मिले। इस दिशा में एक बड़ा कदम 2023 में भारत की अध्यक्षता के दौरान अफ्रीकी संघ को जी-20 (जी20) में शामिल करना था।

मैंने तो नेताओं की महिलाओं पर गिद्ध जैसी नजरों पर सवाल उठाया: यादव

पटना/ए.। बिहार के पूर्णिया से सांसद पप्पू यादव ने नेताओं व महिलाओं से जुड़े अपने बयान के लिए माफी मांगी है। पप्पू यादव गुरुवार को नालंदा पहुचे जहां उन्होंने दुष्कर्म के बाद पीड़िता द्वारा की गई सुसाइड के परिवार से मुलाकात कर 25 हजार की सहायता राशि दी। 13 दिन पूर्व नालंदा थाना क्षेत्र के कपटसरी गांव में पिता के सामने पिस्तौल की नोक पर नाबालिग के साथ दुष्कर्म की घटना अंजाम दिया गया था। उसके बाद पीड़िता ने आत्महत्या कर ली थी। घटना के 13 दिन बीत जाने के बाद भी आरोपी की गिरफ्तारी नहीं हुई है। पप्पू यादव ने बिहार के मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी को कहा कि यह आपके समाज की बेटी थी इसे तो इंसाफ दिला दीजिए नहीं तो हम

इसकी लड़ाई का सदन में लड़ेंगे।

जारी हुआ था नोटिस

राष्ट्रीय महिला आयोग की प्रमुख विजया राहटकर ने पप्पू यादव द्वारा महिलाओं की राजनीतिक भागीदारी पर की गई टिप्पणी की कड़ी निंदा करते हुए मंगलवार को इसे आपत्तिजनक, असंवेदनशील और संविधान की मूल भावना के विरुद्ध बताया।

उन्होंने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, 'यह बयान अत्यंत आपत्तिजनक, असंवेदनशील और संविधान की मूल भावना के विरुद्ध है।

महिलाओं से मांगी माफी

उन्होंने महिला आरक्षण बिल पर दिए गए बयान पर कहा कि हमने नेताओं के खिलाफ बयान दिया था जो महिलाओं को गिद्ध की नजर से देखते हैं। इसका खुलासा सदन में भी हुआ और एक अखबार के स्टिंग ऑपरेशन में भी हुआ मगर किसी पर नोटिस नहीं हुआ। सिर्फ पप्पू यादव को नोटिस जारी हुआ, क्योंकि पप्पू यादव महिलाओं पर हो रहे अत्याचार के खिलाफ लड़ाई लड़ने वाला है इसी लिए। उन्होंने कहा कि इस मामले में हम कोर्ट जाएंगे और अगर किसी महिलाओं को हमारे बयान से ठेस पहुंची है तो हम उनसे माफी मांगते है।

5 साल बाद चीन के पर्यटकों को वीजा जारी करेगा भारत

नई दिल्ली/ए.। भारत सरकार चीनी नागरिकों के लिए पर्यटक वीजा फिर से शुरू करने की तैयारी कर रही है। करीब पांच साल पहले गलवान घाटी में हुई हिंसक झड़प के बाद इन सेवाओं को बंद कर दिया गया था। अब दोनों देशों के बीच रिश्तों में जमी बर्फ धीरे-धीरे पिघल रही है। यह कदम दोनों देशों के बीच संबंधों में धीरे-धीरे आ रही नरमी के बीच उठाया गया है। हाल ही में भारत और चीन ने सीधी उड़ानें फिर से शुरू करने का फैसला किया है। इसके साथ ही लंबे समय से रुकी हुई कैलाश मानसरोवर यात्रा को भी दोबारा बहाल कर दिया गया है। नए वीजा नियम मुख्य चीन, हांगकांग और मकाऊ से आने वाले यात्रियों पर लागू होंगे।

सरकार का यह फैसला पर्यटन, व्यापार और लोगों के बीच आपसी मेलजोल को फिर से बढ़ाने की कोशिशों का हिस्सा है। पिछले कुछ वर्षों से दोनों देशों के बीच तनाव की वजह से ये गतिविधियां रुकी हुई थीं। हालांकि वीजा देने के लिए सामान्य प्रक्रियाओं का पालन होगा, लेकिन सुरक्षा चिंताओं को देखते हुए कुछ पाबंदियां अब भी लागू रहेंगी।

जानकारों का मानना है कि इस फैसले से दोनों देशों के बीच आर्थिक और सांस्कृतिक संबंध मजबूत होंगे। व्यापारिक समुदाय ने भी इस कदम का स्वागत किया है। फिलहाल दोनों देश अब धीरे-धीरे अपने पुराने मतभेदों को पीछे छोड़कर सहयोग की दिशा में आगे बढ़ रहे हैं।

लश्कर-जैश पर नकेल कसे पाकिस्तान, पहलगाम हमले की बरसी पर अमेरिकी सांसदों ने उठाई मांग

वॉशिंगटन। अमेरिकी सांसद ब्रैड शर्मन ने पाकिस्तान से लश्कर-ए-तैयबा और जैश-ए-मोहम्मद जैसे आतंकी संगठनों पर सख्त कार्रवाई करने को कहा। वाशिंगटन में भारतीय दूतावास ने आतंकवाद की मानवीय कीमत विषय पर एक प्रदर्शनी लगाई थी। इस दौरान शर्मन ने 2025 के पहलगाम आतंकी हमले के पीड़ितों को याद किया। इस हमले में 26 निर्दोष लोग मारे गए थे। इस डिजिटल प्रदर्शनी में 1993 के मुंबई बम धमाकों, 2008 के मुंबई हमलों और पहलगाम हमले की तस्वीरें दिखाई गईं। इसमें उन आतंकी संगठनों और लोगों की पहचान भी उजागर की गई जो पाकिस्तान से अपनी गतिविधियां चलाते हैं। अमेरिका में भारत के राजदूत विनय मोहन क्वात्रा ने कहा कि आतंकवाद मानवता को नष्ट करना चाहता है। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के उस संकल्प को दोहराया जिसमें भारत आतंकवाद को हराने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है। प्रदर्शनी में रिपब्लिकन और डेमोक्रेटिक दोनों पार्टियों के कई बड़े सांसद शामिल हुए। इस दौरान सांसद लिसा मैक्लेन ने कहा कि आतंकवाद से लड़ने के लिए खुफिया जानकारी साझा करना और मिलकर काम करना ही सही रास्ता है।

क्या बोले अमेरिकी सांसद?

शर्मन ने कहा कि पहलगाम हमले के पीछे द रेजिस्टेंस फ्रंट का हाथ था, जिसका संबंध लश्कर-ए-तैयबा से है। खबरों के मुताबिक, इन समूहों को पाकिस्तान में पनाह मिलती है। डेमोक्रेट नेता शर्मन ने मांग की कि पाकिस्तानी सरकार को इन आतंकी गुटों पर नकेल कसने की मांग की। यह प्रदर्शनी ऐसे समय में हुई जब पाकिस्तान खुद को शांतिदूत के रूप में पेश कर रहा है और अमेरिका-ईरान युद्ध को रोकने के लिए मध्यस्थता की कोशिश कर रहा है।

बिटडेल्टा इंडिया ने पेश की इंस्टीट्यूशनल - ग्रेड की डिजिटल एसेट सुविधाएं

रायपुर/नवप्रदेश। बिटडेल्टा इंडिया नाम का एक नया क्रिप्टो ट्रेडिंग ऐप आज से भारत में शुरू हो गया है। इस कंपनी के लिए आपकी सुरक्षा और सुविधा सबसे ज्यादा जरूरी है। सबसे अच्छी बात यह है कि इन्होंने भारत सरकार की एफआईयू-इंड संस्था के साथ रजिस्ट्रेशन कराया है, जिसका मतलब है कि यहाँ आपका पैसा और जानकारी पूरी तरह सुरक्षित और कानूनी है। इनका लक्ष्य यही है कि भारतीय लोग बिना किसी डर के और सही तरीके से क्रिप्टो में निवेश कर सकें। अब भारतीयों के पास ट्रेडिंग के लिए एक भरोसेमंद और पक्का ठिकाना है। भारत दुनिया के सबसे बड़े और सबसे तेज़ी से बढ़ते क्रिप्टो बाज़ारों में से एक है। यहाँ करीब 11.9 करोड़ लोग रजिस्टर्ड हैं और अब बड़े शहरों के साथ-साथ छोटे शहरों (टियर-2 और टियर-3) के लोग भी इसमें खूब दिलचस्पी ले रहे हैं। जैसे-

जैसे यह मार्केट बड़ा हो रहा है, लोगों की सोच भी बदल रही है। अब लोग सिर्फ निवेश करना नहीं चाहते, बल्कि यह भी देख रहे हैं कि जिस प्लेटफॉर्म का वो इस्तेमाल कर रहे हैं वो कितना सुरक्षित है, कितना भरोसेमंद है और सरकारी नियमों का पालन करता है या नहीं। अब भारतीयों के लिए 'भरोसा' सबसे पहली प्राथमिकता बन गया है।

इस लॉन्च पर अपनी बात रखते हुए बिटडेल्टा इंडिया के सीईओ विकास एम सचदेवा ने कहा, भारत का क्रिप्टो मार्केट अब काफी समझदार हो गया है। यहाँ निवेश करने वाले लोग अब सिर्फ मुनाफे के पीछे नहीं भाग रहे, बल्कि वे भरोसा, सही सिस्टम और लंबे समय की सुरक्षा चाहते हैं। हमने 'बिटडेल्टा इंडिया' को इसी बदलाव को ध्यान में रखकर बनाया है। हमारा पूरा ढांचा सुरक्षा और सरकारी नियमों पर टिका है, ताकि हमारे यूजर्स पूरे आत्मविश्वास के साथ और बिना किसी चिंता के निवेश कर सकें।

इस एक्सचेंज पर आप सीधे भारतीय रुपयों में ट्रेड कर सकते हैं, चाहे वह स्पॉट मार्केट हो या डेरिवेटिव्स। इसका सिस्टम इतना तेज़ और एडवांस है कि मार्केट में कितनी भी उथल-पुथल हो, आपके सौदे बिना अटके तुरंत पूरे होंगे। अनुभवी ट्रेडर्स के लिए यहाँ एपीआई की सुविधा है, तो नए लोगों के लिए जुड़ने का तरीका बहुत आसान रखा गया है।

कोलकाता मशीन टूल्स-शो 8 से 11 मई तक पूर्वी भारत में मैन्युफैक्चरिंग को मिलेगी नई दिशा

कोलकाता/ए.। 8 से 11 मई तक बिस्वा बांग्ला मेला प्रांगण, कोलकाता में आयोजित होने जा रहा कोलकाता मशीन टूल्स शो 2026 पूर्वी भारत तथा आसपास के क्षेत्रों में मैन्युफैक्चरिंग सेक्टर को नई गति देने वाला एक महत्वपूर्ण मंच बनने जा रहा है। इसमें आधुनिक टेक्नोलोजी का प्रदर्शन होगा तथा औद्योगिक सहयोग को बढावा मिलेगा। इस प्रदर्शनी का आयोजन के. एन्ड डी. कोम्युनिकेशन लिमिटेड द्वारा किया जा रहा है, जो क्क2क्क इंडस्ट्रियल एग्जीबिशन के क्षेत्र में एक जाना-माना नाम है। इस इवेंट में देशभर के मैन्युफैक्चरर्स, टेक्नोलॉजी प्रोवाइडर्स, इंडस्ट्री एक्सपर्ट्स और निर्णय लेने वाले प्रमुख लोग एक ही छत के नीचे एकत्र होंगे। तेजी से उभरते पूर्वी भारत के औद्योगिक विकास को ध्यान में रखते हुए, चरूक्वस 2026 व्यवसायों को नए अवसरों से जोड़ने का काम करेगा। कोलकाता मशीन टूल्स शो 2026 में

आधुनिक मैन्युफैक्चरिंग में महत्वपूर्ण कई नए इन्जिनियरींग सोल्यूशन्स और मशीन टूल्स का प्रदर्शन किया जाएगा। इसमें मशीन टूल कटिंग और फॉर्मिंग, प्रिसीजन टूल्स, रोबोटिक्स और ऑटोमेशन, इलेक्ट्रिकल सिस्टम्स, हाइड्रोलिक्स, वेल्डिंग टेक्नोलॉजी, इंडस्ट्रियल लुब्रिकेंट्स और टेस्टिंग उपकरण में हुए इनोवेशन्स शामिल होंगे। इसके अलावा, मटेरियल हैंडलिंग, सरफेस फिनिशिंग, ट्यूब और पाइप टेक्नोलॉजी, इंडस्ट्रियल सेफ्टी और छ्र्ठ-छ्ररू सॉफ्टवेयर जैसी महत्वपूर्ण तकनीकों को भी प्रदर्शित किया जाएगा जो हाल में विकसित हो रही स्मार्ट मेन्युफेक्चरिंग का हिस्सा हैं। यह इवेंट नई तकनीकों और उत्पादों को लॉन्च करने के लिए भी एक बेहतरीन मंच होगा जहां इसके सही खरीददार मौजूद होंगे। यह प्रदर्शनी उन तेजी से बढ़ते विशाल इंडस्ट्रियल सेक्टर्स पर केंद्रित है जो भारत का मेन्युफेक्चरिंग भविष्य तय कर रहे हैं, जैसे ऑटोमोबाइल, कैपिटल गुड्स, कास्टिंग-फोर्जिंग, इलेक्ट्रॉनिक्स, इंफ्रास्ट्रक्चर और प्रोसेस प्लांट मशीनरी। इसके साथ ही कृषि और फूड प्रोसेसिंग, ऑयल और गैस, प्लास्टिक प्रोसेसिंग, रेलवे और डिफेंस, स्टील और हेवी इंजीनियरिंग, टेलीकॉम और टेक्सटाइल मशीनरी जैसे सेक्टर्स भी इसमें शामिल होंगे।

रजनीकांत ने डाला वोट, कमल हासन समेत कई सेलेब्स ने किया मतदान

चेन्नई। तमिलनाडु विधानसभा चुनावों में मतदान जारी है। दक्षिण भारत के कई सुपरस्टार भी अलग-अलग पोलिंग बूथ पर अपना मतदान करते नजर आए। कमल हासन अपनी बेटी श्रुति हासन के साथ वोट डालने पहुंचे। वहां उन्होंने आम लोगों की तरह लाइन में लगकर वोट डाला। टीवीके प्रमुख और अभिनेता थलापति विजय भी अपना वोट डालने पोलिंग बूथ पहुंचे। यहां भीड़ ने उन्हें घेर लिया। साउथ सुपरस्टार अजित कुमार, धनुष, विजय सेतुपति भी मतदान करने पहुंचे। वहीं चेन्नई के एक स्कूल में पहुंचकर सुपरस्टार रजनीकांत ने भी अपना वोट दिया। तृषा कृष्णनन भी वोटिंग करते वक्त उत्साहित दिखीं। तमिलनाडु विधानसभा चुनावों में विजय थलापति की को-एक्ट्रेस और करीबी दोस्त तृषा कृष्णनन भी वोट देने पोलिंग बूथ पहुंचीं। वह वोट डालने के बाद काफी उत्साहित दिखीं। तृषा ने फैंस और आम लोगों को भी वोट करने के लिए प्रोत्साहित किया। दोपहर के वक्त चिरंजीवी भी अपना वोट डालने के लिए मतदान केंद्र पर दिखाई दिए। वहीं साउथ के कई सेलेब्स के बाद सूर्या, ज्योतिका और विजय सेतुपति भी मतदान करने पोलिंग बूथ पर आए। अपना वोट डालकर उन्होंने लोकतंत्र के महापर्व में अपना योगदान दिया।

पंचायती राज दिवस विशेष: महिला नेतृत्व की नई मिसाल, जगन्नाथपुर में बेटियों के हाथ विकास की कमान

पंचायती राज व्यवस्था ने दिखाई इन महिलाओं को घर की दहलीज से बाहर निकल कुछ करने का रास्ता

बालोद/नवप्रदेश। पंचायती राज दिवस के अवसर पर ग्राम जगन्नाथपुर आज महिला सशक्तिकरण और स्थानीय स्वशासन की ताकत का जीवंत उदाहरण बनकर उभरा है। यहां सरपंच, जनपद सदस्य और जिला पंचायत सदस्य–तीनों ही महिलाएं हैं, जिन्होंने पहली बार चुनाव जीतकर न केवल नेतृत्व संभाला, बल्कि गांव के विकास को नई दिशा भी दी है।

पहली बार चुनाव, मजबूत नेतृत्व: सरपंच देव कुंवर कोसमा, जनपद सदस्य दमयंती हरदेल और जिला पंचायत सदस्य पूजा वैभव साहू–तीनों ने पहली बार चुनाव लड़कर जीत हासिल की। इनकी यह सफलता इस बात का संकेत है कि गांव में अब महिलाएं निर्णय लेने की मुख्यधारा में आ चुकी हैं और जनता ने भी उन पर पूरा भरोसा जताया है।

समस्याओं के समाधान में सक्रिय भूमिका: तीनों जनप्रतिनिधि क्षेत्र की समस्याओं को समझकर उनके समाधान में लगातार जुटी हुई हैं। ग्रामीणों का कहना है कि अब मूलभूत सुविधाओं पर ध्यान बढ़ा है। लोगों की शिकायतों को गंभीरता से सुना जा रहा है। गांव में सहभागिता और संवाद का माहौल बना है।

ग्राम विकास समिति की कमान भी महिलाओं के हाथ: अब तो इस गांव में ग्राम विकास समिति का नेतृत्व भी महिलाओं ने संभाल लिया है। समिति की अध्यक्ष कोमिन साहू गांव सुधार और सामाजिक बदलाव के लिए लगातार प्रयासरत हैं। वे विशेष रूप से गांव को नशामुक्त बनाने और लोगों को सही दिशा में जागरूक करने के अभियान को आगे बढ़ा रही हैं।

चुनौतियों के बावजूद नहीं मानी हार: अध्यक्ष कोमिन साहू ने बताया कि उनके कार्य में कई तरह की चुनौतियां सामने आ रही हैं, लेकिन इसके बावजूद उन्होंने हार नहीं मानी है। नशामुक्ति और सामाजिक सुधार के लिए उनका प्रयास लगातार जारी है, और वे गांव के हर वर्ग को इस अभियान से जोड़ने में लगी हुई हैं।

पंचायती राज ने दिया अवसर, महिलाओं ने दिखाई ताकत

इन सभी महिला प्रतिनिधियों ने कहा कि पंचायती राज व्यवस्था ने उन्हें घर की चारदीवारी से बाहर निकलकर समाज और गांव के लिए काम करने का अवसर दिया है, जिसके लिए वे खुद को सौभाग्यशाली मानती हैं। उन्होंने हर्ष व्यक्त करते हुए कहा कि अब वे अपने क्षेत्र के विकास और समाज सुधार के लिए पूरी निष्ठा से काम कर रही हैं। सभी महिलाएं पढ़ी लिखी शिक्षित और समझदार भी हैं।

प्रेरणादायक बन रहा जगन्नाथपुर गांव

आज जगन्नाथपुर गांव न सिर्फ बालोद जिले, बल्कि पूरे छत्तीसगढ़ के लिए एक प्रेरणादायक उदाहरण बनता जा रहा है, जहां महिला नेतृत्व विकास की धुरी बना है। सामाजिक बुराइयों के खिलाफजागरूकता बढ़ रही है। कह सकते हैं कि जब महिलाएं नेतृत्व संभालती हैं, तो बदलाव सिर्फयोजनाओं में नहीं, बल्कि समाज की सोच में भी दिखाई देता है।

न्यूज गैलरी

बोलेरो में भरकर ले जा रहे थे पांच गौ वंश, गाड़ी खराब होने पर छोड़कर भागे

बतौली/नवप्रदेश। छत्तीसगढ़ के सरगुजा में गौ तस्करी का हद हो गई है, प्रशासन के नाक के नीचे लगातार तस्करों द्वारा बुलेरो वाहन में पशुओं को ठूस- ठूस कर बूचड़ खाना ले जाया जा रहा है। वाहनों से पकड़ाते गौ तस्करों के वाहन जहां पशुओं पर हो रही क्रूरता के साक्ष्य खुलेआम दिख रहे है। जिससे ग्रामीणों के मन में आक्रोश पैदा कर रहा है। जहां पुलिस के सतत निगरानी के बावजूद तस्करों द्वारा पशु तस्करी कर गौ वंश को बूचड़खाना भेजा जा रहा है। आपको बता दें कि, बतौली थाना क्षेत्र में लगातार गौ तस्करों के वाहन खराब होने पर गौ वंश की तस्करी का मामला उजागर हुआ है। जहां अब तक 2 पिकअप, 1 स्कॉर्पियो सहित अब बुलेरो वाहन पशुओं से भरे हुए ग्रामीणों को मिला है। जिनमें 3 बैल, 1 गर्भवती गाय सहित बछड़े को बुलेरो में देवरी के पास सड़क किनारे पाया गया। तस्कर ग्रामीणों को चकमा देकर मौके से फरार हो गए। बजरंग दल से विजय यादव, मोनू तिवारी अपनी टीम संग पहुंचे और गौ वंश को आजाद कराया गया। इन पर इतना अत्याचार किया गया था कि, वो चलने लायक भी नहीं थे।

आईटीआई में छात्रों से कराया जा रहा था मजदूरी, हाथों की 5 उंगलियां कटीं

बालोद/नवप्रदेश। छत्तीसगढ़ के बालोद जिले के डौंडीलोहारा स्थित औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान (आईटीआई) से एक गंभीर लापरवाही का मामला सामने आया है, जहां छात्रों से पढ़ाई के बजाय मजदूरी और मिस्त्री का काम कराया जा रहा था। इसी दौरान एक बड़ा हादसा हो गया, जिसमें एक छात्र गंभीर रूप से घायल हो गया। मिली जानकारी के अनुसार, आईटीआई में छात्रों से बाथरूम की दीवार निर्माण, प्लास्टर और ईंट जोड़ने जैसे कार्य करवाए जा रहे थे, जो उनके पाठ्यक्रम का हिस्सा नहीं है। बताया जा रहा है कि फिटर ट्रेड का छात्र टाकेश्वर कुमार भी अन्य छात्रों के साथ ईंट ढुलाई और निर्माण कार्य में लगा हुआ था। इसी दौरान अचानक संतुलन बिगड़ने से ईंट ढुलाने वाले उपकरण में उसका हाथ फंस गया, जिससे उसके दोनों हाथों की 5 उंगलियां कट गईं। घटना के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई। घायल छात्र को तत्काल अस्पताल पहुंचाया गया, जहां उसकी गंभीर स्थिति को देखते हुए हायर सेंटर रेफर कर दिया गया। घटना के बाद आईटीआई के छात्रों में भारी आक्रोश देखने को मिल रहा है। छात्रों का आरोप है कि पिछले कई वर्षों से संस्थान में पढ़ाई के बजाय उनसे निर्माण कार्य, दीवार मरम्मत, छत ढलाई जैसे काम करवाए जाते हैं।

पत्नी की चरित्रशंका को लेकर पति बना हैवान, सिर काटकर घूमता रहा

कोरबा/नवप्रदेश। छत्तीसगढ़ के कोरबा जिले में एक पति ने नशा की हालत में वहशियत को अंजाम दिया। इस घटना ने सनसनी फैला दी। बालको थाना क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले रजगामार पुलिस चौकी क्षेत्र के ग्राम बुंदेली में यह घटना बुधवार दोपहर घटित हुई। गांव में तब सनसनी फैल गई जब एक व्यक्ति अपनी पत्नी का कटा हुआ सिर और काटने में उपयोग किया गया कटारनुमा चाकू लेकर घूमता रहा। पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। जानकारी के मुताबिक ग्राम बुंदेली निवासी सालिक राम पिता राम प्रसाद यादव रोजी-मजदूरी का काम करता है। वह गांव के ही किसी फार्म हाउस में रहकर मजदूरी आदि कार्य किया करता था। उसने आज अपनी पत्नी से हुए विवाद के बाद शराब के नशा में तैश में आकर धारदार चाकू से पत्नी का गर्दन ही काट दिया। पति का वहशीपन यहीं नहीं थमा बल्कि उसने पत्नी के धड़ को यूं ही छोड़ दिया और बिना किसी दुःख व पश्चाताप के कटे हुए सिर को प्लास्टिक की बोरी में रखा। चाकू भी इस बोरी में रखा और मोटरसाइकिल की डिक्की में बोरी को रखकर पुलिस चौकी रजगामार जाने के लिए निकल पड़ा। रास्ते में एक पोल्ट्री फार्म के पास रुक कर उसने लोगों को बताया कि वह पुलिस चौकी जा रहा है, उसने अपनी पत्नी का सिर काट दिया है।

तहसीलदार का ड्राइवर मृत हालत में मिला, पुलिस कर रही जांच

कोरबा/नवप्रदेश। प्रशासनिक हलके में एक दुखद घटना सामने आई है। जो जानकारी सामने आ रही है उसमें कोरबा तहसीलदार का ड्राइवर उत्तरा कुमार कश्यप का शव बालको के लाल घाट में बुधवार देर शाम मिला है। बताया जा रहा है कि उत्तरा कुमार कश्यप सुबह से ही घर से निकला हुआ था और वह नशे का आदी था। तो ऐसी संभावना जताई जा रही है कि अत्यधिक शराब सेवन से उसकी मौत हो गई है। पुलिस ने शव को जिला अस्पताल के मर्चुरी में रखवा दिया है और परिजनों के आने के बाद मार्ग कम कर पोस्टमार्टम की कार्रवाई की जाएगी ताकि मौत के कारणों का पता चल सके।

श्रम कानून के दायरे में आएंगे डिलीवरी बॉय, कानून का मसौटा बनकर तैयार, 45 दिनों में दावा आपत्ति मंगाई

साय सरकार लाएगी सामाजिक सुरक्षा कानून, गिग वर्कर को मिलेगी सुरक्षा

रायपुर/नवप्रदेश। छत्तीसगढ़ में काम करने वाले हजारों डिलीवरी बॉय यानी गिग वर्कर जैसे जोमैटो, स्विगी जैसी कंपनियों के लिए काम करते हैं, इनके साथ ही ओला, उबर जैसी टैक्सी सर्विस के लिए काम करते हैं, के हक में राज्य सरकार एक बड़ा और अहम कदम उठाने जा रही है। सरकार इन लोगों के लिए सामाजिक सुरक्षा संहिता के तहत कानून ला रही है, जो इन्हें सुरक्षा प्रदान करने के साथ ही शासकीय योजनाओं में हिस्सेदार भी बनाएगा। इस कानून का मसौटा बनकर तैयार है, इस पर 45 दिनों में दावा आपत्ति मंगाई गई है, इसके निराकरण के बाद यह लागू कर दिया जाएगा।

क्यों किया जा रहा है ये बदलाव: सूत्रों से मिली जानकारी के मुताबकि ये बदलाव क्यों किया जा रहा है। वजह ये है कि डिलीवरी बॉय या गिग वर्कर को अब तक श्रमिक ही नहीं माना जाता है। ये लोग न संगठित क्षेत्र के श्रमिक के रूप में गिने जाते है, न ही असंगठित क्षेत्र में। दूसरी और जिन कंपनियों के लिए ये काम करते हैं वह इन्हें वर्कर न मानकर अपना वर्किंग पार्टनर मानती हैं और काम के बदले कमीशन के रूप में राशि अदा करती है। लिहाजा ये लोग अब तक किसी प्रकार से भी श्रम कानून के दायरे में नहीं आते हैं, लेकिन नया कानून इन्हें पूरी तरह संरक्षण देगा। इसी काम के लिए छत्तीसगढ़ सरकार ने 'सामाजिक सुरक्षा संहिता (छत्तीसगढ़) नियम, 2026 तैयार किया है।

गिग वर्कर्स के लिए प्रावधान

गिग वर्कर्स (जैसे जोमैटो, स्विगी, ओला, उबर के डिलीवरी पार्टनर या ड्राइवर) और प्लेटफॉर्म वर्कर्स के लिए इस संहिता में पहली बार व्यापक प्रावधान किए गए हैं। पहली बार कानून में 'गिग वर्कर' और 'प्लेटफॉर्म वर्कर' को परिभाषित किया गया है ताकि उन्हें कानूनी सुरक्षा मिल सके। सामाजिक सुरक्षा कोष राज्य सरकार एक विशेष कोष बनाएगी। इसमें एग्रीगेटर्स (कंपनियों) को अपने टर्नओवर का 1 से 2 प्रतिशत हिस्सा योगदान देना होगा।

सामाजिक सुरक्षा मंडल बनेगा श्रम मंत्री होंगे अध्यक्ष

इस कानून के तहत सामाजिक सुरक्षा मंडल का गठन किया जाएगा। छत्तीसगढ़ के श्रम मंत्री इस मंडल के पदेन अध्यक्ष होंगे । श्रम विभाग के सचिव उपाध्यक्ष की भूमिका निभाएंगे। मंडल में कुल 31 नामांकित सदस्य होंगे, जिनमें असंगठित श्रमिकों, नियोक्ताओं, छत्तीसगढ़ विधानसभा के सदस्यों और नागरिक समाज के प्रतिष्ठित व्यक्तियों का प्रतिनिधित्व होगा।

गिग वर्कर का होगा आधार आधारित पंजीयन

असंगठित क्षेत्र के श्रमिकों, गिग वर्कर्स और प्लेटफॉर्म वर्कर्स के लिए आधार आधारित अनिवार्य पंजीकरण की व्यवस्था होगी। एकल खिड़की प्रणाली, रिपोर्टिंग और शिकायतों के लिए डिजिटल प्लेटफॉर्म का उपयोग किया जाएगा ताकि श्रमिकों को सरकारी दफ्तरों के चक्कर न काटने पड़ें। अब निश्चित अवधि के कर्मचारियों को भी ग्रैच्युटी का लाभ मिलेगा, भले ही उनकी सेवा पांच साल से कम हो।

9 अलग-अलग कानूनों को मिलाकर बनाया एक

नए कानून की खास बात ये है कि श्रम से संबंधित 9 कानून जो अलग-अलग तरह के श्रमिकों के लिए बने थे, उन सभी को मिलाकर एक बनाया जा रहा है। इनमें कर्मचारी मुआवजा अधिनियम, 1923, कर्मचारी राज्य बीमा अधिनियम, ईएसआई एक्ट, कर्मचारी भविष्य निधि और विविध प्रावधान अधिनियम, 1952 ईपीएफएक्ट, प्रसूति प्रसुविधा अधिनियम, 1961, उपादान भुगतान अधिनियम, 1972, सिने-श्रमिक कल्याण कोष अधिनियम, 1981, भवन और अन्य सन्निर्माण कर्मकार कल्याण उपकर अधिनियम, 1996, असंगठित श्रमिक सामाजिक सुरक्षा अधिनियम, 2008, रोजगार कार्यालय (रिक्तियों की अनिवार्य अधिसूचना) अधिनियम, 1959 शामिल है।

हाईवा और टैंकर की टक्कर में दो चालक गंभीर रूप से घायल

बलौदाबाजार/नवप्रदेश। लौदाबाजार जिले के गिधपुरी थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्राम भवानीपुर में बुधवार दोपहर एक दर्दनाक सड़क हादसा हो गया, जिसमें चिखली रेत घाट से रेत लेकर आ रहे एक हाइवा और डीजल-पेट्रोल टैंकर की आमने-सामने जोरदार टक्कर हो गई। टक्कर इतनी भीषण थी कि दोनों वाहनों के आगे के हिस्से पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गए और दोनों चालक स्टेयरिंग में फंस गए। जानकारी के अनुसार, डीजल-पेट्रोल टैंकर बलौदाबाजार से डीजल खाली कर मंदिरहसोद डिपो की ओर लौट रहा था, तभी भवानीपुर के पास सामने से आ रहे हाइवा से उसकी टक्कर हो गई। हादसे के तुरंत बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई और आसपास के लोग मदद के लिए पहुंच गए।

घटना की सूचना मिलते ही गिधपुरी पुलिस मौके पर पहुंची। थाना प्रभारी उनेख देशमुख ने बताया कि दोनों वाहन बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गए थे और चालक अंदर फंसे हुए थे। पुलिस और स्थानीय लोगों ने मिलकर जेसीबी मशीन की मदद से दोनों चालकों को बाहर निकाला।

बंटवारा मांगा तो छोटे भाई ने बड़े भाई को जिंदा जला दिया

महासमुंद/नवप्रदेश। जमीन बंटवारे को लेकर हुए विवाद में छोटे भाई ने अपने बड़े भाई को धान से भरे कमरे में पेट्रोल डालकर जिंदा जला दिया। जिले के बागबाहरा थाना क्षेत्र के आमगांव में मंगलवार देर शाम हुई इस घटना में बड़े भाई की मौके पर ही मौत हो गई। हत्या के बाद आरोपी फरार है। पुलिस जुर्म दर्ज कर मामले को विवेचना कर रही है। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार, मरार कसहीबाहरा निवासी मालती साहू ने दर्ज रिपोर्ट में बताया है कि कृष्णकांत का जमीन बंटवारे को लेकर परिजनों से काफी दिनों से विवाद चल रहा था। मंगलवार को कृष्णकांत दुबे और प्रार्थिया आमगांव पहुंचे थे। इस दौरान छोटे भाई दौलत से जमीन बंटवारा की बात कहने पर विवाद शुरू हो गया। विवाद इतना बढ़ा कि दोनों ने एक दूसरे पर हमला बोल दिया।

छोटे भाई दौलत के वार से घायल हुए कृष्णकांत को बचाने के लिए प्रार्थिया ने गांव में गुहार लगाई, लेकिन उसके लौटते तक दौलत ने धान की कोठी में बंद कर घायल अवस्था में कृष्णकांत पर पेट्रोल डालकर आग लगा दी। आग पर काबू पाने दमकल बुलाया गया, लेकिन आग पर काबू पाने तक कृष्णकांत बुरी तरह जल चुका था। और घटना स्थल पर ही उसकी मौत हो गई थी। रिपोर्ट के मुताबिक मालती साहू ने पुलिस को बताया कि करीब 10 माह पूर्व कृष्णकांत दुबे से उसका परिचय हुआ था। तब से वह और कृष्णकांत दुबे पति-पत्नी के रूप मे रायपुर में रह रहे थे। वह कुछ दिनों बाद कृष्णकांत से शादी करने वाली थी।

ढाबे के रसोई में मिली गंदगी, संचालक को नोटिस जारी

बीजापुर/नवप्रदेश। खाद्य एवं औषधि प्रशासन द्वारा जिले के किराना दुकान व ढाबे का औचक निरीक्षण किया गया। अभिहीत अधिकारी डीके देवांगन के मार्गदर्शन में वरिष्ठ खाद्य सुरक्षा अधिकारी अंकित गुप्ता द्वारा शहर के बबलू किराना एवं जनरल स्टोर तथा बिट्टू ढाबा का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान बबलू किराना से सत्तू का नमूना लेकर जांच हेतु लिया गया। इसी तरह बिट्टू ढाबा के निरीक्षण के दौरान ढाबे के रसोई में अस्वच्छता और अव्यवस्था पाई गई। जिस पर ढाबा संचालक को कड़ी कार्रवाई की चेतावनी दी गई। और पाई गई कमियों का रिपोर्ट तैयार किया गया जिसके आधार पर ढाबा संचालक को नोटिस भेजा गया है। नोटिस का पालन नहीं किये जाने पर संबंधित के विरूद्ध खाद्य सुरक्षा एंव मानक अधिनियम 2006 के प्रावधानों के तहत आगे की कार्यवाही की जाएगी।

लू का अलर्ट, 3 डिग्री बढ़ेगा तापमान

गर्मी के चलते व्यापमं परीक्षाओं का समय बदला, जगदलपुर में बारिश के साथ ओले गिरे

रायपुर/नवप्रदेश। प्रदेश में गर्मी का असर लगातार बना हुआ है और अब इसमें और तेजी आने के संकेत हैं। मौसम विभाग के अनुसार बीते 24 घंटों में तापमान में खास बदलाव नहीं हुआ, लेकिन अगले 24 घंटे में पारा 2 से 3 डिग्री सेल्सियस तक बढ़ सकता है। इसके बाद अगले तीन दिनों तक तापमान लगभग स्थिर रहने की संभावना है।

मौसम विभाग ने कल यानी 24 अप्रैल से मध्य छत्तीसगढ़ में हीट वेव चलने की चेतावनी दी है, जो अगले तीन दिनों तक असर दिखा सकती है। इससे लोगों को तेज गर्मी का सामना करना पड़ेगा।

इस बीच, प्रदेश के कुछ इलाकों में हल्की से मध्यम बारिश भी दर्ज की गई। जगदलपुर में बुधवार दोपहर बारिश के साथ ओले गिरे। तापमान की बात करें तो दुर्ग में सबसे अधिक 43.2°C और जगदलपुर में न्यूनतम 20.5°C दर्ज किया गया। भीषण गर्मी को देखते हुए बिलासपुर में व्यापम की प्रतियोगी परीक्षाओं के समय में बदलाव किया गया है। अब परीक्षाएं सुबह 10 बजे से होंगी, जो पहले दोपहर 12 बजे से आयोजित होती थीं। 26 अप्रैल को मंडी बोर्ड उप निरीक्षक, 14 मई को एसएससी नर्सिंग और पीईटी, तथा 21 मई को पीपीएचटी परीक्षा सुबह 10 बजे से आयोजित की जाएगी।

जेट स्ट्रीम की तेज हवाओं से बदला मौसम: मौसम में बदलाव की वजह ऊपर आसमान में तेज हवा का एक मजबूत प्रवाह है, जिसे सबट्रॉपिकल वेस्टर्ली जेट स्ट्रीम कहते हैं। यह हवा जमीन से करीब 12.6 किमी ऊपर 90 से 110 नॉट की तेज रफ्तार से चल रही है, जिसका असर मध्य और पूर्वोत्तर भारत के मौसम पर पड़ रहा है।

अगले दो दिन मौसम रहेगा शुष्क: मौसम विभाग के मुताबिक अगले दो दिनों तक प्रदेश में मौसम शुष्क रहने की संभावना है। किसी प्रकार की चेतावनी फिलहाल जारी नहीं की गई है, लेकिन अलग-अलग स्थानों पर हीटवेव की स्थिति बन सकती है।

रायपुर में साफ रहेगा आसमान: आज आसमान मुख्यतः साफरहने का अनुमान है। यहां अधिकतम तापमान 43°C और न्यूनतम तापमान 29°C के आसपास रह सकता है।

जगरगुंडा मेले में उमड़ी भीड़: नगाड़े की धुन में झूमे हजारों लोग, 23 पंचायतों के 54 गांवों से सिरहा, पुजारी, गायता हुए शामिल

बंदूकों की गूंज और डर के तीन दशक बाद मांदर की धुन का उत्साह

सुकमा/नवप्रदेश। तीन दशक से भी ज्यादा समय तक नक्सल दंश झेल चुके जगरगुंडा में अब मांदर व ढोल बाजे और नगाड़े की धुन सुनाई देती है। आलम यह है कि दर्जन ग्रामों के हजारों ग्रामीणों का हुजूम दशकों बाद मेले में शामिल होकर देवी की पूजा अर्चना बीहड़ कहे जाने वाले क्षेत्रों में उत्साह दिखा।

तीन दिवसीय आयोजित इस मेले में आसपास के 23 पंचायतों के 54 गांवों से सिरहा, पुजारी, गायता और पेन तलापत्ति सहित हजारों ग्रामीण शामिल हुए। दूर-दराज से जनप्रतिनिधियों और व्यापारियों का जमावड़ा लगा, जिससे जगरगुंडा में रौनक देखते ही बन रही थी। स्थानीय बाजारों में लगी दुकानों पर ग्रामीणों ने जमकर खरीदारी की।

जब दीपिका हुई मेले में शामिल: मेले में छत्तीसगढ़ राज्य महिला आयोग की सदस्य एवं अधिवक्ता दीपिका शोरी ने दिनभर उपस्थित रहकर ग्रामीणों और जनप्रतिनिधियों के साथ समय बिताया। उन्होंने मेला समिति और स्थानीय जनप्रतिनिधियों के साथ पारंपरिक रस्मों में भाग लिया। माँ दारेलम्मा के स्वागत-वंदन, पेद्दापंडुम मंडपम और देवी-देवताओं के मिलन समारोह में शामिल होकर क्षेत्र की समृद्ध संस्कृति को नमन किया।

दशकों के बाद बदलाव

ग्रामीणों और मेला समिति के अनुसार यह मेला पहले 12 वर्षों में एक बार आयोजित होता था, लेकिन लंबी अवधि को देखते हुए अब इसे हर 3 वर्षों में आयोजित किया जा रहा है। सलवा जुडूम के दौर के बाद यह मेला पूरी तरह बंद हो गया था।

अभूतपूर्व उत्साह दिखा

इस बार मेले की धमक कुछ अलग ही उत्साह बयां कर रही थी। सुरक्षा को लेकर पुलिस की ओर से सारी तैयारी के बीच सहायता केंद्र भी खोले गए थे।
– **तोमेश वर्मा**, एसडीओपी, जगरगुंडा

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक एवं मुद्रक प्रधान संपादक यशवंत धोटे द्वारा, मिनल पब्लिकेशन एंड प्रोडक्शन प्रा.लि. शेड नंबर 74, सेक्टर-सी, उरला इंडस्ट्रीयल एरिया रायपुर, से मुद्रित कर तृतीय तल, सुपर मार्केट कॉम्पलेक्स, राजा रघुराज सिंह स्टेडियम के सामने अग्रसेन चौक, बिलासपुर से प्रकाशित, RNI NO.CHHHIN/2015/62431, संपादक-चन्द्रशेखर* (पीआरबी एक्ट के तहत खबरों के लिए उत्तरदायी), स्थानीय संपादक-विक्रम सिंह ठाकुर, समाचार संपादक-संदीप दीवान, फोन नंबर : 07752-468654, navpradeshbilaspur01@gmail.com